सूर्योदय 5:17 सूर्यास्त 7:24

आज का तापमान

शिमला	17.2 न्यू	27.4 अधि
धर्मशाला	18.5 न्यू	34.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,243
निफ्टी	23,366
सोना	1,54,000
चांदी	2,55,000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 8 जून 2026 | 25 ज्येष्ठ, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 160, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

हाईकोर्ट में आज से गर्मी की छुट्टियां शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में सोमवार से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो गया है। यह अवकाश 8 से 12 जून तक रहेगा, जबकि 13 जून को शनिवार और 14 जून को रविवार होने के कारण नियमित कार्यवाही 15 जून से फिर शुरू होगी। इस दौरान सामान्य न्यायिक कामकाज प्रभावित रहेगा, लेकिन अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई और प्रशासनिक कार्य जारी रहेंगे। अवकाश के दौरान न्यायमूर्ति रमेश वर्मा को वेकेशन जज नियुक्त किया गया है, जो 9 जून को जरूरी मामलों की सुनवाई करेंगे। हाईकोर्ट रजिस्ट्री भी इस दौरान काम करती रहेगी। साथ ही, वाणिज्यिक मामलों के त्वरित निपटारे के लिए न्यायमूर्ति ज्योत्सना रिवाल दुआ और न्यायमूर्ति सुशील कुकरेजा को कमर्शियल डिवीजन का जिम्मा सौंपा गया है। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका में भारतीय युवक की हत्या

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर में 28 वर्षीय भारतीय युवक अंशुल कुंचा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, उन्हें पिज्जा डिलीवरी के फर्जी ऑर्डर के जरिए एक खाली अपार्टमेंट में बुलाया गया और बाहर निकलते ही सिर में गोली मार दी गई। घटना शुक्रवार आधी रात करीब 12:30 बजे उत्तर फिलाडेल्फिया के रमेंड रोजेन होम्स हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में हुई। मौके से तीन खाली कारतूस बरामद किए गए, जो नजदीक से फायरिंग का संकेत देते हैं। अपार्टमेंट खाली पाया गया और पिज्जा बॉक्स अनछुए मिले। तेलंगाना के रहने वाले अंशुल चार साल से अमेरिका में रह रहे थे और एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी के साथ पार्ट-टाइम डिलीवरी करते थे। उनकी बहन ने इसे सुनियोजित साजिश बताया है। (अनंत ज्ञान)

मंत्रियों, विधायकों और अफसरों को अगले महीने से मिलेगा पूरा वेतन : सीएम सुक्खू

हाई-प्रोफाइल समीक्षा बैठक में बनी 30% कटौती खत्म करने की सहमति

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रविवार को राज्य सचिवालय में आला अधिकारियों के साथ एक हाई-प्रोफाइल समीक्षा बैठक की। इस बैठक में सरकार ने एक बड़ा यू-टर्न लेते हुए यह ऐलान कर दिया है कि अगले महीने से मंत्रियों, विधायकों व उच्च अधिकारियों को बिना किसी 30 फीसदी कटौती के पूरा वेतन दिया जाएगा और साथ ही उनका पुराना एरियर भी बहाल कर दिया जाएगा।

सचिवालय में हाई लेवल मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए सीएम सुक्खू।

बैठक के समापन के बाद सचिवालय परिसर में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू ने कई जलते हुए मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस अनौपचारिक वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने जहां एक तरफ अपनी सरकार की उपलब्धियों व प्रशासनिक कसावट का रोडमैप सामने रखा, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष और पार्टी के भीतर से उठने वाले तीखे सवालों का बेहद आक्रामक ढंग से जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने इस बातचीत में साफ संकेत दिए कि उनकी सरकार अब किसी भी मोर्चे पर ढुलमुल रवैया अपनाने के मूड में नहीं है और आगामी दिनों में प्रशासनिक स्तर पर कुछ और कड़े फैसले लिए जा सकते हैं। इस दौरान उन्होंने एचआरटीसी के पेंशनरों को लेकर भी एक बड़ी घोषणा की, जिसके तहत अब हर महीने की 7 से 10 तारीख के बीच पेंशनरों को अनिवार्य रूप से पेंशन दे दी जाएगी। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से भाजपा सांसद हर्ष महाजन के उस हालिया बयान पर सवाल पूछा, जिसमें उन्होंने 'कांग्रेस में इस्तीफों की झड़ी' लगने का दावा किया था, तो सुक्खू ने बेहद तल्ख और शायराना अंदाज में पलटवार किया। मुख्यमंत्री ने दोटूक शब्दों में कहा कि वह ऐसे 'शायराना' और खोखले बयानों को पूरी तरह दरकिनार करते हैं और इन्हें बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लेते। उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष केवल अफवाहों और हवा-हवाई दावों के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रहा है, जबकि कांग्रेस सरकार पूरी तरह मजबूत है और अपना कार्यकाल गौरवशाली ढंग से पूरा करेगी।

नीरज भारती के आरोपों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं

पत्रकारों से बातचीत में जब सीएम से नीरज भारती के आरोपों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यदि कोई नशेड़ी व्यक्ति अनर्गल ब्यानबाजी करता है तो उसकी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए। सीएम ने स्पष्ट किया कि अनुशासनहीनता के खिलाफ सरकार और संगठन का रुख बिल्कुल साफ है। उन्होंने याद दिलाया कि पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनर्गल बयानबाजी के चलते ही उक्त नेता को 6 साल के लिए निष्कासित कर बाहर का रास्ता दिखाया है, इसलिए अब उनके आरोपों का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपए महंगा

तीन महीने में 89 रुपए बढ़े दाम, उपभोक्ताओं पर बढ़ा बोझ

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। नई दरें शनिवार रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर अब 29 रुपए महंगा हो गया है। इसके बाद दिल्ली में सिलेंडर की कीमत 913 रुपए से बढ़कर 942 रुपए हो गई है, जबकि पटना में इसकी कीमत 1040 रुपए तक पहुंच गई है।

पिछले तीन महीनों में यह दूसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले 7 मार्च को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़ाए गए थे। इस तरह मार्च से अब तक सिलेंडर कुल 89 रुपए महंगा हो चुका है। तेल कंपनियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की बढ़ती कीमतों और घरेलू बिक्री पर हो रहे नुकसान के चलते कीमतों में संशोधन करना पड़ा है। सरकार का कहना है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा कीमतों में तेजी के बावजूद भारत में उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत सस्ती रसोई गैस उपलब्ध कराई जा रही है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति लागत 1600 रुपए से अधिक पहुंच चुकी है, जबकि उपभोक्ताओं से इससे काफी कम कीमत वसूली जा रही है। ऐसे में सरकारी तेल कंपनियों को प्रति सिलेंडर करीब 700 रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। घरेलू एलपीजी पर कुल अंडर-रिकवरी पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर 60 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गई। विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के कारण एलपीजी की वैश्विक कीमतों में तेज उछाल आया है। भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बदलाव का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। (अनंत ज्ञान)

नीट सिस्टम में बड़े बदलाव की तैयारी पेपर लीक के बाद नया मॉडल होगा लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

नीट यूजी-2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद परीक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनटीए एक ऐसा नया सिस्टम विकसित कर रही है, जिसमें प्रश्न तैयार करने वाले विशेषज्ञों को भी यह जानकारी नहीं होगी कि सवाल किस परीक्षा के लिए हैं। नई व्यवस्था के तहत विषय विशेषज्ञ केवल प्रश्न तैयार करेंगे, जिन्हें एक बड़े डिजिटल प्रश्न बैंक में संग्रहित किया जाएगा। बाद में तकनीक की मदद से करीब 10 हजार सवालों के बैंक से फाइनल पेपर तैयार किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य पेपर लीक और अनियमितताओं को रोकना है। साथ ही ट्रांसलेशन प्रक्रिया में भी बदलाव करते हुए अधिकतर काम एआई से कराने की योजना है, जबकि एक्सपर्ट केवल वेरिफिकेशन करेंगे। (अनंत ज्ञान)

किरतपुर-रूपनगर मार्ग पर कार-ट्रक में टक्कर, दो की मौत

अनंत ज्ञान

बिलासपुर। पंजाब के किरतपुर साहिब-रूपनगर मुख्य मार्ग पर भरतगढ़ के पास रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। हिमाचल प्रदेश नंबर की एक कार एक ट्रक के पीछे जा टकराई, जिसमें एक युवक और एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

◆एक युवक गंभीर घायल

जानकारी के अनुसार कार में सवार तीनों लोग नंगल से रूपनगर की ओर जा रहे थे। भरतगढ़ बस अड्डे के आगे उनकी कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस और सड़क सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए रूपनगर अस्पताल भेज दिया गया, जबकि घायल युवक को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

महाराष्ट्र समेत 8 राज्यों में पहुंचा मानसून

एजेंसी, नई दिल्ली। मानसून अब दक्षिण कोंकण तक पहुंच गया है। इसके चलते सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी के कुछ हिस्सों में 9 जून तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार अगले सप्ताह तक महाराष्ट्र में बारिश की रफ्तार कमजोर रह सकती है।

आईएमडी के अनुसार मानसून मिजोरम और मणिपुर तक भी पहुंच चुका है और अगले दो दिनों में यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पूर्वोत्तर के बाकी हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। दक्षिण भारत के केरल, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जगहों पर भारी बारिश हो रही है। वहीं चेन्नई में लगातार पांचवें दिन तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। उत्तर भारत में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में गर्मी और लू का असर फिर तेज हो गया है। कई इलाकों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर भारत के कई हिस्सों में प्री-मानसून बारिश भी देखी जा रही है, जिससे मौसम में तेजी से बदलाव जारी है।

समग्र शिक्षा की निःशुल्क कोचिंग से चमके सरकारी स्कूलों के बच्चे
32 ने JEE Mains, 6 ने JEE Advanced किया पास

इस प्रेरणादायी उपलब्धि के अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू एवं शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने समग्र शिक्षा अभियान के उत्कृष्ट प्रदर्शन और विद्यार्थियों की शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

निःशुल्क कोचिंग से मेधावी विद्यार्थियों के सपनों को साकार कर रहा समग्र शिक्षाः राजेश शर्मा

शिमला- राज्य के सरकारी विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के रास्ते में आर्थिक बाधाएं नहीं आना चाहिए, इसी नजरिए से लेकर समग्र शिक्षा ने निशुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग की मुहिम शुरू की है। इस पहल से अनेक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं डॉक्टर और इंजीनियर बनने के अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने शानदार उपलब्धि हासिल कर अपने सपनों को पूरा किया है। हिमाचल प्रदेश के 32 विद्यार्थियों ने वर्ष 2025-26 में JEE Mains परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिनमें से 6 विद्यार्थियों ने JEE Advanced में सफलता प्राप्त कर नई मिसाल कायम की है।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सरकारी विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को तैयार करने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश ने 'सुपर-100' नामक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू किया है। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को JEE और NEET जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के लिए निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कोचिंग दी जा रही है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का अवसर मिल रहा है।

Mohit
GBSSS Sundar Nagar, Mandi
Rank-2339

Arush
GSSS Oachh Ghat, Solan
Rank-6019

Mohit Kapoor
GBSSS Chamba, Chamba
Rank-2367

Anjali
GGSSS Sunder Nagar, Mandi
PREP Rank-242

SAKSHNI
GSSS Killar, Chamba
PREP Rank-812

Isha Devi
GSSS Barotiwala, Solan
PREP Rank-812

ढली-रामपुर फोरलेन का सर्वे पूरा: सीएम सुक्खू

सुरंग आधारित सड़क निर्माण से सुगम होगा सफर, नाबार्ड के तहत विकसित होगी हाटू माता रोपवे परियोजना

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल की आस्था, पर्यटन व विकास को नई दिशा देने वाली कई महत्वपूर्ण घोषणाएं शनिवार को नारकंडा के हाटू माता मंदिर से सामने आईं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हाटू माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने धार्मिक पर्यटन, सड़क संपर्क व स्थानीय विकास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों को बेहतर सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य की देव संस्कृति विश्वभर में अपनी अलग पहचान रखती है और सरकार इस विरासत को पर्यटन विकास के साथ जोड़कर आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ढली-नारकंडा-रामपुर मार्ग को फोरलेन राजमार्ग के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ी प्रगति हुई है। परियोजना का सर्वेक्षण कार्य पूरा हो चुका है और आगामी औपचारिकताओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में सुरंग निर्माण को विशेष महत्व दिया जाएगा। इससे भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में जोखिम कम होगा और यात्रियों को वर्षभर सुरक्षित तथा सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पर्यटन, बागवानी और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करेगी। सीएम ने कहा कि हाटू माता क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार सक्रियता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाटू माता रोपवे परियोजना को नाबार्ड के अंतर्गत प्रस्तावित किया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के साकार होने से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि परियोजना को धरातल पर उतारने में कुछ वर्ष लग सकते हैं, फिर भी सरकार इसे प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रही है। हाटू माता सड़क के सुधार कार्यों के लिए भी धनराशि स्वीकृत की गई है। निर्माण कार्यों के दौरान पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी ताकि क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली सुरक्षित रह सके।

सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू का स्वागत करते हुए। मुख्यमंत्री ने हाटू माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की मांगी दुआ।

नारकंडा नगर पंचायत को 50 लाख की प्रोत्साहन राशि

मुख्यमंत्री ने निर्विरोध निर्वाचित नारकंडा नगर पंचायत को 50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पंचायती राज प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने नारकंडा में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में विधायक कुलदीप राठौर, विधायक कमलेश ठाकुर, हिमाचल प्रदेश वन विकास निगम के उपाध्यक्ष केहर सिंह खाची, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम, उपायुक्त अनुपम कश्यप, पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट मार्ग विवाद पर नौ सदस्यीय समिति का गठन

अनंत ज्ञान

- समिति सात दिन में प्रदेश सरकार को सौंपेगी रिपोर्ट
- अधिवक्ताओं के कोर्ट तक पहुंच से जुड़े मुद्दों का होगा अध्ययन

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश उच्च न्यायालय व जिला अदालत परिसर की ओर जाने वाले प्रतिबंधित मार्गों को लेकर चल रहे विवाद के समाधान के लिए राज्य सरकार ने नौ सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। सरकार ने समिति को तत्काल प्रभाव से कार्य शुरू करने तथा सात दिनों के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि समिति की सिफारिशों से लंबे समय से चले आ रहे इस विवाद का व्यावहारिक और स्थायी समाधान निकल सकेगा।

गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार समिति की अध्यक्षता प्रदेश के महाधिवक्ता अनुप रत्न करेंगे। समिति में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हमेंदर सिंह चंदेल, पूर्व महाधिवक्ता श्रवण डोगरा, अशोक शर्मा तथा बार काउंसिल के निर्वाचित सदस्य संजीव भूषण को सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव आशीष सिंहमार को समिति का संयोजक नियुक्त किया गया है। समिति में पुलिस मुख्यालय के डीआईजी (कानून एवं व्यवस्था), उपायुक्त शिमला व पुलिस अधीक्षक शिमला को भी शामिल किया गया है। यह समिति अदालत परिसरों तक अधिवक्ताओं की पहुंच से जुड़े सभी पहलुओं का अध्ययन करेगी और संबंधित विभागों, अधिकारियों तथा अन्य हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर अपनी सिफारिशें तैयार करेगी।

स्थायी व व्यावहारिक समाधान पर फोकस

सरकार ने स्पष्ट किया है कि समिति का मुख्य उद्देश्य प्रतिबंधित मार्गों से जुड़े विवाद का ऐसा समाधान तलाशना है जिससे सुरक्षा व्यवस्था और न्यायिक कार्यों की गरिमा बनाए रखते हुए अधिवक्ताओं एवं अन्य संबंधित पक्षों की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जा सके। साथ ही गृह विभाग समिति को आवश्यक प्रशासनिक और सचिवीय सहयोग उपलब्ध कराएगा। सरकार मैं उम्मीद जताई है कि समिति की रिपोर्ट के आधार पर अदालतों तक पहुंच से जुड़े विवाद का संतुलित और सर्वमान्य समाधान सामने आएगा।

समर फेस्ट शिमला का आज होगा भव्य आगाज

रिज मैदान पर सजेगी सितारों की महफिल; पांच दिन तक संस्कृति, संगीत व स्वाद का उत्सव

अनंत ज्ञान

- गुरनाम भुल्लर, जस्सी गिल शबाब साबरी और ज्योतिका दर्शकों का करेंगे मनोरंजन

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिल्स क्वीन शिमला की ऐतिहासिक वादियों में एक बार फिर उत्सव, उल्लास व उमंग की गूंज सुनाई देने वाली है। राजधानी का हृदय स्थल रिज मैदान पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शिमला समर फेस्टिवल के लिए पूरी तरह सज-धज कर तैयार है। रंग-बिरंगी रोशनियों, भव्य मंच और सांस्कृतिक वैभव के बीच सोमवार से शुरू होने वाला यह महोत्सव न केवल मनोरंजन का केंद्र बनेगा, बल्कि हिमाचल की समृद्ध लोक विरासत, कला, संगीत, खेल और खानपान की अनूठी पहचान को भी राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा। प्रशासन और आयोजन समिति ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है तथा शहर में उत्सव का माहौल साफ महसूस किया जा सकता है।

जानकारी के अनुसार समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी आकर्षण स्टार नाइट्स रहेंगी, जिनमें देश और प्रदेश के नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। 8 जून को बॉलीवुड पार्श्व गायक शबाब साबरी अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरेंगे। 9 जून को चर्चित गायिका ज्योतिका मंच संभालेंगी, जबकि 10 जून को हिमाचल के लोकप्रिय लोक कलाकार और 'नाटी किंग' कुलदीप शर्मा दर्शकों को हिमाचली रंग में रंगेंगे। 11 जून को मशहूर पंजाबी गायक गुरनाम भुल्लर अपनी प्रस्तुति देंगे तथा 12 जून को पंजाबी संगीत जगत के चर्चित गायक जस्सी गिल और बब्बल राय के कार्यक्रमों के साथ महोत्सव का भव्य समापन होगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ इस बार महोत्सव में प्रतियोगिताओं और रचनात्मक आयोजनों की भी भरमार रहेगी। जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता, वॉइस ऑफ शिमला, फैशन शो, डॉग शो, बेबी शो, कवि गोष्ठी, मुशायरा, रंगमंच उत्सव और फिल्म फेस्टिवल जैसे आयोजन लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेंगे। इसके अतिरिक्त सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, कला प्रदर्शनियां और विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं की प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम को और अधिक रंगीन बनाएंगी। बच्चों और युवाओं के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिससे हर आयु वर्ग के लोगों को उत्सव से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

संस्कृति और पर्यटन का अनूठा संगम

खानपान के शौकीनों के लिए लेडीज पार्क में विशेष 'शिमला स्वाद महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। यहां हिमाचल के विभिन्न जिलों के पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ देशभर के लोकप्रिय खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए जाएंगे। स्थानीय उत्पाद, हिमाचली धाम, पहाड़ी पकवान और विविध व्यंजनों की खुशबू पर्यटकों और स्थानीय लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। आयोजकों का मानना है कि यह महोत्सव पर्यटन को नई गति देने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों और प्रतिभाओं को भी व्यापक पहचान दिलाएगा।

लोगों से फेस्टिवल में बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील

आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने कहा कि शिमला समर फेस्टिवल केवल मनोरंजन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। यह मंच स्थानीय कलाकारों, हस्तशिल्पकारों और प्रतिभाओं को अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने प्रदेशवासियों और पर्यटकों से बड़ी संख्या में कार्यक्रमों में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि पांच दिनों तक चलने वाला यह महोत्सव संस्कृति, संगीत, खेल, कला और स्वाद का ऐसा भव्य संगम बनेगा, जो लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में जीवंत रहेगा।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

जुलूस निकालने पर हिंदू संगठन के दो नेताओं को भी किया अरेस्ट

अनंत ज्ञान

शिमला। शिमला में एक नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, इस मामले की जांच के दौरान दो अन्य मुस्लिम युवकों को कथित तौर पर भीड़ के बीच ले जाकर संजौली बाजार में उनका जुलूस निकालने और उनके साथ मारपीट करने के आरोप में हिंदू संगठनों से जुड़े दो नेताओं को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 5 जून को एक 16 वर्षीय किशोरी के परिजनों ने महिला थाना शिमला में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि परिवार के परिचित एक युवक ने किशोरी को अपने प्रतिष्ठान में बुलाकर उसके साथ अनुचित व्यवहार किया। शिकायत मिलने के बाद महिला थाना शिमला ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान साक्ष्य जुटाने और तथ्यों के सत्यापन के बाद 22 वर्षीय उबैद को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को नियमानुसार अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की निष्पक्ष पड़ताल की जा रही है।

इसी मामले के बीच संजौली बाजार में तनाव की स्थिति तब पैदा हुई जब कुछ लोगों ने दो अन्य मुस्लिम युवकों को कथित रूप से घेर लिया और उनका जुलूस निकाला। पुलिस के अनुसार इनमें अजीम मिर्जा और उसका सहकर्मी आफताब शामिल थे। पुलिस का कहना है कि किशोरी की शिकायत और उसके बयान में इन दोनों व्यक्तियों के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया था, हालांकि मामले में उनकी भूमिका की जांच की जा रही थी। संजौली थाना में दर्ज एफआईआर के अनुसार अजीम मिर्जा ने शिकायत दी कि कुछ लोग उसकी दर्जी की दुकान में पहुंचे, एक युवती को साथ लाए और उससे पहचान संबंधी सवाल पूछे।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि युवती द्वारा पहचान से इनकार करने के बाद उसके साथ मारपीट की गई, दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की तारें तोड़ी गईं और उसका वीडियो बनाने का प्रयास किया गया। शिकायत के अनुसार बाद में अजीम और आफताब को दुकान से बाहर सड़क तक ले जाकर उनके साथ मारपीट की गई तथा नारेबाजी की गई। इस मामले में पुलिस ने संजौली थाना में बीएनएस की धाराओं 333, 115(2), 351(2), 191(2), 190, 324(4), 196(1) एवं 304 के तहत मुकदमा दर्ज कर हिंदू संगठन हिन्दू संघर्ष समिति से जुड़े शिमला निवासी मदन ठाकुर (43) और विजय शर्मा (47) को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

वहीं, शिमला के एसएसपी गौरव सिंह ने कहा कि नाबालिग किशोरी की शिकायत पर दर्ज मामले की जांच संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून को अपने हाथ में लेने, किसी व्यक्ति के साथ मारपीट करने, भीड़तंत्र का सहारा लेने या पुलिस जांच में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। एसएसपी ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर जो भी व्यक्ति किसी अपराध में संलिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

एसएफआई ने किया एबीवीपी के 'गेट टुगेदर' कार्यक्रम का विरोध

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ विश्वविद्यालय इकाई ने विश्वविद्यालय परिसर में एबीवीपी द्वारा आयोजित 'गेट टुगेदर' कार्यक्रम का कड़ा विरोध किया है। एसएफआई ने आरोप लगाया है कि यह केवल एक सामान्य छात्र मिलन कार्यक्रम नहीं, बल्कि इसके माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ परिवार की विचारधारा के प्रभाव में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

संगठन का कहना है कि विश्वविद्यालय की पहचान हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों, वैज्ञानिक सोच और प्रगतिशील बहस की संस्कृति से रही है। एसएफआई ने कहा कि वर्तमान में छात्र फीस वृद्धि, छात्रवृत्ति में देरी, शोध संसाधनों की कमी, छात्रावासों के अभाव, बेरोजगारी और शिक्षा के निजीकरण जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में छात्रों के वास्तविक मुद्दों को उठाने के बजाय परिसर में वैचारिक और राजनीतिक माहौल तैयार करने की कोशिश की जा रही है।

संगठन ने आरोप लगाया कि इससे छात्रों का ध्यान उनके मूल सरोकारों से भटकाया जा रहा है और विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो सकता है। एसएफआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति से सवाल करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों को अनुमति किस आधार पर दी गई। संगठन ने मांग की है कि अनुमति प्रक्रिया को सार्वजनिक किया जाए, परिसर में किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक और ध्रुवीकरण करने वाली गतिविधियों पर रोक लगाई जाए तथा छात्रों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए। एसएफआई ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने इस मामले में स्पष्ट और निष्पक्ष रुख नहीं अपनाया तो संगठन छात्रों के साथ मिलकर व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेगा।

डॉ. मुकेश शर्मा ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर। सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण एवं स्नातकोत्तर कॉलेज के संस्थापक शिक्षाविद् डॉ. मुकेश शर्मा तथा उनकी टीम ने राज्यपाल कविंद्र गुप्ता से लोकभवन शिमला में शिष्टाचार भेंट कर रामपुर व दलाश क्षेत्र की विभिन्न जमीनी समस्याओं का संक्षेप में वर्णन किया। टीम में सरोज शर्मा (निर्देशिका, राधे-राधे वेटनरी फार्मासिस्ट संस्थान), उद्धव शर्मा व हेमराज सिद्धू भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मुद्दों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने डॉ. शर्मा द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा केंद्र खोलने के प्रयासों की खुले मन से प्रशंसा की और कहा कि हर नागरिक को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां समझनी चाहिए ताकि समाज सशक्त बने। भेंट-मुलाकात के दौरान डॉ. शर्मा की टीम ने राज्यपाल को पारंपरिक हिमाचली शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। भेंट के बाद डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्यपाल का समर्थन उम्मीद जगाने वाला है और उनका प्रयास रहेगा कि रामपुर व अन्य क्षेत्रों की आवाज़ सही मंच तक पहुंचकर विकास कार्यों में गति आ सके। यह शिष्टाचार भेंट स्थानीय समस्याओं को राज्य के उच्चतम स्तर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिमला में चंडीगढ़ के तीन युवकों को ड्रग्स के साथ किया गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

- 6.50 ग्राम चिट्टा और 6 ग्राम क्रिस्टल मेथ बरामद

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल की ठंडी वादियों में घूमने आए तीन युवकों की यात्रा उस समय थाने पहुंच गई, जब पुलिस ने उनकी कार की तलाशी के दौरान कथित तौर पर चिट्टा और क्रिस्टल मेथ बरामद कर लिया। शिमला जिले के कोटखाई क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस के अनुसार, 4 जून को कोटखाई थाना की टीम हुल्ली क्षेत्र में गश्त और अपराध निरोधक ड्यूटी पर थी। इसी दौरान पुलिस ने एक कार को जांच के लिए रोका। तलाशी के दौरान कार में सवार तीन लोगों के कब्जे से 6.50 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) और 6 ग्राम क्रिस्टल मेथ बरामद किया गया। बरामदगी के बाद पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 24 वर्षीय साहिल ढल, 27 वर्षीय गौरव ठाकुर और 31 वर्षीय वीकरण शर्मा के रूप में हुई है। तीनों आरोपी चंडीगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस ने इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया है।

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने रविवार को बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है। अब यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बरामद नशीला पदार्थ कहां से लाया गया था और इसकी आपूर्ति किसे की जानी थी। एसएसपी के मुताबिक जिले में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी है और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

कोटखाई को सिविल अस्पताल का दर्जा मिलने से क्षेत्रवासी गदगद: जितेंद्र मेहता

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जुब्बल-नावर-कोटखाई क्षेत्र को राज्य मंत्रिमंडल से मिली तीन महत्वपूर्ण सौगातों ने क्षेत्रवासियों में उत्साह का नया संचार कर दिया है। कोटखाई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल में स्तरोन्नत करने, जुब्बल स्थित ठाकुर रामलाल राजकीय कन्या खेल विद्यालय को हिमाचल प्रदेश के पहले स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स का दर्जा प्रदान करने तथा नावर क्षेत्र के ऐतिहासिक टिक्कर मेले को जिला स्तरीय मेला घोषित किए जाने के निर्णय का व्यापक स्वागत हो रहा है।

जुब्बल-नावर-कोटखाई ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र मैहता ने इसे शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के सतत प्रयासों और क्षेत्र के प्रति उनकी विकासोन्मुख सोच का परिणाम बताते हुए कहा कि इन निर्णयों से स्वास्थ्य, खेल और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि कोटखाई स्वास्थ्य संस्थान में पहले ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति से लोगों को लाभ मिल रहा है और अब सिविल अस्पताल बनने से आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का और अधिक विस्तार होगा।

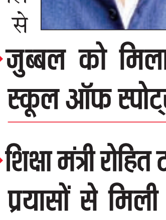

- जुब्बल को मिला पहला स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स
- शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के प्रयासों से मिली विकास को नई रफ्तार

जितेंद्र मैहता ने कहा कि जुब्बल स्थित कन्या खेल विद्यालय को स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स का दर्जा मिलना पूरे प्रदेश की बेटियों के लिए गौरव का विषय है। संस्थान में पहले से संचालित खेल गतिविधियों के साथ अब शतरंज, ताइक्वांडो, जूडो और टेबल टेनिस जैसे नए खेल भी शामिल किए गए हैं, जिससे छात्राओं को अपनी प्रतिभा निखारने के व्यापक अवसर मिलेंगे। वर्तमान में जहां 95 छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, वहीं नई व्यवस्थाओं के बाद यह संख्या 155 तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान छठी कक्षा से लेकर महाविद्यालय स्तर तक की छात्राओं को अत्याधुनिक खेल सुविधाएं और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा, जिससे प्रदेश की बेटियां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकेंगी। वहीं टिक्कर मेले को जिला स्तरीय मेला घोषित किए जाने से क्षेत्र की समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक और लोक परंपराओं को नई पहचान मिलेगी।

रश्मिरथी पर्व | समानता व देशभक्ति के आदर्शों को अपनाना ही दिनकर को सच्ची श्रद्धांजलि

'रश्मिरथी' सामाजिक सौहार्द का पर्व: राज्यपाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की अमर कृति रश्मिरथी के डायमंड जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय 'रश्मिरथी पर्व' का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि 'रश्मिरथी' केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, समानता, राष्ट्रवाद और मानवीय मूल्यों का शाश्वत संदेश है।

उन्होंने कहा कि दिनकर की रचनाएं आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रही हैं और उनके आदर्शों को अपनाकर ही एक सशक्त, समावेशी और जागरूक भारत का निर्माण संभव है। राज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना के संगम का उत्सव है, जो नई पीढ़ी को अपने मूल्यों से जोड़ने का कार्य कर रहा है। अपने संबोधन में राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि इन महान विभूतियों ने राष्ट्र और समाज को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागरण और आत्मविश्वास का मार्ग दिखाया, तिलक ने स्वराज का बिगुल फूंका, अटल बिहारी वाजपेयी ने संवाद और संवेदनशीलता की राजनीति को नई ऊंचाइयां दीं, जबकि दिनकर ने अपनी लेखनी से इन आदर्शों को अमर कर दिया। राज्यपाल ने 'रश्मिरथी' के नायक कर्ण का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्ष, साहस, आत्मसम्मान और संकल्प का प्रतीक है, जिससे आज के युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए।

युवाओं को दिया नवाचारों को अपनाने का संदेश

राज्यपाल ने कहा कि सच्चा 'रश्मिरथी' वही है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने अंतर्मन के प्रकाश से अंधकार को पराजित कर आगे बढ़ता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे ज्ञान, परिश्रम और नवाचार को अपनाते हुए अपने मूल्यों, भाषा और संस्कृति पर गर्व करें। इस अवसर पर राज्यपाल ने 'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका का विमोचन किया तथा 'रश्मिरथी' पर आधारित नाट्य प्रस्तुति का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सौहार्द, सांस्कृतिक समृद्धि और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया। कार्यक्रम में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास के अध्यक्ष नीरज कुमार, साहित्यकार एवं रंगकर्मी मुजीब खान, न्यास सदस्य संदीप शाही तथा कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भूकंप प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता करेगी सरकार : पठानिया

विधायक ने प्रभावित गांवों का दौरा कर लिया नुकसान का जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

भूकंप से मकान को पहुंचे नुकसान का जायजा लेते केवल सिंह पठानिया।

शाहपुर। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने शनिवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के भूकंप प्रभावित गांवों भौंटू, रावा, खड्डी बही, करेरी तथा नौरा का दौरा कर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और हुए नुकसान का जायजा लिया।

उन्होंने प्रभावित परिवारों के घरों में जाकर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। उल्लेखनीय है कि गत 5 जून की रात आए भूकंप के कारण क्षेत्र के लगभग 50 से 60 परिवार प्रभावित हुए हैं। भूकंप से सर्वाधिक नुकसान कच्चे मकानों को पहुंचा है। केवल सिंह पठानिया ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रभावित घरों का शीघ्र सर्वेक्षण कर नुकसान का आकलन किया जाए तथा रिपोर्ट तुरंत सरकार को प्रेषित की जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत एवं उचित मुआवजा उपलब्ध करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भूकंप प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और किसी भी प्रभावित परिवार को परेशानी में नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक नागरिक उनके परिवार का हिस्सा है तथा इस कठिन समय में वे स्वयं प्रभावित लोगों के साथ खड़े रहकर उनकी हर संभव सहायता सुनिश्चित करेंगे। उपमुख्य सचेतक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल, विद्युत तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि लोगों को किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर जल शक्ति विभाग के अधिशासी अभियंता अमित डोगरा, डीएफओ अमित शर्मा, तहसीलदार शाहपुर दीक्षांत ठाकुर, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता नीरज गर्ग, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, कानूनगो देवेंद्र, रावा-खड्डी बही पंचायत की प्रधान रानी देवी, उपप्रधान हेमराज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

गैर-शैक्षणिक ड्यूटी से भड़का प्रवक्ता संघ, शिक्षा व्यवस्था पर जताई चिंता

अनंत ज्ञान, राकेश डोगरा, डरोह। हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा ने एक संयुक्त बयान जारी करते हुए प्रवक्ताओं को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने पर कड़ा विरोध जताया है। संघ ने कहा कि इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और विद्यार्थियों के भविष्य के साथ समझौता किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष सिकंदर मिन्हास, महासचिव बलजीत सिंह अटवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज कुमार, रमेश ठाकुर तथा वित्त सचिव तिलक राज राणा ने कहा कि हाल ही में प्रवक्ताओं को पंचायत चुनावों और मतगणना कार्यों में लगाया गया, जिससे शिक्षण कार्य बाधित हुआ। उन्होंने 6 जून 2026 को उपायुक्त कांगड़ा द्वारा जारी अधिसूचना का हवाला देते हुए कहा कि इसमें शिक्षकों को शैक्षणिक गतिविधियों के बाद मतगणना और अन्य कार्यों में लगाने की बात कही गई है, जो कि व्यवहारिक रूप से लागू करना कठिन है। संघ ने कहा कि अध्यापकों की भी निजी और पारिवारिक जिम्मेदारियां होती हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लगातार गैर-शैक्षणिक ड्यूटी से मानसिक तनाव और कार्यभार बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई स्थानों पर प्रवक्ताओं को सुपरवाइजर के बजाय गणनाकार लगाया जाना उनकी गरिमा के विपरीत है। प्रवक्ता संघ ने प्रशासन से आदेशों पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

टीजीटी कला संघ बोला- सीबीएसई स्कूलों में मेरिट आधार पर हो तैनाती

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। सीबीएसई सब-कैडर के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट उत्तीर्ण कर चुके शिक्षकों की काउंसिलिंग प्रक्रिया अविलंब शुरू की जाए। राज्य सरकार 11 फरवरी को अधिसूचित सीबीएसई सब-कैडर गजट अनुसार अब पात्र शिक्षकों को मेरिट आधार पर नियुक्त दे। इसके लिए जब कैबिनेट ने मंजूरी दे रखी है, तो अब सब कमेटी से सुझाव लेना प्रक्रिया को लंबित कर सकता है। राजकीय टीजीटी कला संघ प्रदेश महासचिव विजय हीर ने कहा कि सीबीएसई सब-कैडर गजट की उपधारा 5.5.5 में स्पष्ट प्रावधान है कि चयन लिखित परीक्षा के आधार पर तथा उसके उपरांत काउंसिलिंग के माध्यम से किया जाएगा तथा विद्यालयों का आवंटन 'सख्ती से मेरिट के क्रम में' किया जाएगा।

इसी प्रकार क्लॉज 5.5.1 के अनुसार चयन प्रक्रिया प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा के माध्यम से की जानी थी, जिसके तहत प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित कर मेरिट सूची भी जारी की जा चुकी है। परीक्षा एवं मेरिट सूची घोषित होने के बाद चयन मानदंडों पर पुनर्विचार के लिए उप-समिति का गठन तर्कसंगत नहीं है। जब चयन प्रक्रिया, मेरिट निर्धारण एवं काउंसलिंग का प्रावधान पहले से गजट में स्पष्ट रूप से निर्धारित है, तब नए चयन मानदंड तय करने का प्रयास अधिसूचित प्रक्रिया की भावना के विपरीत प्रतीत होता है। इससे चयन प्रक्रिया के बीच नियमों में बदलाव, मेरिट सूची की प्रासंगिकता में कमी तथा पात्र अभ्यर्थियों की वैध अपेक्षाओं के प्रभावित होने जैसी आशंकाएं उत्पन्न हो रही हैं। संघ ने यह भी कहा कि क्लॉज 10.1 सरकार को केवल स्पष्टीकरण एवं कार्यान्वयन संबंधी निर्देश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है, न कि अधिसूचित चयन प्रक्रिया में मूलभूत परिवर्तन करने की। नए नियम थोपना सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के विपरीत है। अतः सरकार को गजट में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए अविलंब काउंसलिंग आरंभ करनी चाहिए ताकि सीबीएसई विद्यालयों में शिक्षकों की समयबद्ध तैनाती सुनिश्चित हो सके तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। अगर यह प्रक्रिया एक सप्ताह में शुरू नहीं की गई तो संघ हाईकोर्ट का रुख करेगा।

पपरोला में शराब ठेके में चोरी, क्षेत्र में बढ़ी चिंता

अनंत ज्ञान, जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। बैजनाथ-पपरोला क्षेत्र में चोर गिरोहों की सक्रियता लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। इसी क्रम में बीती रात पपरोला स्थित एक शराब के ठेके को चोरों ने निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार ठेके में कार्यरत कर्मचारी रात करीब 12 बजे काम समाप्त कर चले गए थे। इसके बाद चोरों ने रात लगभग 2:50 से 3:00 बजे के बीच घटना को अंजाम दिया। सुबह घटना का पता चलने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि घटना स्थल के पास से बैजनाथ-पपरोला रेलवे स्टेशन जाने वाला मुख्य मार्ग गुजरता है, बावजूद इसके प्रभावी निगरानी की कमी है। लोगों का आरोप है कि लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का उचित उपयोग नहीं हो रहा है, जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है तथा कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिलने की बात भी सामने आई है। मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। स्थानीय लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और सीसीटीवी व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

नशे से दूर रहने के लिए खेल सबसे मजबूत माध्यम : डॉ. ललिता

राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र धर्मशाला में साइकिल रैली व फिटनेस गतिविधियों का आयोजन

अनंत ज्ञान

डॉ. ललिता शर्मा ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ब्यूरो, धर्मशाला। विश्व साइकिल दिवस पर रविवार को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र धर्मशाला में साइकिल रैली एवं विभिन्न फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान साइक्लिंग, योगा और स्किपिंग जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें साई हॉस्टल की छात्राओं, स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थियों, हृष्ठ,स्न तथा युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की डिप्टी डीजी (सेवानिवृत्त) डॉ. ललिता शर्मा उपस्थित रहीं, जबकि डॉ. कुशाल कटोच और एके धीमान विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र धर्मशाला के सहायक निदेशक जेपी साहनी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अतिथियों को शॉल और हिमाचली टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया तथा डॉ. ललिता शर्मा ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ. ललिता शर्मा ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल और शारीरिक गतिविधियां सबसे प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने धर्मशाला में साइक्लिंग ट्रैक की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि बेहतर सुविधाएं मिलने पर पहाड़ी क्षेत्रों के बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। जेपी साहनी ने बताया कि फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में खिलाड़ियों और हृष्ठ,स्न की टीम ने भी भाग लिया। उन्होंने साइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास की मांग उठाई ,कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को फिट रहने, नियमित व्यायाम अपनाने और नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया।

पेयजल संकट और पशुओं की समस्या से बढ़ा लोगों में रोष

अनंत ज्ञान, गरली। उपमंडल देहरा के हार मिट्टा, दयाल, नैहरनपुखर, कडोल और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही पेयजल संकट और आवारा पशुओं की समस्या अब जनाक्रोश का रूप ले रही है। हजारों ग्रामीण आज भी पानी जैसी बुनियादी जरूरत के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि आवारा पशुओं के कारण खेती-किसानी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में न तो पर्याप्त प्राकृतिक जल स्रोत हैं और न ही हैंडपंप या अन्य स्थायी व्यवस्था। गर्मियों में स्थिति और गंभीर हो जाती है, जिससे महिलाओं और बच्चों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है। दूसरी ओर आवारा पशुओं के कारण खेतों में खड़ी फसलें नष्ट हो रही हैं, जिससे करीब 80 प्रतिशत किसानों ने खेती छोड़ दी है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर असर पड़ा है। पंचायत प्रधान रेनू कौशल और रजना धीमान ने कहा कि समस्या गंभीर है और इसे प्रशासन के समक्ष लगातार उठाया जाएगा।

परागपुर में बिजली कनेक्शन का खेल प्रशासन की चुप्पी पर उठे गंभीर सवाल

अनंत ज्ञान

परागपुर। साडा क्षेत्र गरली-परागपुर में बिजली कनेक्शन देने के नाम पर बड़ा घालमेल सामने आया है। अब विद्युत विभाग का तर्क कि बिजली अधिनियम में संशोधन के कारण साडा क्षेत्र में मीटर लगाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र यानी एनओसी की अनिवार्यता खत्म हो गई है, एक नया विवाद खड़ा कर रहा है।

विभाग का दावा न केवल हैरान करने वाला है, बल्कि यह सवाल भी पैदा करता है कि क्या प्रशासनिक नियमों को मनमाने ढंग से बदला जा रहा है? सबसे बड़ा सवाल आबादी देह वाली जमीन को लेकर है। राजस्व रिकॉर्ड में यहां मालिक का नाम नहीं, बल्कि आबादी मालिक लिखा होता है। ऐसे में बिजली बोर्ड यह कैसे जांचता है कि घर बनाने वाला हिमाचली है या कोई बाहरी व्यक्ति? क्या कहीं अनजाने में बोर्ड हिमाचल के कानून धारा-118 का उल्लंघन तो नहीं कर रहा, जो बाहरी लोगों के लिए जमीन संबंधी नियम तय करता है? यदि एनओसी की अनिवार्यता हटा दी गई है, तो क्या बोर्ड ने यह सुनिश्चित किया है कि इससे अवैध निर्माणों को बढ़ावा नहीं मिलेगा? हैरानी की बात यह है कि जब इस मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में की गई, तो धर्मशाला स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय ने बिना किसी जांच के और बिना शिकायतकर्ता से बात किए ही इसे समाधान बताकर फाइल बंद कर दी। आखिर किस आधार पर यह मान लिया गया कि समस्या खत्म हो गई है? यदि अधिनियम में संशोधन हुआ है, तो विभाग को उसे सार्वजनिक करना चाहिए था और यह स्पष्ट करना चाहिए था कि अब भविष्य में बिना एनओसी के कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया क्या होगी? विद्युत उपमंडल परागपुर के सहायक अभियंता बिक्रमजीत ने बताया कि समस्या का समाधान कर दिया गया है तथा शिकायतकर्ता अब संतुष्ट है।

भूतपूर्व अर्द्धसैनिक बलों के लिए जल्द बनेगा कल्याण बोर्ड : बलदेव

भूतपूर्व अर्द्धधसैनिक बल कल्याण संगठन जिला कांगड़ा की बैठक आयोजित।

अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। भूतपूर्व अर्द्धधसैनिक बल कल्याण संगठन जिला कांगड़ा की बैठक वीरवार को शाहपुर में जिला अध्यक्ष एमएल ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न संगठनात्मक मुद्दों सहित केंद्र सरकार के पास लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष एमएल ठाकुर ने बताया कि दिल्ली में अर्द्धधसैनिक बलों के लिए बनाए गए एम्स अस्पताल की जानकारी सदस्यों को दी गई। उन्होंने कहा कि हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी गाड़ियों को अर्द्धधसैनिक बलों के जवानों और पूर्व जवानों को किफायती दरों पर उपलब्ध करवाने की घोषणा की है। बैठक में पूर्व सैनिकों को नियमित योग अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

जिला उपाध्यक्ष बलदेव सिंह राणा ने बताया कि भूतपूर्व अर्द्धधसैनिक बलों के लिए सीएलएमएस (मदिरा) सुविधा शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सीजीएचएस अस्पताल बनकर तैयार हो चुका है व केंद्र सरकार 20 जून के बाद वहां स्टाफ की नियुक्तियां करेगी। उन्होंने बताया कि शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया के सहयोग से भूतपूर्व अर्द्धधसैनिक बलों के लिए कल्याण बोर्ड की अधिसूचना शीघ्र जारी होने की संभावना है। भूतपूर्व अर्द्धधसैनिक बलों का एक प्रतिनिधिमंडल विधायक केवल सिंह पठानिया के साथ मुख्यमंत्री से भी मिला था। बैठक में जिला पदाधिकारियों सहित सैकड़ों सदस्यों ने भाग लिया।

निरंकारी भवन घुरकड़ी में रक्तदान शिविर 14 को

अनंत ज्ञान, गगल। संत निरंकारी भवन घुरकड़ी ब्रांच कांगड़ा में 14 जून को सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं राजपिता रमित जी के आदेशानुसार विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। कांगड़ा जोन के प्रभारी डॉ. केसी धीमान, क्षेत्रीय संचालक महात्मा तिलक राज डोगरा, कांगड़ा ब्रांच के संयोजक महात्मा दीनानाथ तथा प्रेस प्रभारी स्वरूप कुमार ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा। शिविर में टांडा मेडिकल कॉलेज कांगड़ा के चिकित्सकों की विशेष टीम मौजूद रहेगी, जो रक्त संग्रहण एवं स्वास्थ्य जांच की प्रक्रिया को संपन्न करेगी। आयोजकों ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य मानवता की सेवा और जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। उन्होंने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं और युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पुण्य कार्य में भाग लेने की अपील की है।

रिसाव व गर्मी से घटा परागपुर तालाब का जलस्तर

अनंत ज्ञान

धरोहर गांव परागपुर में स्थित तालाब जो अनदेखी का हो रहा शिकार।

परागपुर। धरोहर गांव परागपुर का ऐतिहासिक तालाब इन दिनों उपेक्षा और रखरखाव की कमी का शिकार दिखाई दे रहा है।गर्मियों के चलते जहां तालाब का जलस्तर स्वाभाविक रूप से कम हुआ है, वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से हो रहे पानी के रिसाव ने भी स्थिति को और गंभीर बना दिया है।ग्रामीणों के अनुसार तालाब का पानी सामान्य स्तर से लगभग डेढ़ से दो फुट नीचे चला गया है।उनका कहना है कि जलस्तर में आई गिरावट का कारण केवल भीषण गर्मी नहीं, बल्कि तालाब से लगातार होने वाला रिसाव भी है।कई बार इस समस्या को प्रशासन और संबंधित विभागों के समक्ष उठाया गया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।स्थानीय निवासी दीपक पटियाल, महेश कौल, ऋषभ सूद, मनोज भारद्वाज, नीरज शर्मा, राजीव धीमान, संजीव वर्मा, संजय शर्मा और अजय शर्मा ने बताया कि धरोहर गांव की पहचान रहे इस तालाब के संरक्षण के लिए समय-समय पर मांग उठाई जाती रही है।उन्होंने कहा कि तालाब के सौंदर्यीकरण और मरम्मत को लेकर कई आश्वासन मिले, लेकिन धरातल पर कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं हुआ।ग्रामीणों का कहना है कि यह तालाब केवल जल स्रोत नहीं बल्कि परागपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है।यदि समय रहते रिसाव की तकनीकी जांच कर मरम्मत नहीं करवाई गई तो भविष्य में स्थिति और खराब हो सकती है।ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर तालाब के संरक्षण, मरम्मत और सौंदर्यीकरण की मांग की है ताकि धरोहर गांव की इस पहचान को सुरक्षित रखा जा सके।ग्रामीणों का कहना है कि धरोहर गांव का दर्जा केवल नाम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसकी ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में भी दिखाई देना चाहिए।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस समस्या के समाधान के लिए कब तक ठोस कदम उठाता है।

संगठन विरोधी गतिविधियों पर की जाएगी कार्रवाई

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। भाजपा मंडल अपर बैजनाथ की विशेष बैठक आयोजन अध्यक्ष सुरेंद्र कपूर की अध्यक्षता में रविवार को चामुंडा हाल बैजनाथ में हुआ। अध्यक्ष सुरेंद्र कपूर ने बताया कि बैठक में विशेष रूप से जिला सह प्रभारी पंकज जम्वाल, पूर्व विधायक मुलख राज प्रेमी उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि जो कार्यकर्ता या पदाधिकारी बैठक में लगातार अनुपस्थित रहता है, उनके विरुद्ध अनुशासनहीनता के चलते कार्यवाही की जाएगी। इसके चलते अनुशासनहीनता और बैठकों में न आने के कारण और पंचायतीराज चुनावों में प्रत्याशी खड़े करने के चलते महामंत्री चेतन कंवर को पद मुक्त किया गया और दूसरे महामंत्री किरण भंगालिया को भी बैठक में लगातार अनुपस्थिति रहने पर भी नया महामंत्री नियुक्त करने के बारे में सर्व समिति से निर्णय पारित हुआ और जल्द ही ने महामंत्री नियुक्त करने का भी सर्व समिति से प्रस्ताव पर किया गया।

धरोहर गांव परागपुर और गरली की पहचान संकट में, विकास योजनाएं कागजों तक सीमित

विकास के नाम पर खर्च लाखों का हिसाब मांग रहे ग्रामीण

अनंत ज्ञान

प्रवेश शर्मा, परागपुर। परागपुर और गरली, जिन्हें सरकार द्वारा धरोहर गांव का गौरवपूर्ण दर्जा प्राप्त है, आज अपने अस्तित्व और विकास के लिए गहरे संकट से जूझ रहे हैं। इन गांवों की सीमाओं का स्पष्ट निर्धारण न तो सरकार, न पर्यटन विभाग और न ही जिला प्रशासन के पास है, जिससे यह ऐतिहासिक क्षेत्र प्रशासनिक उपेक्षा का केंद्र बन गया है।

स्थानीय निवासी इस बात को लेकर बेहद आक्रोशित हैं कि आखिर इन धरोहर गांवों के नाम पर पूर्व में खर्च किए गए लाखों रुपये का वास्तविक उपयोग कहां हुआ, क्योंकि धरातल पर इनके कोई परिणाम दिखाई नहीं देते। परागपुर को एक आदर्श धरोहर स्थल के रूप में विकसित करने के लिए पूर्व में कई महत्वाकांक्षी योजनाएं तैयार की गई थीं। इनमें म्यूजियम, हर्बल पार्क, पर्यटक सूचना केंद्र, गरली स्थित तालाब का सौंदर्यीकरण, पुस्तकालय और पार्किंग स्थल का निर्माण शामिल था। वर्षों की चर्चा और कागजी प्रगति के बावजूद इनमें से एक भी परियोजना साकार नहीं हुई। सवाल यह है कि सरकार इस पूरे मामले पर चुप्पी क्यों साधे हुए है? जब मामला धरोहर के संरक्षण और जनता के पैसों के दुरुपयोग का है, तो सत्ता के गलियारों में सन्नाटा क्यों है? गांव के संजीव, अजय, संदीप, दीपक, नीरज, अखिलेश, दिनेश, राजीव, रमेश, कपिल, विशाल, प्रदीप, शिव और राजेश सहित निवासियों ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वे इस भ्रष्टाचार और सरकारी लापरवाही का जवाब लेकर रहेंगे।

> **डीसी** कांगड़ा द्वारा परागपुर व गरली धरोहर गांव के विकास कार्यों की जांच कर पूर्व में रिपोर्ट सरकार को दी गई है। आगामी जो भी कार्रवाइ की जानी है, वह सरकार द्वारा ही की जानी है।
>
> **-विनय कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी, धर्मशाला।**

8 घंटे बिजली बंद रहने पर फूटा जनाक्रोश

महिलाओं ने दी चक्का जाम की चेतावनी, बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

अनंत ज्ञान

नैहरनपुखर क्षेत्र में बिजली कटौती के विरोध में नीलम राणा के नेतृत्व में रोष व्यक्त करती महिलाएं।

गरली। जून महीने की भीषण गर्मी में बिजली विभाग ओर से जारी किए गए हर तीसरे और चौथे दिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली बंद रखने के शेड्यूल ने नैहरनपुखर, दलाल, बड़ूहूं, कडोल और आसपास के क्षेत्रों में जबरदस्त जनाक्रोश पैदा कर दिया है। लगातार 8 घंटे की प्रस्तावित बिजली कटौती को लेकर रविवार को क्षेत्र की महिलाओं का गुस्सा खुलकर सामने आया।

नीलम राणा के नेतृत्व में एकत्रित हुई महिला मंडल की दर्जनों महिलाओं ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसे जनता के साथ अन्याय करार दिया बिजली विभाग की कार्यप्रणाली से तंग महिलाओं का अरोप है कि एक ओर भीषण गर्मी लोगों का जीना दुश्वार कर रही है, वहीं, दूसरी ओर विभाग लंबे बिजली कट लगाकर आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ा रहा है।

कहा- जनता को गर्मी में झोंकने वाला फैसला बर्दाश्त नहीं

महिलाओं ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग ने बिना जनता की सुविधा का ध्यान रखे ऐसा शेड्यूल जारी कर दिया है, जिससे घरों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित होगी। पेयजल योजनाएं ठप होंगी, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी, बुजुर्गों और मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ेगी तथा छोटे कारोबार भी प्रभावित होंगे। नीलम राणा ने कहा कि यदि बिजली लाइनों की मरम्मत और तार बदलने का कार्य करना था तो विभाग सर्दियों के मौसम में भी यह काम कर सकता था। जून की तपती गर्मी में बार-बार और घंटों की कटौती किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। गुस्साई महिलाओं ने बिजली विभाग को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि यदि लंबे बिजली कटों का शेड्यूल वापस नहीं लिया गया तो प्रागपुर और देहरा स्थित बिजली विभाग के कार्यालयों का घेराव किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर चक्का जाम आंदोलन भी शुरू किया जाएगा। महिलाओं ने दो टूक कहा कि अब क्षेत्र के लोग चुप बैठने वाले नहीं हैं और अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरने से भी पीछे नहीं हटेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि यदि रखरखाव कार्य आवश्यक थे तो विभाग ने पहले से योजना क्यों नहीं बनाई। जून महीने में जब तापमान चरम पर है, तब हर तीसरे-चौथे दिन 8 घंटे बिजली बंद रखने का फैसला लोगों की समझ से परे है। महिलाओं ने मांग की है कि बिजली विभाग तत्काल इस शेड्यूल पर पुनर्विचार करे और मरम्मत कार्य इस प्रकार करवाए जाएं कि आम जनता को न्यूनतम परेशानी हो।

मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ एवं अमूल्य : महात्मा मनप्रीत

श्रद्धालुओं ने ध्यान साधना कर आत्मिक शांति का अनुभव किया।

अनंत ज्ञान

आशीष दमीर, कांगड़ा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा बीपी शर्मा के निवास स्थान मटौर (कांगड़ा) में साप्ताहिक सत्संग कार्यक्रम भक्ति एवं श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक श्रद्धालुओं एवं साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

सत्संग का शुभारंभ महात्मा अश्विनी जी द्वारा संत कबीर दास जी के दोहे 'बीती जाए रे उमरिया हरि नाम बिना' के भावपूर्ण गायन से हुआ। इस दौरान मानव जीवन की क्षणभंगुरता और ईश्वर स्मरण के महत्व को सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु भक्ति भाव में सराबोर हो गए। इसके उपरांत महात्मा मनप्रीत जी ने अपने प्रेरणादायक प्रवचनों में मानव जीवन की दुर्लभता और उसके वास्तविक उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह जीवन आत्मिक उन्नति और परमात्मा की अनुभूति के लिए मिला है। उन्होंने ब्रह्मज्ञान को जीवन की सफलता का मार्ग बताते हुए नियमित ध्यान साधना अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने ध्यान साधना कर आत्मिक शांति का अनुभव किया तथा प्रसाद ग्रहण किया।

न्यूज ब्रीफ

25 तक बंद रहेगी लुद्दर-लगमनवीं-सुलगवान सड़क

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत लुद्दर-लगमनवीं-सुलगवान सड़क की मरम्मत के कार्य के चलते इस सड़क पर यातायात 25 जून तक बंद किया गया है। इस संबंध में आदेश जारी करते हुए एसडीएम शशिपाल शर्मा ने बताया कि लुद्दर-लगमनवीं-सुलगवान सड़क के मरम्मत कार्य को सुचारु रूप से जारी रखने तथा इसे अतिशीघ्र पूरा करने के लिए उक्त सड़क पर वाहनों की आवाजाही 25 जून तक बंद की गई है। इस दौरान क्षेत्र के वाहन चालक अन्य वैकल्पिक रूटों का इस्तेमाल कर सकते हैं। एसडीएम ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दोनों तरफ सांकेतिक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं, ताकि वाहन चालकों को कोई दिक्कत न हो और वे वैकल्पिक रूटों का इस्तेमाल कर सकें।

गौना करौर में दो दिवसीय हॉकी स्पर्धा आज से

अनंत ज्ञान, नादौन। हॉकी हिमाचल की ओर से दो दिवसीय जिला हमीरपुर सीनियर प्रतियोगिता का आयोजन नादौन के गौना करौर में किया जाएगा। लड़कों व लड़कियों की आठ टीमें भाग ले रही हैं। हॉकी हमीरपुर की सचिव सुषमा पठानिया ने प्रेस बयान में बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन 8-9 जून को गौना करौर मैदान में किया जाएगा। इसमें लड़के व लड़कियां भाग ले रही हैं।

खेलो इंडिया के शूटिंग सेंटर के लिए ट्रायल्स 20 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला मुख्यालय के निकट अणु खुर्द में स्थित अल्माईटी एजूकेशन सोसायटी के खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर में 10 मीटर एयर राइफल और 10 मीटर एयर पिस्टल के चयन ट्रायल्स 20 जून को आयोजित किए जाएंगे। शूटिंग रेंज के प्रभारी अभय ठाकुर ने बताया कि इन चयन ट्रायल्स में 12 से 17 वर्ष तक की आयु के बच्चे भाग ले सकते हैं। इनमें जिला हमीरपुर और आसपास के क्षेत्रों के बच्चे भाग ले सकते हैं। उन्हें अपने साथ आयु प्रमाण पत्र, मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज लाने होंगे। एयर राइफल में चयन का न्यूनतम मानदंड 120-200 और एयर पिस्टल में 340-400 निर्धारित किया गया है।

मोदी सरकार की 12 साल की उपलब्धियों के साथ जनता के बीच पहुंचे अनुराग ठाकुर

समीरपुर में जनसमस्याओं को लेकर जनता से हुए रू-ब-रू, अधिकारियों को दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। मोदी सरकार के गौरवमयी 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग ठाकुर ने समीरपुर, बगवाड़ा, दाड़ी और पंजोत पंचायतों के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क कर आमजन से संवाद स्थापित किया।

उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। अनुराग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन और पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि देश का विश्वास आज भी मोदी की गारंटी पर कायम है और केंद्र सरकार ने विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया है। समीरपुर प्रवास के दौरान अनुराग ने क्षेत्र के विभिन्न भागों से आए लोगों से मुलाकात कर सड़क, पेयजल, बिजली, राजस्व तथा अन्य जनसुविधाओं से जुड़े मामलों पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं के शीघ्र और प्रभावी समाधान के निर्देश दिए तथा कहा कि जनता की सेवा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर बड़सर विधानसभा क्षेत्र के पंचायत चुनावों में भाजपा समर्थित विजयी प्रत्याशियों ने विधायक इंद्रदत्त लखनपाल के नेतृत्व में अनुराग ठाकुर से भेंट कर अपनी जीत की खुशी साझा की। वहीं हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र के नव-निर्वाचित जिला परिषद सदस्यों ने भी उनसे आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया। अनुराग ठाकुर ने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई देते हुए कहा कि अब समय जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए विकास, पारदर्शिता और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का है।

नवनिर्वाचित जिला परिषद, बीडीसी एवं पंचायतीराज प्रतिनिधियों ने सांसद अनुराग ठाकुर से की मुलाकात

रेडक्रॉस के स्वास्थ्य शिविर में 65 लोगों ने करवाई जांच

3 लोग टीबी और 2 लोग मधुमेह से ग्रस्त पाए।

अनंत ज्ञान

नादौन। रेडक्रास सोसायटी की जिला और उपमंडलीय इकाई ने रविवार को यहां फोरलेन पुल एवं जल शक्ति विभाग के पंप हाउस के पास स्थित रोटरी क्लब के प्रांगण में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित इस शिविर में लगभग 65 लोगों की निशुल्क जांच की गई। इस दौरान कई लोगों के टेस्ट भी किए गए।

3 लोग टीबी और 2 लोग मधुमेह से ग्रस्त पाए गए, इन्हें निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी की अध्यक्ष गंधर्वा राठौड़ ने भी शिविर में पहुंचकर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि रेडक्रास सोसायटी जिलेभर में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर और कई अन्य गतिविधियां आयोजित कर रही है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय अत्री, एसडीएम एवं रेडक्रॉस सोसायटी की उपमंडलीय इकाई के अध्यक्ष निशांत शर्मा, बीएमओ अन्य चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी, जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव लवकेश शर्मा और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

जनगणना की तैयारियां तेज, टौणी देवी में पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

अनंत ज्ञान

संजीव चौहान, टौणी देवी। भारत की आगामी जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों के तहत तहसील कार्यालय टौणी देवी में 4 से 6 जून तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य से जुड़े पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजर) एवं गणनाकारों (एन्यूमरेटर) ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जनगणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

प्रशिक्षण का संचालन फील्ड ट्रेनर मनोज कुमार एवं राजीव रांगड़ा द्वारा किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को जनगणना की कार्यप्रणाली, आंकड़ों के संग्रहण की प्रक्रिया, डिजिटल उपकरणों एवं मोबाइल एप्लीकेशन के उपयोग तथा क्षेत्रीय स्तर पर निभाई जाने वाली जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में व्यावहारिक अभ्यास (प्रैक्टिकल सेशन) और प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया जा सके और उन्हें जनगणना कार्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके।

इस अवसर पर सौरभ धीमान, तहसीलदार टौणी देवी एवं चार्ज अधिकारी, जनगणना 2027 ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना किसी भी देश की विकास योजनाओं, नीतियों और संसाधनों के प्रभावी नियोजन का आधार होती है। उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों एवं गणनाकारों से अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ करने का आह्वान किया। 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षकों, अधिकारियों एवं सभी प्रतिभागियों का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया गया। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि प्रशिक्षण प्राप्त कार्मिक आगामी जनगणना कार्य को संपन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

परिवहन सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण मंच इकाई हमीरपुर ने की बैठक

कहा- परिवहन पेंशनरों की करोड़ों रुपए की देनदारियों पर मारी कुंडली

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हिमाचल परिवहन सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण मंच जिला इकाई हमीरपुर की मासिक बैठक बस अड्डा हमीरपुर में जिला अध्यक्ष नंद लाल चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक से पूर्व हमीरपुर इकाई के जिला सचिव बलबीर पठानिया को सपड़ोह पंचायत का नवनियुक्त प्रधान बनने पर मंच के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बधाई देते हुए उन्हें सम्मानित किया।

◆ देनदारियां जल्द नहीं दी तो करेंगे आंदोलन

बैठक में हर माह पेंशन के विलंब से मिलने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सरकार और निगम प्रबंधन के प्रति गहरा रोष व्यक्त किया गया। जिला अध्यक्ष नंद लाल चौहान ने कहा कि वृद्धावस्था में पेंशन समय पर न मिलने से पेंशनरों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई सेवानिवृत्त कर्मचारी आर्थिक तंगी के कारण अपना उपचार तक सही ढंग से नहीं करवा पा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सभी पेंशनरों को प्रत्येक माह पहली तारीख को एक साथ पेंशन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जिला कार्यकारी अध्यक्ष शिव कुमार ने कहा कि निगम और सरकार एचआरटीसी पेंशनरों की करोड़ों रुपये की देनदारियों का भुगतान लंबित रखे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अन्य विभागों के पेंशनरों को बकाया राशि और महंगाई भत्ते का लाभ दिया जा चुका है, जबकि एचआरटीसी पेंशनरों को इससे वंचित रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि चिकित्सा प्रतिपूर्ति के बिल पिछले साढ़े तीन वर्षों से लंबित हैं। जिला सचिव बलबीर पठानिया ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पेंशनरों की लंबित देनदारियों का शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो कल्याण मंच आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार और निगम प्रबंधन की होगी। बैठक में राम लाल, बलबीर पटियाल, सुखदेव, कुलवंत, पवन, सतीश, रघुनाथ, विनोद तथा सगली सहित लगभग 70 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

जिलास्तरीय उड़नदस्ते ने पट्टा और लदरौर में किए चालान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला हमीरपुर में खुली सिगरेट एवं बीड़ी की बिक्री निषेध और सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों के खुदरा व्यापार विनियमन अधिनियम, 2016 और सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान को रोकने के लिए बनाए गए कोटपा एक्ट, 2003 की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए गठित जिलास्तरीय उड़नदस्ते ने शनिवार को भी कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय अत्री ने बताया कि पट्टा एवं लदरौर क्षेत्र में औचक निरीक्षण के दौरान कोटपा एक्ट, 2003 की धारा 4 के तहत 7 चालान और धारा 6 के तहत 6 चालान किए गए। इस उड़नदस्ते में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अलावा औषधि निरीक्षक मोनिका शर्मा और पुलिस के चिट्टा मुक्त अभियान की टीम भी शामिल रही। डॉ. अजय ने दुकानदारों से अपील की है कि वे तंबाकू बेचने का लाइसेंस बनाकर ही तंबाकू उत्पादों की बिक्री करें। अगर उन्होंने अभी तक यह लाइसेंस नहीं बनवाया है तो इसे अतिशीघ्र बनवा लें। लाइसेंसधारक दुकानदार अपने लाइसेंस को दुकान की सामने वाली दीवार पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें तथा खुली सिगरेट की बिक्री न करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि खुली सिगरेट बेचते हुए पकड़े जाने पर दुकानदार को पांच हजार रुपए तक जुर्माना हो सकता है और दूसरी बार पकड़े जाने पर जुर्माने के साथ सजा का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा कि जिन दुकानदारों ने स्कूल के समीप 100 गज की दूरी के भीतर तंबाकू उत्पाद बेचने का लाइसेंस ले रखा है, वे अपना लाइसेंस अतिशीघ्र संबंधित विभाग में जमा करवाएं।

हमीरपुर-अमरोह वाया अवाहदेवी बस सेवा बंद होने से लोगों में रोष

अनंत ज्ञान

◆ जरोह-बेरी और चंदरुही चलने वाली बस भी बंद

◆ लोगों ने दी चक्का जाम करने की दी चेतावनी

जाहू। हमीरपुर से अमरोह वाया अवाहदेवी, जरोह-बेरी और चंदरुही चलने वाली बस सेवा बंद होने से लगभग 20 गांवों के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर स्कूल, कॉलेज, के विद्यार्थियों कर्मचारियों व अन्य यात्रियों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार, राकेश कुमार, देशराज, अशोक कुमार, कमल कुमार, संतराम, पूजा शर्मा, मीना शर्मा, कमलेश कुमारी, कुलदीप कुमार, विनोद कुमार, सरोज कुमारी, ममता देवी, सिमरो देवी, मनोहर लाल, बिशन दास, राजेश कुमार, कृष्ण चंद आदि ने बताया कि पिछले कई महीनों से यह बस सेवा बंद पड़ी है।

इस रूट पर निर्भर करीब 20 गांवों के लोग रोजमर्रा के कार्यों, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए काफी दिक्कतें झेल रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पथ परिवहन निगम हमीरपुर द्वारा बिना किसी ठोस कारण के इस महत्वपूर्ण बस सेवा को बंद कर दिया है। लोगों ने निगम की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी है कि एक सप्ताह के भीतर बस सेवा को दोबारा शुरू नहीं किया गया तो वे चक्का जाम आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी एचआरटीसी विभाग की होगी। उधर, पथ परिवहन निगम हमीरपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि कर्मचारियों की कमी के कारण इस बस सेवा को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के अभाव में दिल्ली और शिमला सहित अन्य कुछ रूटों की सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि बंद किए रूटों को पुनः शुरू करने के संबंध में विभाग स्तर पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।

नीरज भारती के आरोपों का सार्वजनिक रूप से सीएम सुक्खू दें जवाब: राणा

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पूर्व मुख्य संसदीय सचिव और हाल ही में कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले नीरज भारती द्वारा उठाया गया तथाकथित 'अटैची संस्कृति' का मामला बेहद गंभीर है और इसे किसी भी सूरत में हल्के में नहीं लिया जा सकता। राजेंद्र राणा ने प्रेस बयान में कहा कि नीरज भारती ने तीन अटैचियां दिल्ली भेजने और दो अटैचियां अपने पास रखने जैसे जिस गंभीर विषय को सार्वजनिक किया है, वह प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार और सत्ता के संरक्षण में चल रही कथित आर्थिक बंदरबांट की ओर संकेत करता है।

उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर स्पष्ट जवाब देने से क्यों बच रहे हैं और प्रदेश की जनता को सच्चाई बताने से क्यों कतरा रहे हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पिछले साढ़े तीन वर्षों से प्रदेश में यह चर्चा आम है कि कांग्रेस आलाकमान को खुश रखने और सत्ता की कुर्सी बचाने के लिए हिमाचल को एक 'एटीएम' की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि नीरज भारती जैसे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वयं इस प्रकार के आरोप लगा रहे हैं तो सरकार को तुरंत स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवानी चाहिए। राजेंद्र ने मुख्यमंत्री द्वारा पंचायत स्तर के निर्वाचित प्रतिनिधियों को 'एक दिन का नेता' बताए जाने पर भी कड़ी आपत्ति जताई।

उन्होंने दावा किया कि हालिया पंचायतीराज चुनावों में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने गृह जिला में भी पार्टी की साख बचाने में असफल रहे हैं। राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री को विपक्ष पर आरोप लगाने के बजाय नीरज भारती द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों पर सार्वजनिक रूप से जवाब देना चाहिए, ताकि प्रदेश की जनता के सामने सच्चाई आ सके।

विधायक रणजीत ने किया जमुली माता मंदिर सामुदायिक भवन का लोकार्पण

जमुली माता मंदिर परिसर में सामुदायिक भवन का लोकार्पण करते विधायक कैप्टन रणजीत।

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने खेरी पंचायत के तहत स्थित जमुली माता मंदिर परिसर में निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। लगभग 3 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस भवन के बनने से स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं को विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सामुदायिक भवनों के निर्माण से लोगों को एक साझा मंच मिलता है, जहां सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का सुचारु रूप से आयोजन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य में भी हर संभव प्रयास किए जाएंगे। लोकार्पण समारोह में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, मंदिर समिति के सदस्य, गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए विधायक का आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

विश्व साइकिल दिवस पर एनसीसी कैडेट्स ने निकाली 13 किलोमीटर साइकिल रैली

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य पर रविवार को कैंप कमांडेंट कर्नल जीपी सिंह के नेतृत्व में 15 एनसीसी कैडेट्स और उनके सहायक स्टाफ ने सीएटीसी-229 के तहत उत्साहपूर्वक एनसीसी कैंप परिसर के चारों ओर 13 किलोमीटर की साइकिल रैली में भाग लिया।

यह रैली जेएनवी डूंगरी, कैहरवीं, तरक्वाड़ी, सम्मू ताल (शिव मंदिर), बस्सी, भोरंज से होते हुए जेएनवी डूंगरी में समाप्त हुई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक फिटनेस, पर्यावरण जागरूकता और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन साधनों के उपयोग को बढ़ावा देना था। कैडेट्स ने निर्धारित मार्ग पर साइकिल चलाते हुए स्वस्थ जीवनशैली के महत्व और साइकिल के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लाभों को उजागर करने वाले संदेश दिए। इस गतिविधि में कैडेटों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह देखने को मिला, जिन्होंने पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, टीम वर्क और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, कर्नल जीपी सिंह, कमांडिंग ऑफिसर, 4 एचपी बटालियन ने परिवहन के एक सतत साधन के रूप में साइकिल चलाने के महत्व पर जोर दिया और युवाओं को नियमित फिटनेस गतिविधि के रूप में साइकिल चलाने को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। रैली का सफल समापन कैडेटों द्वारा अपने समुदायों में स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की प्रतिज्ञा लेने के साथ हुआ।

सर्व समाज कल्याण सभा ने किए नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि सम्मानित

अनंत ज्ञान, बड़ा। उपमंडल नादौन के कस्बा बड़ा स्थित प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था सर्व समाज कल्याण सभा की मासिक बैठक सभा के प्रधान कैप्टन अजीत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक सभा कार्यालय में संपन्न हुई, जिसमें संस्था के सभी गणमान्य सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान सभा ने अपने दो सदस्यों कुलवंत सिंह और सुखदेव पटियाल को पंचायत चुनावों में विजय प्राप्त करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया। कुलवंत सिंह ग्राम पंचायत बड़ा के प्रधान तथा सुखदेव पटियाल ग्राम पंचायत चमराल के उपप्रधान पद के लिए निर्वाचित हुए हैं। इस अवसर पर दोनों नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों ने पंचायतवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने कार्यकाल में पंचायतों के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे तथा क्षेत्र की समस्याओं को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाएंगे। यह जानकारी सभा के प्रेस कंट्रोलर इंजीनियर देव राज गोस्वामी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

टीजीटी कला संघ बोला- जनगणना नहीं हो सकता पार्ट टाइम कार्य

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। जनगणना 2027 के फील्ड कार्य शिक्षकों से केवल स्कूल समय के बाद छुट्टियों और अवकाश के दिनों में करवाने की प्रस्तावित व्यवस्था रद्द की जाए। राज्य जनगणना आयुक्त को जिलाधीश चंबा के इस आदेश पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए राजकीय टीजीटी कला संघ ने ज्ञापन भेजकर इस नई व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

संघ के राज्य महासचिव विजय कुमार हीर ने इस व्यवस्था पर पुनर्विचार करने की मांग उठाई है, क्योंकि जनगणना में दिया गया कुल समय भी कम पड़ेगा। पहले 5 दिन एचएलओ में स्थिति घर, संस्थान या अन्य संरचना के नजरी नक्शा बनेंगे, जिसमें हर घर का बारीक विवरण और मार्किंग होगी और फिर तय हाउस होल्ड में 34 प्रश्नों का डेटा अंकित होगा। तीन बार सारे क्षेत्र का सर्वे होगा। यह काम पूर्णकालिक है। इसको पार्ट टाइम करना मुमकिन नहीं है। देर रात तक सर्वेक्षण कार्य महिला शिक्षकों के लिए भी जटिल है। सारा सर्वे पैदल ही करना होगा और ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में इसे पूरा करना और जटिल होगा। हीर ने कहा कि जनगणना देश का सबसे बड़ा प्रशासनिक एवं सांख्यिकीय अभियान है, जिसके अंतर्गत घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करना, अभिलेखों का सत्यापन, डिजिटल डाटा अपलोड करना, त्रुटियों का सुधार तथा नियमित निरीक्षण जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं। अधिकतम शिक्षकों की ड्यूटी दूरवर्ती क्षेत्रों में लगी है। इतना व्यापक और समयबद्ध कार्य केवल स्कूल समय के बाद पूरा करना व्यवहारिक नहीं है। सीमित समय में सर्वेक्षण पूरा करने के दबाव के कारण डाटा संग्रहण में त्रुटियों तथा अपूर्ण कवरेज की संभावना बढ़ सकती है, जिससे जनगणना की विश्वसनीयता प्रभावित होने का खतरा है। नियमित शिक्षण कार्य के साथ-साथ इतने बड़े राष्ट्रीय अभियान का दायित्व निभाना व्यवहारिक नहीं माना जा सकता। जनगणना कार्यक्रम के अनुरूप विद्यालयी अवकाशों एवं शैक्षणिक कैलेंडर में आवश्यक संशोधन किया जा सकता है, ताकि शिक्षा व्यवस्था और जनगणना दोनों प्रभावित हुए बिना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके।

शिक्षक समुदाय जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में पूरा सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन इसके लिए व्यवहारिक और संतुलित कार्य व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए या यह ड्यूटी अन्य कर्मचारियों से ली जाए। उन्होंने जनगणना विभाग से आग्रह किया कि वर्तमान प्रस्तावित व्यवस्था की समीक्षा कर ऐसा समाधान निकाला जाए, जिससे जनगणना की गुणवत्ता और शिक्षा व्यवस्था दोनों सुरक्षित रह सकें।

हिम आंचल पेंशनर्स संघ की बैठक में लंबित देनदारियों पर हुई चर्चा

अनंत ज्ञान, नादौन। हिम आंचल पेंशनर्स संघ नादौन खंड इकाई की मासिक बैठक रविवार को कांगू में खंड प्रधान जगदीश चंद शर्मा (कारगू) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष केसी गौतम, मुख्य संगठन सचिव पुरुषोत्तम दास शर्मा, सलाहकार अवनीश कुमार, जगनमोहन सिंह सहित अनेक पेंशनरों ने भाग लिया। बैठक में पेंशनरों की विभिन्न मांगों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेशाध्यक्ष केसी गौतम ने बताया कि संघ पेंशनरों की लंबित संशोधित ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट तथा अन्य देनदारियों के भुगतान के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि 12 मार्च को नादौन में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुसार 65 से 70 वर्ष आयु वर्ग के पेंशनरों की लंबित देनदारियों के भुगतान के संबंध में सरकार को पत्र भेजा गया है। बैठक में चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के भुगतान हेतु पर्याप्त बजट जारी करने की मांग भी उठाई गई।

सहारा प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड ने दिए 1.30 लाख रुपए

सोनू कुमारी का घर बनाने का सपना हुआ साकार

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। भवन निर्माण कार्यों में दिन-रात मेहनत करने वाले श्रमिक अक्सर दूसरों के सपनों के आशियाने तो खड़े कर देते हैं, लेकिन खुद पक्के मकान का सपना पूरा नहीं कर पाते। ऐसे श्रमिक परिवारों को सहारा देने के लिए हिमाचल प्रदेश भवन निर्माण एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड की गृह निर्माण अनुदान योजना उनके जीवन में नई उम्मीद लेकर आई है।

इसी योजना के कारण ही आज नादौन उपमंडल के दंगड़ी क्षेत्र के गांव भलूं की श्रमिक सोनू कुमारी और उनके बेटे अभिषेक का मकान बनाने का सपना पूरा हो रहा है। दिहाड़ी-मजदूरी करके अपना परिवार चला रही सोनू कुमारी कई वर्षों से पक्का मकान बनाने की सोच रही थी। अब उसका बेटा अभिषेक भी दिहाड़ी-मजूदरी करके कमाने लग गया था,

श्रमिक सोनू कुमारी और बेटे अभिषेक का मकान बनाने का सपना पूरा हुआ।

लेकिन उनका मकान बनाने का सपना साकार नहीं हो पा रहा था। हिमाचल प्रदेश भवन निर्माण एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड में पंजीकरण करवाने के बाद इन्हें बोर्ड की कई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिली। इन योजनाओं में गृह निर्माण अनुदान योजना भी शामिल है। सोनू और अभिषेक ने इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन कर दिया। इस आवेदन के बाद उन्हें मकान निर्माण के लिए 1.30 लाख रुपए की धनराशि मंजूर भी हो गई। कामगार कल्याण बोर्ड से प्राप्त आर्थिक मदद और अपने घर की थोड़ी-बहुत बचत की राशि से उन्होंने मकान का कार्य आरंभ कर दिया। अब इनका यह मकान तैयार भी हो गया है। अभिषेक और उनकी माता सोनू कुमारी ने बताया कि अगर कामगार कल्याण बोर्ड की यह योजना नहीं होती तो उनका मकान बनाने का सपना शायद केवल सपना ही बनकर रह जाता। मुख्यमंत्री सुक्खू का बार-बार आभार व्यक्त करते हुए अभिषेक और उनकी माता सोनू कुमारी कहती हैं कि कामगार कल्याण बोर्ड की सभी 13 कल्याणकारी योजनाएं श्रमिकों तथा उनके परिजनों के लिए बहुत बड़ा सहारा साबित हो रही हैं। यह बोर्ड श्रमिकों को मकान निर्माण, चिकित्सा सहायता, बच्चे के जन्म से लेकर, शिक्षा और विवाह के लिए आर्थिक सहायता, पेंशन, दिव्यांगता पेंशन, श्रमिक की मृत्यु पर आर्थिक मदद और कई अन्य सुविधाओं के अलावा श्रमिक के अपने विवाह के लिए भी वित्तीय मदद प्रदान करता है। उधर, बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह ठाकुर ने बताया कि गत वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जिला में बोर्ड की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कामगारों को कुल 7,47,57,793 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

उन्होंने बताया कि बोर्ड ने इस वित्तीय वर्ष में प्रदेशभर के कामगारों के लिए 211.47 करोड़ का वार्षिक बजट मंजूर किया है, जिससे हजारों पात्र एवं जरुरतमंद कामगार लाभान्वित होंगे।

न्यूज ब्रीफ

सुंदरनगर में कल विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। विद्युत उपमंडल सुंदरनगर के अंतर्गत विद्युत अनुभाग जैदेवी में 33 केवी पंगाणा फीडर की आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के चलते मंगलवार 9 जून को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत उपमंडल सुंदरनगर के सहायक अभियंता ई. राजन गौर ने जानकारी दी कि इस दौरान जैदेवी, कटेरू, सुकीबनिन, डोलधर, घिड़ी, धामरी, सैंजी, पलोहटा तथा बाढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

कांगू में कार से चिट्टा बरामद, 4 गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। सुंदरनगर उपमंडल के कांगू क्षेत्र में पुलिस द्वारा की गई नाकाबंदी के दौरान एक कार से 6.650 ग्राम चिट्टा बरामद होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कार नंबर सीएच04पी40662 की तलाशी के दौरान वाहन में सवार एक युवक और तीन युवतियों के कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद किया। मामले में पुलिस ने गौरव निवासी सलापड़ कॉलोनी सुंदरनगर, सरला निवासी सलापड़ कॉलोनी सुंदरनगर, रिशु निवासी खरड़, चंडीगढ़ तथा ज्योति निवासी सलापड़ कॉलोनी सुंदरनगर को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद नशीला पदार्थ कहां से लाया गया था और इसकी आपूर्ति किन लोगों तक की जानी थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विभिन्न पहलुओं से गहन जांच की जा रही है और नशा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित लिंक भी खंगाले जा रहे हैं। क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है।

महादेव में आज होगा ग्रामीण मेला

अनंत ज्ञान, महादेव। हर वर्ष की भांति इस बार भी महादेव का ग्रामीण मेला (महादेबा री जातर) 8 जून सोमवार को धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। प्राचीन शिव मंदिर जिसे पांडवकालीन मंदिर भी कहा जाता है के परिसर में पूर्व सुकेत रियासत काल से शिव भूमि महादेव गांव में चले आ रहे इस मेले में दूर पार के कुछ व्यापारी एवं जातरू शामिल होते हैं, जिनके होने से ही यह मेला भरा पूरा होता है और रौनक छाती है।

व्यापार मंडल महादेव ने जनप्रतिनिधियों को दी बधाई

अनंत ज्ञान, महादेव। पंचायतीराज के चुनाव में जो भी प्रतिनिधि जनता के द्वारा चुने गये हैं उन सभी को व्यापार मंडल महादेव ने अपनी ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। व्यापार मंडल महादेव के प्रधान प्रकाश चंद गुप्ता, महासचिव गोपाल शर्मा,मुख्य सलाहकार मोहन लाल गुप्ता एवं समस्त कार्यकारणी द्वारा व्यापार मंडल मुख्यालय से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि लोकतंत्र की इस प्रक्रिया में जिनको भी जनता ने समाज सेवा करने का मौका दिया है उन सभी का सम्मान है तथा उन सभी की यह जिम्मेदारी है कि पंचायत में, पंचायत समिति में, जिला परिषद, नगर पंचायत, नगर परिषद एवं नगर निगम में जीत कर आये प्रतिनिधि निस्वार्थ भाव से जनता की सेवा करें। बयान में आगे कहा गया है कि ऐसे बहुत से नवनिर्वाचित प्रतिनिधि हैं जो व्यापार मंडलों सहित पत्रकारिता के क्षेत्र में भी जुड़े हैं बधाई के पात्र हैं।

वीर मंडल मंडी को मिला मोर्चरी आइस बॉक्स

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। वीर मंडल मंडी को जनहित के लिए एक महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। साईं मोहल्ला निवासी सतिश मल्होत्रा ने संस्था को एक मोर्चरी आइस बॉक्स भेंट किया है, जिससे क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों को कठिन परिस्थितियों में राहत मिल सकेगी। वीर मंडल के प्रधान चंद्रशेखर वैद्य ने बताया कि समाजसेवा और जनकल्याण की दिशा में किया गया यह योगदान अत्यंत सराहनीय है तथा इससे आम लोगों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। चंद्रशेखर वैद्य ने कहा कि वीर मंडल लंबे समय से सामाजिक और मानवीय सेवाओं से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक समय पर सहायता पहुंचाना है और इसी कड़ी में प्राप्त हुआ यह मोर्चरी आइस बॉक्स महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि किसी परिवार में दुखद परिस्थितियां उत्पन्न होने पर इस सुविधा का उपयोग किया जा सकेगा, जिससे परिजनों को आवश्यक सहयोग मिलेगा।

लता इंटक महासंघ की प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल के तहत सरौन पंचायत से संबंध रखने वाली लता पठानिया की नियुक्ति भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस महासंघ (इंटक) के उपाध्यक्ष पद परकी गई। इससे पहले लता पठानिया प्रदेश सचिव के पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। वह सामाजिक क्षेत्र में कई अहम भूमिकाएं निभा चुकी हैं,वहीं लंबे समय कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से जुड़ी हुई हैं और संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ जन समस्याओं की समझ और लोगों के बीच उनकी सादगी पूर्ण छवि उन्हें लोकप्रिय बनती है। यही कारण है कि संगठन ने उन पर विश्वास जताते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है अपनी नियुक्ति पर लता पठानिया ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिल भारतीय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामीनाथन जयसवाल ,इंटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर राजेश गढ़िया, महासंघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नवाब खान आजाद, राष्ट्रीय संयोजक तथा हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर के सह प्रभारी रमेश गुलेरिया, प्रदेश अध्यक्ष विक्रम सिंह ठाकुर, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार तथा हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का धन्यवाद करते हुए हिमाचल के समस्त कांग्रेस नेतृत्व का धन्यवाद किया है।

कॉलेज बंद करना उचित नहीं : हेमराज राणा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। सरकार द्वारा प्रदेश में 10 कालेजों को बंद करने की जो अधिसूचना जारी की गई है उस पर कुछ कालेजों के संदर्भ में तो सही है जहां मात्र 10 से 20 ही विद्यार्थी हैं। यहां कुछ कालेजों को उनकी भौगोलिक स्थिति और प्रशासनिक इकाइयों की दृष्टि से नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह बात भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक प्रोफेसर हेमराज राणा ने एक कही। उन्होंने राजकीय महाविद्यालय कोटली को संपूर्ण तुंगल घाटी का एक मात्र कॉलेज बताते हुए इसे बंद न करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि कोटली से धर्मपुर लगभग 45 किलोमीटर, जोगिंदर नगर 75 किलोमीटर और मंडी 22 किलोमीटर की दूरी पर कालेज है। तुंगल घाटी के दूरदराज गांवों से यह दूरी कुछ किलोमीटर और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में कम विद्यार्थी की संख्या केवल महाविद्यालय में कला संकाय के मात्र छह विषय ही पढ़ाए जाने के कारण है। ग्रामीण परिवेश से अधिकतर विद्यार्थी कला संकाय में ही प्रवेश लेते हैं। उन्होंने कहा कि कला संकाय के सभी विषयों को इस कालेज में संचालित किया जाता जिससे महाविद्यालय में अपेक्षित छात्र संख्या भी होती। कम विद्यार्थी संख्या का सबसे बड़ा कारण यह है कि इस महाविद्यालय में वो विषय भी नहीं पढ़ाए जा रहे थे जो तुंगल घाटी के विभिन्न सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में पढ़ाए जा रहे हैं। मसलन भूगोल, संस्कृत, समाजशास्त्र, गणित, संगीत, फिजिकल एजुकेशन आदि। ये सभी विषय विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हेतु बहुत लाभदायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने मांग की है कि भविष्य में चरणबद्ध तरीके से यहां विज्ञान संकाय भी संचालित किया जाना चाहिए।

महिला मंडल चेलरा दी मलाह ने की सफाई

अनंत ज्ञान, बरोट। छोटाभंगाल घाटी की कोठी कोहड़ पंचायत के अंतर्गत महिला मंडल चेलरा दी मलाह की महिलाओं ने रविवार को स्वच्छता अभियान चलाकर गांव में साफ-सफाई का संदेश दिया। महिला मंडल की प्रधान शांता देवी के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के दौरान महिलाओं ने गांव की गलियों, संपर्क मार्गों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की। साथ ही रास्तों के दोनों ओर उगी घास और झाड़ियों को काटकर उन्हें सुरक्षित स्थान पर निस्तारित किया गया। महिला मंडल की सदस्यों ने ग्रामीणों से भी स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने का आह्वान किया। अभियान के दौरान महिलाओं ने सामूहिक श्रमदान कर स्वच्छ और सुंदर गांव के निर्माण का संकल्प भी दोहराया।

सीबीएसई स्कूलों को कब मिलेंगे शिक्षक?

टीचर्स की भर्ती न हो पाने से नौनिहालों का भविष्य दांव पर, अभिभावकों में रोष

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। प्रदेश सरकार द्वारा आनन-फानन में सीबीएसई स्कूल तो खोल दिए हैं लेकिन शिक्षकों की भर्ती न हो पाने से नौनिहालों का भविष्य दांव पर लग गया है। प्रदेश सरकार द्वारा सीबीएसई स्कूलों में मेरिट के आधार पर शिक्षक भर्ती को लेकर परीक्षा का आयोजन किया गया और पंचायती राज चुनावों के चलते आचार संहिता हटने के तुरंत बाद शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने की बात कही गई थी, लेकिन अब प्रदेश सरकार की नीयत में खोट नजर आ रहा है। बीते दिन हुई कैबिनेट मीटिंग में भर्ती प्रक्रिया में संशय होने और कमेटी के गठन की बात अभिभावकों के गले नहीं उतर रही है। सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए सीबीएसई स्कूलों का अभिभावकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया था और बड़ी संख्या में अपने नौनिहालों का प्रवेश सीबीएसई विद्यालयों में करवाया था। चौंतड़ा खंड की अभिभावक रितु देवी, रितु ठाकुर, शीला देवी, रीनू कुमारी, राधा व कोमल सहित अनेक अभिभावकों का कहना है कि उन्होंने अपने बच्चों को निजी विद्यालयों से निकालकर सरकारी सीबीएसई विद्यालयों में इस विश्वास के साथ दाखिला दिलाया था कि यहां सरकार मेरिट के आधार पर उत्कृष्ट शिक्षकों की नियुक्ति करेगी लेकिन समाचार पत्रों में सीबीएसई स्कूलों के लिए मेरिट सूची में चयनित शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में बाधाएं आने संबंधी खबरें पढ़कर वे स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार गरीब और सामान्य परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीबीएसई विद्यालयों में मेरिट आधारित शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसका उन्होंने स्वागत किया था। अभिभावकों का आरोप है कि चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद भी सीबीएसई विद्यालयों के लिए चयन परीक्षा में मेरिट प्राप्त कर चुके सेवारत शिक्षकों की काउंसलिंग और नियुक्ति की दिशा में कोई ठोस कदम दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा जून माह में सभी सीबीएसई विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति का आश्वासन दिया गया था, जिसमें सेवारत अध्यापकों को भी शामिल किया जाना था। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से आग्रह किया है कि जिस प्रकार राज्य के विशेष वर्गों और जरूरतमंद बच्चों के हित में सरकार अनेक महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है, उसी प्रकार सीबीएसई विद्यालयों में अध्ययनरत गरीब एवं सामान्य परिवारों के बच्चों के हितों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उनका कहना है कि इन विद्यालयों में पहली बार मेरिट आधारित व्यवस्था के माध्यम से योग्य एवं प्रतिभाशाली अध्यापकों की नियुक्ति होने जा रही है, इसलिए सरकार किसी भी प्रकार के राजनीतिक या अन्य दबाव में आए बिना चयनित शिक्षकों की तैनाती शीघ्र सुनिश्चित करे।

◆आचार संहिता हटने के बाद अब कमेटी का गठन करना अभिभावकों को नहीं आ रहा रास

नौनिहालों की अनदेखी नहीं होगी सहन

अभिभावकों ने कहा कि यदि बच्चों के हितों की अनदेखी की गई और मेरिट आधारित भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित किया गया, तो वे लोकतांत्रिक एवं कानूनी विकल्पों का सहारा लेने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय की शरण भी ली जा सकती है। उनका कहना है कि सरकार को बच्चों के भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सीबीएसई विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सके।

नियुक्ति प्रक्रिया के बाद कमेटी का गठन करना औचित्यहीन: नरेश ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नरेश ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश के सीबीएसई स्कूलों में कार्यरत अध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से लंबित करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इस विषय पर कैबिनेट सब कमेटी का गठन किया जाना अब समझ से परे है। इसका कोई औचित्य नहीं बनता।

ठाकुर ने कहा कि यह गौर करने योग्य तथ्य है कि सीबीएसई स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों की नियुक्ति के लिए स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा विधिवत परीक्षा आयोजित की जा चुकी है। मेरिट सूची भी जारी कर दी गई है। इतना ही नहीं, प्रधानाचार्यों के पदों के लिए काउंसलिंग के बाद उनका प्रशिक्षण भी संपन्न हो चुका है।

उन्होंने कहा कि अब जबकि अन्य पात्र अध्यापकों की काउंसलिंग की जानी शेष थी, ऐसे समय में कैबिनेट सब कमेटी का गठन करना नियुक्ति प्रक्रिया को और अधिक विलंबित करने वाला कदम प्रतीत होता है। यदि चयन प्रक्रिया, मेरिट सूची, काउंसलिंग तथा प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण चरण पूरे हो चुके हैं तो नियुक्तियों को अंतिम रूप देने में और देरी नहीं की जानी चाहिए।

मित्र देव को बनाया सेवा भारती विवेकानंद छात्रावास का अध्यक्ष

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। सेवा भारती विवेकानंद छात्रावास समिति के चुनाव हिमाचल प्रदेश सेवा भारती के प्रांत सचिव अवतार की अध्यक्षता में करवाए गए। नई कार्यकारिणी बनने से पूर्व समिति के अध्यक्ष खेमचंद शास्त्री ने पुरानी कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की। उसके बाद नई कार्यकारिणी गठित करने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह जानकारी सेवा भारती हिमाचल प्रदेश के प्रांत संगठन मंत्री राकेश कुमार ने दी उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी में सलाहकार खेमचंद शास्त्री, अध्यक्ष मित्र देव, सचिव पवन मिन्हास, उपाध्यक्ष एमपी राणा, सरदार निर्मल सिंह उर्फ भोला भाई, कोषाध्यक्ष संदीप बहल, सदस्य मंजू देवी, कृष्णा देवी, चंद किशोर और छात्रावास सेवा प्रमुख हेमंत को बनाया गया। सेवा भारती हिमाचल प्रदेश के सचिव अवतार जी ने कहा कि नई कार्यकारिणी का दायित्व छात्रावास का उत्थान करना है। सेवा भारती हिमाचल प्रदेश के माध्यम से अनेक प्रकार के सेवा कार्य किये जा रहे हैं। हमारा समाज, अपनी संस्कृति, सभ्यता, अनुशासन, धार्मिक परंपरा, शिक्षा, पूर्वजों का समान और उन गरीब असहाय लोगों की मदद करना है जो समाज से वंचित है। आपदा काल में सेवा भारती ने हर मोर्चे पर आपदा पीड़ितों की मदद की है। इस अवसर पर सेवा भारती हिमाचल प्रदेश के प्रांत संगठन मंत्री राकेश कुमार शाहिद अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

सेवा भारती विवेकानंद छात्रावास समिति के पदाधिकारी सामूहिक चित्र में। अनंत ज्ञान

नाले में कचरा फेंकने से बंद हुई सिंचाई कूहल

किसानों ने खुद की सफाई, कचरा फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग

अनंत ज्ञान

कविता, पधर। सनेड़, बाड़ी, बसेहड़ और चमाह कूहल के तहत आने वाले दर्जनों गांवों के किसान इन दिनों सिंचाई व्यवस्था बाधित होने से परेशान हैं। नालों में फेंकी गई प्लास्टिक की बोतलों, पॉलीथीन और कचरे से भरी बोरियों के कारण सिंचाई कूहल अवरुद्ध हो गई है, जिससे धान की खेती के महत्वपूर्ण समय में खेतों तक पानी पहुंचने में दिक्कतें आ रही हैं। इतना ही नहीं, यह कचरा किसानों के खेतों तक भी पहुंच रहा है।

रविवार को क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने एकजुट होकर सनेड़ स्थित मुख्य हेड से लेकर बाड़ी तक कूहल की व्यापक सफाई की। इस दौरान कूहल में जमा कचरा निकालने के साथ-साथ किनारों पर उगी झाड़ियों और घास को भी हटाया गया ताकि सिंचाई का पानी सुचारु रूप से खेतों तक पहुंच सके। किसानों ने आरोप लगाया कि सनेड़ में एनएचएआई द्वारा फ्लाईओवर निर्माण के दौरान सिंचाई कूहल को गंभीर नुकसान पहुंचाया गया था। पुल का निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद कूहल की मरम्मत और पुनर्निर्माण का कार्य अब तक नहीं किया गया है, जबकि एनएचएआई ने इसे दोबारा बनाने का आश्वासन दिया था। किसानों ने मांग की है कि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए।

किसानों ने चिंता जताते हुए कहा कि जीवन देने वाली जलधाराओं में कचरा फेंकना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने लोगों से जल स्रोतों को स्वच्छ रखने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में यदि कोई व्यक्ति कूहल या नालों में कचरा फेंकते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसानों ने सरकार और स्थानीय प्रशासन से भी पधर उपमंडल में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा खुले में कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसानों को अपने अधिकारों के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर होना पड़ेगा।

इस अवसर पर नंबरदार किरण सिंह, गोवर्धन सिंह कोहली, दलीप सिंह, दिग्विजय महंत, रघुवीर सिंह, चरण दास, मनोहर, शेर सिंह, कृष्ण, किशोर, दलीप, रणवीर, पुलकी देवी, सुरेश कुमार, हरीश, गगन, सुभाष, दिनेश कुमार, विजय कुमार, तारा चंद, रोहित, इंद्र, श्याम लाल, रघुनाथ, अमर सिंह, सुनील कुमार, प्रदीप, नानक चंद, जयवंती देवी, कमला देवी, कृष्णा देवी, चिंता देवी, सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

नाले में डाले गए कचरे को हटाकर कूहल की साफ-सफाई करते ग्रामीण।

अनंत ज्ञान मुद्दा

छोटाभंगाल-चौहार घाटी में उमड़े सैलानी होटलों और होम-स्टे में बढ़ी बुकिंग

अनंत ज्ञान

रूपी ठाकुर, बरोट। छोटाभंगाल और चौहार घाटी की खूबसूरती देश-विदेश के पर्यटकों को लगातार अपनी ओर खींच रहा है। पर्यटन सीजन शुरू होने के साथ मार्च-अप्रैल से पर्यटकों की आवाजाही आरंभ हो गई थी, जबकि जून माह में यह संख्या और बढ़ गई है। वर्तमान में प्रतिदिन तीन से पांच सौ पर्यटकों के वाहनों की आमद दर्ज की जा रही है। इसके चलते क्षेत्र में स्थित सरकारी विश्राम गृह, निजी होटल, होम-स्टे, गेस्ट हाउस और कैंपिंग स्थल लगभग पूरी तरह बुक चल रहे हैं। कई पर्यटकों को अग्रिम बुकिंग न मिलने के कारण लौटना भी पड़ रहा है। दोनों घाटियों में करीब 15 होटल, 12 रेस्ट हाउस, 25 होम-स्टे और 15 कैंपिंग स्थल संचालित हैं। कम हिमपात और मैदानी क्षेत्रों में समय से पहले बढ़ी गर्मी के कारण पर्यटक बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं। बरोट, मुल्थान, राजगुंधा, प्लाचक, पनिहारटू, झटिंगरी, फुलाधार और सलियाहारा पास जैसे पर्यटन स्थल सैलानियों की पहली पसंद बने हुए हैं। वहीं रोपड़, जीरो नाला, कोठी कोहड़ तथा लपास क्षेत्र के प्राकृतिक झरने भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पर्यटक उहल और लंबाडग नदियों के किनारे समय बिताकर ठंडी हवाओं का आनंद ले रहे हैं। बरोट स्थित दुर्गा माता मंदिर के समीप पंजाब राज्य बिजली बोर्ड द्वारा निर्मित ऊंचे जल फव्वारे का रोमांचकारी दृश्य भी पर्यटकों को खूब लुभा रहा है। हालांकि बढ़ती पर्यटक आवाजाही के चलते बरोट-घटासनी, मुल्थान-लोहारडी और मुल्थान-बड़ा ग्रां मार्गों पर घंटों जाम लग रहा है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने पर्यटन सीजन के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए प्रमुख स्थलों पर साइन बोर्ड लगाने और अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की तैनाती की मांग की है।

चौहार घाटी में सैलानियों के आने से लगा जाम। अनंत ज्ञान

20 परिवार हुए थे बेघर, एक साल बाद भी नहीं मिला स्थायी ठिकाना : भूपेंद्र सिंह

स्याठी के आपदा प्रभावितों को भूली सरकार

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत लौंगनी के स्याठी गांव में गत वर्ष 30 जून को आई भीषण आपदा में बेघर हुए 20 परिवार आज भी पुनर्वास की बाट जोह रहे हैं। पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं हिमाचल किसान सभा के नेता भूपेंद्र सिंह ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात के बाद सरकार, प्रशासन और स्थानीय विधायक पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आपदा के बाद प्रभावित परिवारों को पहले एक माह तक मंदिर में ठहराया गया और बाद में किराये के मकानों में रहने को कहा गया, लेकिन अब तक उन्हें केवल तीन माह का किराया ही मिल पाया है।

भूपेंद्र सिंह ने बताया कि प्रभावितों को बेघर हुए लगभग एक वर्ष होने जा रहा है, लेकिन अभी तक न तो उन्हें मकान निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध करवाई गई है और न ही आजीविका से जुड़े नुकसान का पूरा मुआवजा दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 प्रभावित परिवारों में से केवल छह परिवारों के ही दावे तैयार किए गए हैं, जबकि कई परिवार अब भी सरकारी सहायता से वंचित हैं।

उन्होंने मांग की कि सभी 20 परिवारों को पिछले 12 महीनों का किराया दिया जाए तथा आपदा में मारे गए पशुओं और क्षतिग्रस्त गौशालाओं का शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही सभी प्रभावित परिवारों को मकान निर्माण के लिए भूमि और वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाए। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कई परिवार ऐसे स्थानों पर रहने को मजबूर हैं जहां पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। उन्होंने जल्द ही प्रभावितों की मांगों को लेकर एसडीएम धर्मपुर को ज्ञापन सौंपने की बात कही है।

स्व. प्रभास राणा के नाम पर पड़े वोटों का झूठा श्रेय ले रहे विधायक : भूपेंद्र सिंह

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। माकपा की धर्मपुर लोकल कमेटी ने धर्मपुर के विधायक पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि वे अपनी राजनीतिक नाकामियों को छिपाने के लिए दिवंगत प्रभास राणा के नाम पर मिले जनसमर्थन का श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं। पार्टी के लोकल कमेटी सचिव भूपेंद्र सिंह ने कहा कि टिहरा जिला परिषद वार्ड से निर्वाचित अनिता कुमारी को मिली जीत जनता द्वारा दिवंगत प्रभास राणा को दी गई श्रद्धांजलि का परिणाम है, न कि कांग्रेस या विधायक की लोकप्रियता का। उन्होंने दावा किया कि टिहरा क्षेत्र के कई गांवों में, जहां अन्य दलों का प्रभाव अधिक है, वहां भी अनिता कुमारी को बढ़त मिली। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि विधायक अपने प्रभाव वाले कई क्षेत्रों में उम्मीदवार तक खड़े नहीं कर पाए, जबकि कुछ स्थानों पर उनके समर्थकों को भारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार में कांग्रेस और विधायक का नाम लगभग नदारद था तथा भाजपा में आंतरिक मतभेदों और माकपा की रणनीति ने भी चुनाव परिणामों को प्रभावित किया। माकपा नेता ने कहा कि पार्टी विधायक के कार्यकाल से जुड़े विभिन्न जनहित मुद्दों को लेकर अपना अभियान और तेज करेगी।

प्रेरणास्त्रोत रेशम कीट पालन से आत्मनिर्भर बन रहीं सरकाघाट की महिलाएं

सिंहारन की मधु ने लिखी सफलता की नई इबारत

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करना है। मंडी जिला के सरकाघाट क्षेत्र की महिलाएं रेशम कीट पालन अपनाकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं।

सरकाघाट तहसील के सिंहारन गांव की मधु इस योजना की एक प्रेरणादायक मिसाल हैं। मधु बताती हैं कि उनके गांव में रेशम विभाग द्वारा आयोजित एक जागरूकता शिविर के माध्यम से रेशम कीट पालन की जानकारी प्राप्त हुई। विभाग के मार्गदर्शन और सरकारी सहायता से प्रेरित होकर उन्होंने इस व्यवसाय को अपनाया। वे अपने घर पर ही रेशम उत्पादन कर रही हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। उत्पादित रेशम का बाजार मूल्य लगभग 1,000 से 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक मिल रहा है। एक सीजन में उन्हें लगभग 12 हजार रुपये की आय प्राप्त होती है, जबकि वर्ष में दो सीजन के माध्यम से वे औसतन 24 से 25 हजार रुपये तक अर्जित कर रही हैं। मधु बताती हैं कि सरकार द्वारा उन्हें रेशम कीट पालन के लिए आवश्यक उपकरण, जैसे रेयरिंग स्टैंड, प्लास्टिक ट्रे और नेट आदि उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अतिरिक्त रेशम कक्ष भी प्रदान किया गया है, जहां वे व्यवस्थित रूप से उत्पादन कार्य कर रही हैं। सरकार द्वारा शहतूत के पौधे उपलब्ध करवाने के साथ-साथ उनकी रोपाई के लिए आर्थिक सहायता और वर्ष में दो बार रेशम सीड उपलब्ध करवाए जाते हैं। विभागीय अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण कर तकनीकी मार्गदर्शन देते हैं।

उनका कहना है कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अत्यंत कारगर सिद्ध हो रही है। इस योजना के लिए मधु ने प्रदेश सरकार तथा मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण परिवारों को घर के निकट ही आय का एक स्थायी स्रोत उपलब्ध हुआ है। मधु की सफलता ने क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी इस व्यवसाय को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। वर्तमान में क्षेत्र की लगभग 40 से 50 महिलाएं रेशम कीट पालन से जुड़ी हैं। इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि हुई, बल्कि महिला सशक्तिकरण को भी नई दिशा मिली है।

बारिश में तालाब बन जाता है बीएसएल परियोजना का पुल

अनंत ज्ञान

भीम बसेड़ राजपूत, महादेव। धनोट सब्जी मंडी से सटी बीएसएल परियोजना की नहर पर बना पुल बरसात के दिनों में लोगों के लिए भारी परेशानी का कारण बन जाता है। बारिश होते ही पुल के दोनों ओर पानी जमा होने लगता है और कुछ ही समय में पूरा क्षेत्र तालाब जैसा दिखाई देने लगता है। स्थिति यह बन जाती है कि राहगीरों को घुटनों तक पानी में होकर पुल पार करना पड़ता है। ग्राम पंचायत जुगाहन सहित आसपास की कई पंचायतों के लोगों का प्रतिदिन इस मार्ग से आना-जाना लगा रहता है, लेकिन जलभराव की समस्या के कारण उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि वर्षों पुरानी है। बरसात के मौसम में पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने से पुल के दोनों ओर पानी भर जाता है। ऐसे में बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है। कई बार लोगों को जोखिम उठाकर पानी के बीच से गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि संबंधित विभाग को कई बार इस समस्या से अवगत करवाया गया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

◆लोग घुटनों तक पानी में गुजरने को मजबूर

स्थानीय निवासी प्रकाश चंद, नारायण दास, प्रेम, गंगा राम और जितेंद्र सिंह सहित अन्य लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है, ताकि बरसात के दिनों में लोगों को परेशानी और जोखिम का सामना न करना पड़े।

जीवन दूध के समुद्र की तरह है, आप इसे जितना मथेंगे आपको इससे उतना ही मक्खन मिलेगा।

–घनश्यामदास बिड़ला

संपादकीय

भांग की खेती कितनी कारगर

हिमाचल प्रदेश में भांग की खेती को वैध रूप से शुरू करने का रास्ता साफ कर प्रदेश की सुक्खू सरकार ने एक महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसला लिया है। हिमाचल प्रदेश स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) नियम, 1989 में संशोधन के बाद अब हिमाचल में चिकित्सा और वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए भांग की नियंत्रित खेती संभव हो सकेगी। इसके साथ ही इसके प्रसंस्करण, भंडारण और परिवहन को भी नियमन के दायरे में लाया जाएगा। यह निर्णय प्रदेश की अर्थव्यवस्था, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर सकता है, लेकिन इसके साथ कई गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं।

दरअसल, आर्थिक संकट से जूझ रही हिमाचल सरकार लगातार ऐसे विकल्प तलाश रही है जिनसे राजस्व में वृद्धि हो सके। पर्यटन, जलविद्युत और बागवानी के साथ अब भांग की खेती को भी एक संभावित आय स्रोत के रूप में देखा जा रहा है। सरकार ने पिछले वर्ष पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसकी अनुमति दी थी, लेकिन अब नियमों में संशोधन के बाद इसे व्यवस्थित रूप से लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर और बागवानी विश्वविद्यालय नौणी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए व्यापक अध्ययन और उनकी सिफारिशों ने भी इस निर्णय को आधार प्रदान किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि हिमाचल इस दिशा में कदम उठाने वाला पहला राज्य नहीं है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और मणिपुर जैसे राज्यों में पहले से ही नियंत्रित एवं वैध भांग की खेती की जा रही है। इन राज्यों के अनुभव बताते हैं कि यदि उचित निगरानी और नियमन हो तो यह खेती किसानों की आय बढ़ाने और नए उद्योग विकसित करने में सहायक साबित हो सकती है।

हिमाचल प्रदेश में भांग का इतिहास भी काफी पुराना रहा है। वर्ष 2000 से पहले प्रदेश के कई क्षेत्रों में भांग की खेती खुले तौर पर होती थी। हालांकि , इसके नशे के रूप में बढ़ते दुरुपयोग को देखते हुए सरकार ने सख्ती बरतते हुए इस पर प्रतिबंध लगा दिया था। यही कारण है कि आज जब सरकार दो दशक से अधिक समय बाद इसे फिर से वैध रूप में शुरू करने जा रही है तो लोगों के मन में उत्साह के साथ-साथ आशंकाएं भी हैं। वास्तव में भांग केवल नशे की फसल नहीं है। इसके पौधे के लगभग हर हिस्से का उपयोग किया जा सकता है। इसके रेशों से कपड़ा, रस्सियां, कागज और निर्माण सामग्री तैयार की जाती है। इसके बीजों का उपयोग खाद्य पदार्थों, तेल और पोषक उत्पादों में होता है। वहीं, इसके औषधीय गुणों के कारण चिकित्सा क्षेत्र में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। दुनिया के कई विकसित देशों ने भांग की औद्योगिक और चिकित्सीय उपयोगिता को पहचानते हुए इसे एक लाभदायक फसल के रूप में विकसित किया है।

कनाडा, अमेरिका, जापान, फ्रांस, इटली, हंगरी, चीन, डेनमार्क और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भांग आधारित उद्योग अरबों डॉलर का कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर इसकी बढ़ती मांग को देखते हुए हिमाचल भी इस क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकता है। विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों के किसानों के लिए यह एक नकदी फसल बन सकती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आ सकता है। इसके साथ ही प्रसंस्करण इकाइयों, अनुसंधान केंद्रों और औद्योगिक गतिविधियों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

हालांकि, इस फैसले का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रदेश में पहले से ही नशे की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। युवाओं में चिट्टा और अन्य मादक पदार्थों की बढ़ती लत सरकार और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसे समय में भांग की खेती को अनुमति देना कई लोगों के मन में सवाल खड़े करता है। यदि निगरानी कमजोर रही या नियमों का पालन नहीं हुआ तो वैध खेती की आड़ में अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है।

सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि भांग की खेती केवल लाइसेंसधारी किसानों और निर्धारित क्षेत्रों तक सीमित रहे। इसके लिए आधुनिक तकनीक, जीपीएस आधारित निगरानी, नियमित निरीक्षण और कठोर दंडात्मक प्रावधानों की आवश्यकता होगी। खेती से लेकर प्रसंस्करण और विपणन तक हर चरण पर पारदर्शी व्यवस्था विकसित करनी होगी। साथ ही लोगों को यह भी स्पष्ट रूप से समझाना होगा कि यह अनुमति नशे के लिए नहीं, बल्कि औद्योगिक, वैज्ञानिक और चिकित्सीय उपयोगों के लिए दी जा रही है। एक और चिंता यह है कि भांग की खेती को मंजूरी मिलने के बाद अन्य मादक फसलों, विशेषकर अफीम की खेती को वैध करने की मांग भी उठ सकती है। ऐसे में सरकार को स्पष्ट नीति और सख्त रुख बनाए रखना होगा ताकि प्रदेश की पहचान कृषि, पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य के केंद्र के रूप में बनी रहे, न कि नशे से जुड़े किसी केंद्र के रूप में।

आज की प्रमुख हस्ती

भारतीय रंगमंच के युगपुरुष

हबीब तनवर भारतीय रंगमंच के ऐसे महान हस्ताक्षर थे, जिन्होंने लोककला और आधुनिक रंगमंच के बीच एक सशक्त सेतु का निर्माण किया। 1 सितंबर 1923 को रायपुर में जन्मे हबीब तनवीर ने नाटक, अभिनय, निर्देशन, कविता और संगीत के क्षेत्र में अमिट योगदान दिया। उन्होंने भारतीय लोक परंपराओं को रंगमंच का आधार बनाकर उसे नई पहचान दिलाई।

हबीब तनवर
जन्म : 1 सितंबर, 1923
मृत्यु : 8 जून, 2009

हबीब तनवीर ने 1959 में 'नया थियेटर' की स्थापना की और छत्तीसगढ़ की लोकनाट्य परंपराओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया। उनके प्रसिद्ध नाटक आगरा बाज़ार और चरणदास चोर आज भी भारतीय रंगमंच की अमूल्य धरोहर माने जाते हैं। उनकी प्रस्तुतियों में लोकगीत, लोकसंगीत और जनजीवन की सादगी का अद्भुत समन्वय दिखाई देता था।

उन्होंने हिंदी रंगमंच को पाश्चात्य प्रभावों की सीमाओं से बाहर निकालकर भारतीय मिट्टी की खुशबू से जोड़ा। इसी कारण उन्हें हिंदुस्तानी रंगमंच का शलाका पुरुष कहा जाता है।

8 जून 2009 को भोपाल में उनका निधन हुआ, लेकिन उनका रचनात्मक योगदान आज भी कलाकारों और रंगकर्मियों को प्रेरित करता है। हबीब तनवीर केवल एक रंगकर्मी नहीं, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति के सच्चे संवाहक और रंगमंच के विश्वकोष थे।

कविता

घुसपैठ की चुनौती

संजय एम तराणेकर

सीमाओं पर धूल उड़ती रहीं, खतरे ने दे दी है दस्तक,
मौन नहीं रहेगा देश हमारा, कभी ना झुकेगा मस्तक।
घुसपैठ की 'काली' छाया, बढ़ती जा रहीं है रोज यहां,
जन-जन के विश्वास पर, पड़ने लगी है धुंध जहां-तहां।
रोजी-रोटी, खेत और मकान, सब पे हैं संकट मंडराए,
अपने ही अधिकारों पर अब, कितने प्रश्नचिन्ह लगाए।
अब बहन-बेटियों की सुरक्षा का, मुद्दा भी गंभीर हुआ,
सियासत के गलियारों में, हर चेहरा क्यों अधीर हुआ।
जनसंख्या का बदलता चेहरा, सोचने का विषय बना,
राष्ट्रहित की रक्षा करना, हरेक नागरिक का धर्म बना।
नफरत की दीवार ना खड़ी हो, प्रेम नहीं टूटे बीच राह,
हमें देश की सीमाओं पर, रखना होगी सख्त निगाह।
एकता की शक्ति से ही, हर एक संकट को हर पाएंगे,
सत्य, सुरक्षा व साहस से,भारत को मजबूत बनाएंगे।
राष्ट्रहित हमारा सबसे ऊपर, यही 'संकल्प' जगाना है,
घुसपैठ और हर षड्यंत्र से, हिंदुस्तान को बचाना है।

शिक्षा के मंदिर में 'कोचिंग वॉर' और दांव पर छात्रों का भविष्य

अजय कुमार
स्वतंत्र लेखक

बिहार के पटना का मुसल्लाहपुर हाट इलाका देशभर में प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों की उम्मीदों का केंद्र माना जाता है लेकिन हाल ही में इस इलाके से जो तस्वीरें और खबरें सामने आईं, उसने न केवल शिक्षा के इस मंदिर को शर्मसार किया है बल्कि बिहार की गौरवशाली ज्ञान परंपरा पर भी एक गहरा धब्बा लगा दिया है।

जिन गलियों में सुबह से शाम तक किताबों के बंडल, पेन और कॉपियां दिखाई देती थीं, वहां अचानक पत्थरबाजी, लाठी-डंडे और हवाई फायरिंग की गूंज सुनाई देने लगी। यह विवाद महज दो कोचिंग संस्थानों की आपसी लड़ाई नहीं है, बल्कि यह शिक्षा के नाम पर चल रहे करोड़ों रुपये के उस बाजार का नग्न प्रदर्शन है, जहां छात्रों का भविष्य दांव पर लगाकर सिर्फ और सिर्फ भीड़ और वर्चस्व की जंग लड़ी जा रही है। इस तथाकथित 'कोचिंग वॉर' ने यह साबित कर दिया है कि जब शिक्षा व्यवसाय बन जाती है, तो नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का पतन किस कदर होता है।

इस पूरे बवाल की शुरुआत बेहद मामूली और बचकानी वजह से हुई, जिसे जानकर किसी भी सभ्य समाज का सिर घोर निराशा से झुक जाएगा। एक कोचिंग संस्थान की ओर से बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा में करीब 12 हजार छात्रों के सफल होने का दावा करते हुए बड़े-बड़े पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। आरोप है कि यह पोस्टर प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान के साइन बोर्ड के ऊपर या उसके बेहद करीब चिपका दिए गए। इसके बाद वर्चस्व की इस जंग में सीढ़ियां लगाकर बैनर फाड़ने का सिलसिला शुरू हुआ। पोस्टर फाड़े जाने की इस छोटी सी चिंगारी ने देखते ही देखते एक ऐसी आग का रूप ले लिया, जिसने पूरे इलाके के सुरक्षा तंत्र और कानून व्यवस्था को हिलाकर रख दिया। दो पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए, लाठियां चलीं, ईंट-पत्थरों की बौछार हुई और देखते ही देखते वह परिसर कुरुक्षेत्र के मैदान में तब्दील हो गया जहां हजारों छात्र अपने सुनहरे कल का सपना बुनने आते हैं।

घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया के महारथी और लाखों युवाओं के आदर्श बने शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर ने मीडिया के सामने आकर बेहद सनसनीखेज दावे किए। उन्होंने कैमरे के सामने पूरी गंभीरता से कहा कि उनके कोचिंग सेंटर पर हमला हुआ है और उन्होंने अपनी आंखों से एक-दो नहीं बल्कि आठ से दस राउंड फायरिंग होते हुए देखी है। एक शिक्षक के मुंह से इस तरह की बात सुनकर पूरे राज्य के अभिभावकों और छात्रों में दहशत फैल गई। लेकिन जब कानून के रक्षकों ने इस मामले की तहकीकात शुरू की और घटनास्थल के साथ-साथ आसपास की गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की, तो कहानी पूरी तरह पलट गई। पुलिस की शुरुआती जांच में दूर-दूर तक गोली चलने या किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा फायरिंग करने का कोई सबूत नहीं मिला। इसके उलट, सीसीटीवी में यह साफ दिखाई दिया कि खान सर के अपने ही सुरक्षा गार्ड हवा में हथियार लहराते और हमला करते नजर आ रहे थे। इस खुलासे के बाद पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए उन दोनों गार्डों को हिरासत में ले लिया और खुद खान सर को भी देर रात लंबी पूछताछ का सामना करना पड़ा। हैरानी की बात यह है कि जो शिक्षक रात में अपनी आंखों से गोलियां बरसने की गवाही दे रहे थे, सुबह होते-होते उनके सुर पूरी तरह बदल गए। वे अपने ही दावों से यू-टर्न लेते हुए यह कहने लगे कि अब पुलिस की जांच के बाद ही असलियत का पता चलेगा या फिर जब उनका घायल गार्ड ठीक होकर आएगा तब वह सच बताएगा। एक शिक्षक के बयानों में ऐसा विरोधाभास और तथ्यों को लेकर इतनी बड़ी लापरवाही बेहद चिंताजनक है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कभी कहा था कि शिक्षक वह नहीं है जो केवल दिमाग में तथ्य ठूंसे, बल्कि वह है जो छात्र को सत्य की खोज के लिए तैयार करे। लेकिन आज के डिजिटल युग के इन तथाकथित 'गुरुओं' के तथ्य और सत्य दोनों ही गंभीर संदेह के घेरे में आ गए हैं। इस विवाद का दूसरा पहलू और भी भयावह है। फैजल खान की शिकायत पर पुलिस ने ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद को फौरन गिरफ्तार कर लिया। रौशन आनंद बिहार के एक बेहद साधारण किसान परिवार से आते हैं और उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत के दम पर इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई थी। उनकी गिरफ्तारी के बाद पटना की सड़कों पर एक नया ड्रामा शुरू हो गया। रौशन आनंद के समर्थन में हजारों की संख्या में छात्र सड़कों पर उतर आए और उग्र प्रदर्शन करने लगे। छात्रों का आरोप है कि खान सर ने राजनीतिक और व्यावसायिक रंजिश के तहत उनके गुरु पर झूठे आरोप लगाए हैं।

सोचिए, जिन नौजवानों को इस वक्त कमरों में बंद होकर परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए थी, वे अपने-अपने पसंदीदा शिक्षकों के अंधविश्वास में सड़कों पर नारेबाज़ी कर रहे हैं और कानून को हाथ में लेने पर आमादा हैं।

यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आज के ये मशहूर यूट्यूब शिक्षक बच्चों को बेहतर नागरिक बनाने के बजाय अपने निजी स्वार्थ के लिए एक 'ट्रोल आर्मी' और हिंसक भीड़ में तब्दील कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है र कोचिंग संचालकों के कारण इस तरह का उपद्रव हुआ हो। 2019 में भी इसी मुसल्लहपुर इलाके में वर्चस्व को लेकर बमबाजी की घटना हुई थी। उस वक्त भी दोनों तरफ से मुकदमे दर्ज हुए थे, लेकिन ठोस कार्रवाई न होने के कारण इन दुकानदारों के हौसले बुलंद रहे। अगर समय रहते पुलिस और प्रशासन ने इन व्यावसायिक संस्थानों पर नकेल कसी होती, तो आज यह नौबत नहीं आती।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

डिजिटल युग में रील संस्कृति के बीच समझ और चिंतन का संकट

विशाल कल्याण
सहायक प्रोफेसर, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, सोलन

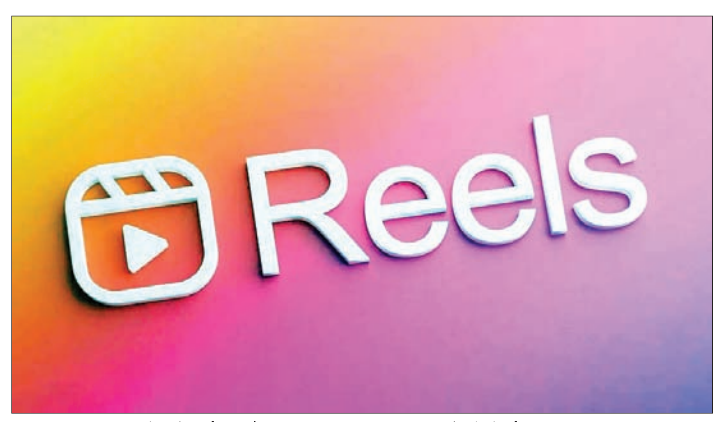

आज का युग सूचना और तकनीक का युग है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने ज्ञान प्राप्त करने के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। कुछ वर्ष पहले तक किसी विषय को समझने के लिए पुस्तकें पढ़नी पड़ती थीं, विशेषज्ञों के व्याख्यान सुनने पड़ते थे और लंबे समय तक अध्ययन करना पड़ता था लेकिन आज ज्ञान का एक नया स्वरूप सामने आया है- रील संस्कृति। कुछ सेकंड या एक-दो मिनट की वीडियो क्लिप में जटिल विषयों को समझाने का दावा किया जाता है। यह तरीका तेज, आकर्षक और मनोरंजक अवश्य है, किंतु इसके साथ एक गंभीर चुनौती भी जुड़ी हुई है। रीलों ने वास्तविक समझ अर्थात 'रियल अंडरस्टैंडिंग' की जगह लेना शुरू कर दिया है, जिसके कारण गहन चिंतन और बौद्धिक विकास प्रभावित हो रहा है।

रील संस्कृति का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी तात्कालिकता है। आज का व्यक्ति कम समय में अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध छोटी-छोटी वीडियो लोगों को तुरंत जानकारी उपलब्ध करा देती हैं। विद्यार्थी इतिहास, विज्ञान, राजनीति, अर्थशास्त्र और दर्शन जैसे विषयों के बारे में कुछ सेकंड में जान लेते हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब वे इस संक्षिप्त जानकारी को पूर्ण ज्ञान समझने लगते हैं। वास्तव में रील केवल किसी विषय का परिचय दे सकती है, उसकी गहराई नहीं समझा सकती। वास्तविक ज्ञान तब विकसित होता है जब व्यक्ति किसी विषय का विश्लेषण करता है, प्रश्न पूछता है और विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने का प्रयास करता है। मस्तिष्क का विकास केवल जानकारी प्राप्त करने से नहीं होता, बल्कि उसे समझने, परखने और नए संदर्भों में लागू करने से होता है। पुस्तक पढ़ना, शोध करना और लंबे लेखों का अध्ययन करना मस्तिष्क को सर्ि, य रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। इसके विपरीत रील देखने के दौरान व्यक्ति अधिकांशत: निष्क्रिय दर्शक बना रहता है। उसे जानकारी तैयार रूप में मिल जाती है, इसलिए उसे अधिक मानसिक प्रयास नहीं करना पड़ता। परिणामस्वरूप उसकी विश्लेषणात्मक और तार्किक क्षमता धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकती है।

रील संस्कृति ने ध्यान अवधि अर्थात 'अटेंशन स्पैन' पर भी गहरा प्रभाव डाला है। पहले लोग घंटों तक पुस्तकें पढ़ सकते थे या किसी विषय पर गंभीर चर्चा कर सकते थे। आज कई लोगों के लिए कुछ मिनट तक भी किसी एक विषय पर ध्यान केंद्रित रखना कठिन हो गया है। लगातार बदलती हुई रीलें मस्तिष्क को त्वरित उत्तेजना की आदत डाल देती हैं। जब व्यक्ति किसी पुस्तक, शोधपत्र या विस्तृत व्याख्यान के सामने बैठता है, तो उसे वह नीरस लगने लगता है। इस प्रकार मस्तिष्क धीरे-धीरे गहन अध्ययन से दूर होने लगता है।

शिक्षा के क्षेत्र में इसका प्रभाव विशेष रूप से दिखाई देता है। अनेक विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी के लिए पुस्तकों और विस्तृत नोट्स की बजाय केवल शॉर्ट वीडियो पर निर्भर होने लगे हैं। वे विषय के मूल सिद्धांतों को समझने के बजाय केवल तथ्यों और ट्रिक्स को याद करने का प्रयास करते हैं। इससे अल्पकालिक सफलता तो मिल सकती है, लेकिन दीर्घकाल में ज्ञान की नींव कमजोर रह जाती है। वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए केवल सतही जानकारी पर्याप्त नहीं होती। रील संस्कृति आलोचनात्मक सोच को भी प्रभावित करती है। अधिकांश रीलें कम समय में अधिक प्रभाव डालने के उद्देश्य से बनाई जाती हैं, इसलिए उनमें जटिल विषयों को अत्यधिक सरल या अधूरा प्रस्तुत किया जाता है। यदि दर्शक जानकारी की सत्यता की जांच नहीं करता, तो वह भ्रमित निष्कर्षों तक पहुँच सकता है।

इससे स्वतंत्र चिंतन और तार्किक निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। हालांकि यह कहना भी उचित नहीं होगा कि रीलें पूरी तरह हानिकारक हैं। यदि उनका उपयोग संतुलित रूप से किया जाए तो वे शिक्षा का प्रभावी प्रारंभिक माध्यम बन सकती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कब तक सरपंचों, पार्षदों के हक का उपयोग करते रहेंगे पति?

डॉ. प्रियंका सौरभ
सामाजिक चिंतक

भारत में लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें पंचायतों और नगर निकायों तक फैली हुई हैं। स्थानीय स्वशासन की इन संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों के माध्यम से आरक्षण की व्यवस्था की गई। इसका उद्देश्य महिलाओं को निर्णय-निर्माण की प्रर्ि, या में सर्ि, य भागीदारी देना और उन्हें राजनीतिक रूप से सशक्त बनाना था। लेकिन आज भी अनेक स्थानों पर सरपंच पति और पार्षद पति जैसी प्रवृत्तियां इस उद्देश्य को कमजोर कर रही हैं।

कई पंचायतों और नगर निकायों में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की जगह उनके पति या अन्य पुरुष रिश्तेदार वास्तविक शक्ति का प्रयोग करते दिखाई देते हैं। बैठकों में भाग लेना, अधिकारियों से संवाद करना और विकास कार्यों के निर्णय लेना जैसे कार्य अक्सर वही करते हैं, जबकि निर्वाचित महिला केवल औपचारिक चेहरा बनकर रह जाती है। यह स्थिति लोकतंत्र की मूल भावना और जनादेश दोनों का अपमान है। महिला आरक्षण का उद्देश्य केवल सीटों की संख्या बढ़ाना नहीं था, बल्कि महिलाओं को नेतृत्व और प्रशासन में वास्तविक भागीदारी देना था। इस व्यवस्था ने लाखों महिलाओं को राजनीति में आने का अवसर दिया और अनेक महिला सरपंचों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य भी किए हैं। इससे यह सिद्ध हुआ है कि अवसर मिलने पर महिलाएं प्रभावी नेतृत्व प्रदान कर सकती हैं।

फिर भी पितृसत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था कई क्षेत्रों में महिलाओं की स्वतंत्र भूमिका को सीमित करती है। परिवार और समाज की पारंपरिक सोच के कारण अनेक महिला प्रतिनिधियों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता नहीं मिलती। कई बार उन्हें स्वयं बोलने या प्रशासनिक मामलों में हस्तक्षेप करने से भी रोका जाता है। परिणामस्वरूप उनका संवैधानिक अधिकार व्यवहार में पुरुषों के नियंत्रण में चला जाता है।

हाल ही में हरियाणा राज्य सूचना आयोग ने भी स्पष्ट टिप्पणी की कि महिला सरपंचों की जगह उनके पतियों का सरकारी बैठकों में भाग लेना अनुचित है। यह टिप्पणी केवल प्रशासनिक निर्देश नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संदेश है। यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों के अधिकार अनिर्वाचित व्यक्तियों द्वारा प्रयोग किए जाने लगें, तो चुनाव प्रर्ि, या का महत्व ही समाप्त हो जाएगा। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि ग्रामीण महिलाएं अनुभवहीन या कम शिक्षित होने के कारण अपने पतियों की सहायता लेती हैं। लेकिन इसका समाधान अधिकार छीनना नहीं, बल्कि क्षमता निर्माण है। सरकार और प्रशासन को महिला प्रतिनिधियों के लिए नियमित प्रशिक्षण, कानूनी जानकारी, वित्तीय प्रबंधन और नेतृत्व विकास कार्य, म संचालित करने चाहिए, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व निभा सकें। साथ ही समाज की सोच में बदलाव भी आवश्यक है। परिवार की भूमिका सहयोगी की होनी चाहिए, नियंत्रक की नहीं। पति मार्गदर्शन दे सकता है, लेकिन प्रतिनिधि की भूमिका नहीं निभा सकता। प्रशासनिक अधिकारियों को भी केवल निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों से ही संवाद करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ तभी है जब महिलाओं को निर्णय लेने, अपनी बात रखने और नेतृत्व करने की स्वतंत्रता मिले। यदि महिला सरपंच और पार्षद स्वयं अपने अधिकारों का प्रयोग करेंगी, तभी आरक्षण की व्यवस्था अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगी।

यह मुद्दा केवल महिलाओं के अधिकारों का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का प्रश्न है। जब तक सरपंच पति और पार्षद पति जैसी प्रवृत्तियों पर प्रभावी रोक नहीं लगेगी, तब तक महिला राजनीतिक सशक्तिकरण अधूरा रहेगा। लोकतंत्र की सच्ची सफलता इसी में है कि जनता द्वारा चुना गया प्रतिनिधि स्वयं अपने अधिकारों और दायित्वों का निर्वहन करे। यही संविधान की भावना है, यही सामाजिक न्याय का मार्ग है और यही वास्तविक महिला सशक्तिकरण की पहचान भी।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

प्रभु राम का वनवास हमें कठिन परिस्थिति में चलने का मार्गदर्शन देता है

संजय गोस्वामी
स्वतंत्र लेखक

प्रभु राम को वनवास हमें कठिन परिस्थिति में चलने का मार्गदर्शन देता है। जब भी किसी लक्ष्य को प्राप्त करना है तो परिश्रम करना ही होगा। सोना जब आग में तपता है तो चमकता है। रामायण में कहा गया है धर्म धुरीन धर्म गति जानी। कहेउ मातु सन अति मृदु बानी ॥ पितां दीन्ह मोहि कानन राजू । जहं सब भांति मोर बड़ काजू ॥ भावार्थ : धर्मधुरीण श्री रामचंद्रजी ने धर्म की गति को जानकर माता से अत्यंत कोमल वाणी से कहा मुझे जंगल का राजा के रूप में जाने का अवसर मिला है जहां मैं साधना, साधु संतो की रक्षा और राकक्ष का वध करूंगा और धर्म की स्थापना करूंगा इसलिए उन्हें सम्मान से वनवास मिला

मां को भगवान राम की मां कौशल्या थी लेकिन कैकई भी राजा दशरथ की पत्नी होने के कारण उनकी मां थी जब राजा दशरथ भगवान राम को राजगद्दी पर बैठाने वाले थे तो कैकई ने मंथरा के कहने पर राजा दशरथ से दो वरदान मांगने के लिए उसके कान भरे और इसतरह कैकई ने राजा दसरथ को अपने पुत्र भरत को राज सिंहासन पर बैठाने और भगवान राम को 14 वर्ष के वनवास के लिए वर माँगा राजा दसरथ ऐ सुनकर काफी दु:खी हुए लेकिन अंतत: उन्होंने अपने वचन को पूर्ण करने के लिए अपने पुत्र को कह नहीं पा रहें थे लेकिन अंतत: दु:खी मन से कह दिया तब भगवान राम ने कहा माता कैकई आप ही कह देती तो मैं आपके वचन को अवश्य पूर्ण कर देता क्योंकि आप मां है और मां कभी अपने पुत्र के भले के लिए ही सोचती है इसमें देखा जाए तो कई राज छिपे हैं। पहला जो राजा दशरथ को ये आभास हो गया था कि जरूर श्रवण कुमार को अंधेरेमें कोई जीव समझकर अनजाने में वध हो हुई और उनके माता पिता ने श्राप दिया कि तुमहै भी पुत्र वियोग का दर्द होगा और यही हुआ।

यहां भी श्रवण कुमार को गलती से मारे जाने पर भी मां से रहा न गया और उन्हें श्राप दे दिया। भगवान राम ईश्वर का अवतार थे इसलिए वो जानते थे कि वनवास क्यों मिला है क्योंकि उन्हें पृथ्वी पर धर्म की स्थापना करना था और इसके लिए रावण जो धर्म कर्म किसी को नहीं मानता था। सभी साधु संत में आतंक का माहौल था इसलिए रावण का वध करने के लिए ठीक 14 साल का वक्त चाहिए था क्योंकि युद्ध की रणनीति ऐसे नहीं बनती और उससे पहले उसके सैनिकों को हराना पड़ता है और युद्ध अकेले नहीं लड़ा जाता। उसके लिए एक टीम बनानी पड़ती है। पिता की आज्ञा का पालन करने भगवान राम निकल पड़े तो माता सीता और भाई लक्ष्मण भी निकल पड़े। बाद में जब भरत वापस लौट कर आते हैं तो मां पर क्रोधित हो जाते हैं। भरत ने भगवान राम को खोजने जंगल चले गए और कहे भैया आप वापस चलें, तो भगवान राम कहते हैं पहले अपने पिता को को कह चूंका हूं रघुकुल रीत सदा चली आई... प्राण जाए पर वचन ना जाए... जानिए क्या है इस पंक्तियों का सही अर्थ । ये राजा दशरथ के मुख से सर्वप्रथम तब निकला था जब उनकी पत्नी कैकेयी उनसे वरदान मांग रही थी। भरत का त्याग और राम के प्रति उनका प्रेम भारतीय संस्कृति में अद्वितीय उदाहरण है। जब भगवान राम ने वनवास से लौटने से इंकार कर दिया, तब भरत ने उनके चरण पादुका अयोध्या के सिंहासन पर स्थापित कर राज्य संचालन का दायित्व संभाला। यह केवल एक प्रतीक नहीं था, बल्कि बड़े भाई और आदर्श पुरुष के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा का प्रमाण था। भरत जानते थे कि राम के आदर्शों और मार्गदर्शन का स्मरण ही उन्हें न्यायपूर्ण शासन करने की शक्ति देगा। जैसे महाभारत में एकलव्य ने द्रोणाचार्य की प्रतिमा को गुरु मानकर धनुर्विद्या में महारत हासिल की, वैसे ही भरत ने राम की चरण पादुका को अपना मार्गदर्शक बनाया। यह प्रेम, श्रद्धा और एकाग्रता की शक्ति का उदाहरण है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

बुचार्ड की खूबसूरती की दुनिया दीवानी

कनाडा। टेनिस की दुनिया में अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए पहचाने जाने वाली यूजीन बुचार्ड सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती है। वह कनाडा की पहली महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने टेनिस में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा किसी भी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाली वह कनाडा की पहली टेनिस हैं।

टेस्ट मैच: दूसरा दिन गिल-पंत-राहुल ने खेली शतकीय पारियां

टीम इंडिया की अफगानिस्तान पर मजबूत पकड़, पहली पारी में 451 रन की बढ़त

अफगानिस्तान 113/5, सुथार ने झटके 3 विकेट

एजेंसी, न्यू चंडीगढ़

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट की पहली पारी 564/8 के स्कोर पर घोषित की। रविवार को न्यू चंडीगढ़ में दूसरे दिन के स्टंप्स तक अफगानिस्तान की टीम 5 विकेट पर 113 रन बना पाई। रहमत शाह 43 रन पर नाबाद लौटे। भारत पहली पारी के आधार पर 451 रन से आगे है।

भारत के लिए डेब्यू कर रहे मानव सुथार ने 3 विकेट लिए। उन्होंने रहमानुल्लाह गुरबाज, अब्दुल मलिक और अफसर जजई को पवेलियन भेजा। प्रसिद्ध कृष्णा ने कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और सेदीकुल्लाह अटल के विकेट लिए। कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 126 रन बनाए। ओपनर केएल राहुल ने 100 रन की पारी खेली। ऋषभ पंत और

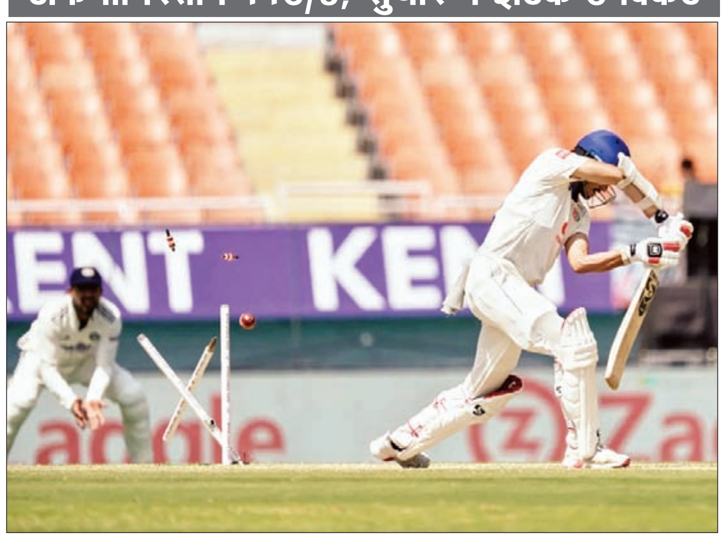

साई सुदर्शन ने 81-81 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 और कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे।

डेब्यू मैच खेल रहे मानव सुथार ने 28, यशस्वी जायसवाल ने 24 और ध्रुव जुरेल ने 19 रन बनाए। मोहम्मद सिराज ने 12 गेंदों पर 22 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद सलीम सफी ने 6 विकेट लिए। जियाउर रहमान और हशमतुल्लाह शाहिदी को एक-एक विकेट मिला। टीम इंडिया ने दूसरे दिन 368/3 के स्कोर से खेलना शुरू किया। गिल ने 103 और पंत ने 50 रन से पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 169 रनों की साझेदारी की। गिल अपनी पारी में 23 और पंत 31 रन जोड़ सके। चंडीगढ़ टेस्ट में डेब्यू करने वाले भारतीय लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार ने मैच में अपने पहले ही ओवर में विकेट ले लिया। उन्होंने अपने पहले ओवर की चौथी गेंद पर अफगानिस्तान के ओपनर अब्दुल मलिक को मोहम्मद सिराज के हाथों कैच कराया।

मानव डेब्यू टेस्ट के पहले ओवर में विकेट लेने वाले सातवें भारतीय बने हैं। उनसे पहले आखिरी बार यह कारनामा निलेश कुलकर्णी ने किया था। कुलकर्णी ने 1997 में श्रीलंका के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच की पहली ही गेंद पर मार्वन अटापट्टू का विकेट लिया था। (अनंत ज्ञान)

महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा, क्या भारत रचेगा नया इतिहास?

12 जून से शुरू होगा 10वां संस्करण

एजेंसी, नई दिल्ली

महिला टी20 विश्व कप-2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट का 10वां संस्करण होगा, जिसमें दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। महिला टी20 विश्व कप के इतिहास पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया का दबदबा सबसे ज्यादा रहा है, जबकि भारतीय टीम अब तक इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को जीतने में सफल नहीं हो सकी है। महिला टी20 विश्व कप की सबसे सफल टीम ऑस्ट्रेलिया है, जिसने रिकॉर्ड छह बार खिताब अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार 2010 में ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद टीम ने 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में भी चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

टूर्नामेंट के पहले संस्करण (2009) की विजेता इंग्लैंड रही थी। फाइनल में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इंग्लिश टीम 2012, 2014 और 2018 में भी फाइनल तक पहुंची, लेकिन हर बार ऑस्ट्रेलिया के हाथों उसे हार का सामना करना पड़ा।

वेस्टइंडीज ने 2016 में इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में आठ विकेट से हराकर पहली बार खिताब जीता था। इस जीत के साथ कैरेबियाई टीम ने ऑस्ट्रेलिया की लगातार तीसरी बार चैंपियन बनने की उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड ने पहली बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। फाइनल में कीवी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराया था। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 158 रन बनाए थे और जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 126 रन ही बना सकी थी।

अब तक महिला टी20 विश्व कप का खिताब केवल चार देशों ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड ने जीता है। वहीं, भारत सहित कई बड़ी टीमें अभी भी अपने पहले खिताब की तलाश में हैं। भारतीय महिला टीम ने पिछले वर्ष वनडे विश्व कप जीतकर अपना पहला आईसीसी खिताब हासिल किया था। ऐसे में 2026 टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की नजरें पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम करने पर होंगी, जबकि मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड खिताब बचाने के इरादे से मैदान में उतरेगा। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

उलानबतोर ओपन के तीसरे दिन भारतीय पहवानों ने जीते दो स्वर्ण सहित छह पदक

एजेंसी, उलानबतोर (मंगोलिया)। सागर जगलान और टीनएजर काजल ढोचक ने अपने-अपने भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए उलानबतोर ओपन 2026 कुश्ती टूर्नामेंट के तीसरे दिन स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पहलवानों ने इस दिन दो स्वर्ण सहित छह पदक अपने नाम किए। शनिवार को हुए मुकाबले में 21 साल के सागर जगलान ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल 74किग्रा वर्ग के फाइनल में तामिर एंखिमिग्लाएव को 3-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पहलवान ने क्वार्टर-फाइनल में अपने ही देश के जयदीप को 7-2 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। इसके बाद सागर ने सेमीफाइनल में मंगोलिया के टोलुई मुंखबात को टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर 10-0 से हराया। (अनंत ज्ञान)

वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच दूसरा वनडे मैच बारिश से धुला

एजेंसी, किंग्स्टन। वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच दूसरा एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच बारिश के कारण बिना एक भी गेंद फेंके रद्द कर दिया गया। श्रीलंका ने वीवार को पहला मैच 41 रन से जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी। यह दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन की श्रीलंका के कोच के रूप में पहली जीत थी। श्रीलंका की यह कैरेबियाई धरती पर पिछले 13 वर्ष में वनडे में पहली जीत भी थी। वेस्टइंडीज ने दूसरे वनडे में टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल शुरू नहीं हो पाया और मैच को आखिर में रद्द करना पड़ा। तीसरा मैच सोमवार को किंग्स्टन में खेला जाएगा। इसके बाद तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

मांसपेशियों में खिंचाव के कारण होंडुरास के खिलाफ मैत्री मैच में नहीं खेले मेस्सी

कॉलेज स्टेशन (टेक्सास)। विश्व कप फुटबॉल शुरू होने में जब केवल तीन दिन का समय बचा है तब स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी की फिटनेस अर्जेंटीना के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मेस्सी की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण शनिवार रात होंडुरास के खिलाफ अर्जेंटीना के मैत्री मैच में नहीं खेले जिससे यह सुनिश्चित नहीं है कि वह विश्व कप में अपनी टीम के पहले मैच तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं। तीन सप्ताह में 39 वर्ष के होने वाले मेस्सी ने मैच से पहले अपने साथियों के साथ अभ्यास किया लेकिन अर्जेंटीना की 2-0 से जीत के दौरान वह बेंच पर ही बैठे रहे। टीम ने कहा है कि मेस्सी कब तक फिट हो पाएंगे यह उनकी शारीरिक और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगा। अर्जेंटीना विश्व कप से पहले अपना अंतिम अभ्यास मैच मंगलवार को ऑबर्न, अलबामा में आइसलैंड के खिलाफ खेलेगा। अर्जेंटीना 16 जून को एरोहेड स्टेडियम में अल्जीरिया के खिलाफ विश्व कप खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शुरुआत करेगा। माना जा रहा है कि मेस्सी विश्व कप के बाद अंतराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। (अनंत ज्ञान)

जबलपुर रॉयल लायंस ने इंदौर पिंक पैंथर्स को 5 विकेट से हराया

एजेंसी, इंदौर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी-20 सिंधिया कप-2026 में जबलपुर रॉयल लायंस ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। होल्कर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टीम ने इंदौर पिंक पैंथर्स को पांच विकेट से हरा दिया। 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जबलपुर की शुरुआत लड़खड़ाई, लेकिन अजय रोहेरा (51) और ऋत्विक टाडा (47) की शानदार पारियों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अंत में संजोग निजर (नाबाद 23) और कप्तान राहुल बाथम (नाबाद 3) ने दो ओवर शेष रहते जीत सुनिश्चित कर दी। इससे पहले इंदौर पिंक पैंथर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 148 रन बनाए। कप्तान वेंकटेश अय्यर ने 33 रन, सारांश सुराना ने 22 रन और शिवम शुक्ला ने नाबाद 28 रन का योगदान दिया। जबलपुर की ओर से पंकज पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। कप्तान राहुल बाथम ने दो विकेट लिए, जबकि पुनीत दाते और ऋत्विक टाडा को एक-एक सफलता मिली। (अनंत ज्ञान)

वैभव सूर्यवंशी बोले-20 साल तक क्रिकेट पर करना चाहता हूं राज

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल-2026 में शानदार प्रदर्शन का इनाम 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। उन्हें आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। राजस्थान रॉयल्स द्वारा साझा किए गए एक इंटरव्यू में वैभव ने कहा कि उनका लक्ष्य सिर्फ क्रिकेट खेलना नहीं, बल्कि अगले 10 से 20 वर्षों तक अपने खेल का दबदबा बनाए रखना है।

वैभव ने कहा कि मैं ऐसा क्रिकेट खेलना चाहता हूं कि लोग मुझे याद करते हुए कहें कि यह खिलाड़ी अकेले दम पर मैच जिता देता था। उसी स्तर तक पहुंचने के लिए मैं लगातार मेहनत कर रहा हूं। आईपीएल में वैभव ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 16 पारियों में 776 रन बनाए और 237 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम की।

◆ऐसा खेलना चाहता हूं कि लोग कहें, अकेले मैच जिता देता था

उन्होंने 72 छक्के लगाकर नया रिकॉर्ड भी बनाया।

फिलहाल वैभव भारत ए टीम के साथ श्रीलंका में त्रिकोणीय सीरीज खेल रहे हैं। यदि उन्हें भारतीय टीम की प्लेइंग-11 में मौका मिलता है तो वे भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

भारत 7 साल बाद बना साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियन

महिला टीम ने फाइनल में बांग्लादेश को 3-1 से हराया, ग्रेस ने लिया संन्यास

एजेंसी, गोवा

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सात साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार रात मडगांव के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने गत चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी जीती।

भारत की ओर से प्यारी जाक्सा, सनफिदा नोंगरुम और लिंडा कोम सेर्तो ने एक-एक गोल दागा, जबकि बांग्लादेश के लिए रितु पोर्ना चकमा ने एकमात्र गोल किया। मैच में भारत ने 42वें मिनट में बढ़त बनाई, जब प्यारी जाक्सा ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि, पहले हाफ के इंजरी टाइम में रितु पोर्ना ने गोल दागकर बांग्लादेश को बराबरी दिला दी।

दूसरे हाफ की शुरुआत में सनफिदा नोंगरुम ने शानदार हेडर के जरिए भारत को फिर बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने खेल पर पकड़ बनाए रखी। 82वें मिनट में लिंडा कोम सेर्तो ने

बांग्लादेशी डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए तीसरा गोल दागा और भारत की जीत पर मुहर लगा दी। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। भारत ने अपने सभी चार मुकाबले जीते, 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया। वहीं, बांग्लादेश की लगातार तीसरी बार चैंपियन बनने की उम्मीद टूट गई।

फाइनल के बाद भारतीय टीम ने जीत का जश्न मनाया। वहीं, अनुभवी खिलाड़ी डांगमेई ग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। ग्रेस ने 2013 में भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था और 95 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद अपने करियर का समापन एक और खिताब के साथ किया। (अनंत ज्ञान)

भारत ने नेपाल को 72 स्वास्थ्य सुविधाओं और 12 सांस्कृतिक विरासत से जुड़े प्रोजेक्ट सौंपे

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनल के साथ बैठक की। इस दौरान 2015 के भूकंप के बाद चल रहे पुनर्निर्माण कार्यक्रम के तहत 72 स्वास्थ्य सुविधाएं और 12 सांस्कृतिक विरासत परियोजनाएं वर्चुअली नेपाल को सौंपी गईं।

बैठक के बाद डॉ. जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा कि यह सहयोग भारत-नेपाल साझेदारी को और मजबूत करता है। दोनों देशों ने क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस को आसान बनाने के लिए यूपीआई और नेपाल के नेशनल पेमेंट्स इंटरफेस के बीच लिंक लॉन्च किया। साथ ही डिजिटल इंडिया भाषाणी और काठमांडू यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू के तहत 'वॉयस फर्स्ट' भाषा अनुवाद प्लेटफॉर्म विकसित करने पर भी सहमति बनी।

वार्ता में विकास सहयोग, ऊर्जा, हाइड्रोपावर, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल टेक्नोलॉजी, संस्कृति और खेल सहित कई क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। जयशंकर ने कहा कि भारत और नेपाल के

◆भारत-नेपाल के बीच यूपीआई लिंक लॉन्च, अब दोनों देशों में आसान होगा पैसा भेजना

बीच संबंध साझा सांस्कृतिक विरासत, आपसी विश्वास और लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव पर आधारित हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के बीच नेपाल को निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित की है और दोनों देश भविष्य में स्टार्टअप, एआई और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर तलाश रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

इंजीनियर के लॉकरों में मिला 2 करोड़ कैश

एजेंसी, भुवनेश्वर। ओडिशा के असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठ नाथ बेहरा के पास से करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। बेहरा कंधमाल जिले के बलिगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी में पदस्थ हैं। उनका 1999 में जूनियर इंजीनियर के पद पर अप्वाइंटमेंट हुआ था। तब सैलरी 6 हजार रुपए थी।

ओडिशा में 5 मल्टीस्टोरी बिल्डिंग समेत 13 प्लॉट

ओडिशा विजिलेंस को बेहरा के पास आय से ज्यादा संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। इसके बाद भुवनेश्वर के विशेष न्यायाधीश (विजिलेंस) के सर्च वारंट के आधार पर विजिलेंस ने भुवनेश्वर, जाजपुर, बारिपदा और कंधमाल जिले के कुल 9 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

इस दौरान 5 बहुमंजिला इमारतें, 13 प्लॉट, सोने के गहने और बैंक लॉकरों से करीब 2.4 करोड़ कैश बरामद किए गए हैं। सभी संपत्तियों की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। इसे हाल के वर्षों की सबसे बड़ी आय से अधिक संपत्ति की कार्रवाइयों में एक माना जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

भोपाल में तीन मंजिला इमारत में लगी आग, एक घंटे में पाया काबू

एजेंसी, भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के लालघाटी क्षेत्र स्थित एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत में रविवार सुबह आग लग गई, जिस पर फायर ब्रिगेड की आठ दमकलों ने लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद काबू पा लिया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार एलर कॉम्प्लेक्स नामक इमारत में संचालित भोज इन रेस्टोरेंट के किचन में आग लगी, जो बाद में अन्य हिस्सों तक फैल गई। घटना का पता तब चला जब समीपवर्ती भवन के एक सुरक्षा गार्ड ने सुबह धुआं उठता देखा और इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी।

सूत्रों ने बताया कि सूचना मिलते ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों से फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियां और जल टैंकर मौके पर पहुंचाए गए। दमकलकर्मियों ने दीवार तोड़कर भीतर प्रवेश किया और आग बुझाने का अभियान चलाया। वहीं, फायर अधिकारियों के अनुसार रेस्टोरेंट के किचन में रखे चार वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। आग लगने के समय रेस्टोरेंट में कोई मौजूद नहीं था। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। (अनंत ज्ञान)

दिल्ली प्रदर्शन के बाद अपने घर पहुंचे अभिजीत दीपके

एजेंसी, मुंबई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने रविवार को कहा कि परीक्षाओं में गड़बड़ियों को लेकर उनका आंदोलन तब तक नहीं रुकेगा, जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते। दीपके ने बताया कि शनिवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुआ प्रदर्शन सफल रहा। इसमें करीब 7 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। अब यह आंदोलन पूरे देश में फैलाया जाएगा। दीपके ने यह भी कहा कि हम आवाज नहीं उठाएंगे तो परिवर्तन नहीं हो सकता, लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती। शिक्षा मंत्री ने स्टूडेंट्स के साथ अन्याय किया है। वह अगर इस्तीफा नहीं देते, तो 13 जून को फिर प्रदर्शन होगा। दीपके रविवार सुबह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के वालुज इलाके में अपने घर पहुंचे, जहां उनके परिवार के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। अभिजीत ने घर पहुंचने के बाद अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि वह अब इंस्टाग्राम लाइव पर फॉलोअर्स को संबोधित करेंगे। (अनंत ज्ञान)

बंगाल में रोज 200-300 लोगों का वेरिफिकेशन, बॉर्डर पर दोनों देशों में एक जैसा तनाव

बांग्लादेश लौटने के लिए खुद सामने आ रहे अवैध प्रवासी

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित हकीमपुर चेकपोस्ट पर इन दिनों एक असामान्य और संवेदनशील स्थिति देखने को मिल रही है। वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक अब स्वयं सामने आकर अपनी पहचान का सत्यापन करा रहे हैं और स्वेच्छा से बांग्लादेश लौटने की इच्छा जता रहे हैं।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 200 से 300 लोग चेकपोस्ट पर पहुंचकर बायोमीट्रिक जांच और दस्तावेज सत्यापन करवा रहे हैं, जिससे वहां लंबी कतारें और भीड़ की स्थिति बन रही है।

प्रक्रिया के तहत इन लोगों को

फाइल फोटो

सीधे सीमा पार भेजने के बजाय पहले उनकी पहचान की जांच की जा रही है। सत्यापन पूरा होने के बाद उन्हें राज्य सरकार द्वारा बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में भेजा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में कुल 11 होल्डिंग सेंटर स्थापित किए गए हैं, जिनमें फिलहाल एक हजार से कम लोग रह रहे हैं। इन केंद्रों में भोजन, चिकित्सा और बच्चों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अधिकारियों के अनुसार, यह स्थिति पहली बार देखी जा रही है जब अवैध प्रवासियों को खोजने की आवश्यकता नहीं पड़ रही, बल्कि वे स्वयं आगे आकर पंजीकरण करा रहे हैं। कई ऐसे लोग भी सामने आ रहे हैं जिनके पास आधार कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज मौजूद हैं, लेकिन उनके पास बांग्लादेशी नागरिकता के प्रमाण नहीं हैं, जिससे उनकी स्थिति जटिल हो गई है।

इस बीच, बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) ने भारत पर कुछ लोगों को जबरन सीमा पार धकेलने का आरोप लगाया है। बांग्लादेश ने सीमा पर निगरानी और सुरक्षा बढ़ा दी है। वहीं, दोनों देशों के बीच इस मुद्दे को लेकर कूटनीतिक तनाव की स्थिति बनी हुई है। मानवीय दृष्टि से यह स्थिति बेहद संवेदनशील बन गई है, जहां हजारों लोगों के सामने पहचान, नागरिकता और भविष्य को लेकर गंभीर अनिश्चितता खड़ी हो गई है। (अनंत ज्ञान)

ट्रंप ने भारत में बाइक चलाने का एआई-वीडियो किया शेयर

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक एआई-जनरेटेड वीडियो शेयर किया। करीब एक मिनट के इस वीडियो में ट्रंप कभी भारत की सड़कों पर बाइक चलाते दिखते हैं, तो कभी शेर की सवारी करते नजर आते हैं।

वीडियो में ट्रंप के कई अलग-अलग अवतार दिखाए गए हैं। उन्हें रेगिस्तान में ऊंट पर बैठे, पैराग्लाइडिंग करते और स्पेससूट पहनकर चांद पर अमेरिकी झंडा लगाते हुए भी दिखाया गया है। इतना ही नहीं, उनका चेहरा पिज्जा, बस, होर्डिंग, माउंट रशमोर और नॉर्दर्न लाइट्स पर भी नजर आता है। वीडियो के बैकग्राउंड में एक गाना चलता है, जिसके बोल ट्रंप की तारीफ पर केंद्रित हैं। इसमें बार-बार कहा जाता है कि दुनियाभर के लोग ट्रंप को पसंद करते हैं और उनका समर्थन करते हैं। वीडियो के गाने में दावा किया गया है कि मेक्सिको, मिडिल ईस्ट, चीन और भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में लोग ट्रंप को पसंद करते हैं। महज एक मिनट लंबे वीडियो में 'ट्रंप' शब्द 45 बार और 'डोनाल्ड' नाम 29 बार सुनाई देता है। (अनंत ज्ञान)

कुल्लू-मनाली की वादियों में उमड़ा पर्यटकों का सैलाब

साउथ पोर्टल पर हर दिन हजारों की संख्या में सैलानी कर रहे अटल टनल का दीदार

अनंत ज्ञान

एम बोकटापा, मनाली। गर्मियों की छुट्टियों के साथ ही कुल्लू मनाली की वादियों में पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ा है। अटल टनल के साउथ पोर्टल पर हर दिन हजारों की संख्या में सैलानी अटल टनल का दीदार करने पहुंच रहे हैं, जिससे कुल्लू-मनाली से लेकर लाहौल-स्पीति तक के सभी पर्यटन स्थल गुलजार हो उठे हैं।

ग्रीन टैक्स आलू ग्राउंड के अनुसार समर सीजन में रोजाना 2 हजार से 6 हजार पर्यटक गुजर रहे हैं। सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक टनल के दोनों छोर पर गाड़ियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। 9.02 किमी लंबी यह टनल अब सिर्फ कनेक्टिविटी का साधन नहीं, बल्कि खुद एक प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, मई-जून में टनल के साउथ पोर्टल का तापमान 10°C से 25°C के बीच बना हुआ है। साफ आसमान और खुली सड़कों के चलते पर्यटक सिस्सू, केलांग और जिस्पा और शिंकुला तक बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। टनल खुलने से लाहुल घाटी अब सर्दियों में भी सालभर देश के सभी राज्यों से जुड़ी हुई है, जिससे स्थानीय कारोबार को नई रफ्तार मिली है। बीआरओ और स्थानीय प्रशासन ने पर्यटकों से अपील की है कि टनल के अंदर स्पीड लिमिट का पालन करें और हॉर्न न बजाएं। साथ ही मानसून में भूस्खलन के खतरे को देखते हुए साउथ पोर्टल के पास यात्रा से पहले सड़क की स्थिति जरूर जांच लें। समर सीजन के चलते इस बार लाहौल-स्पीति में पर्यटन कारोबार 30% तक बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही हैद्य मनाली सहित लाहौल स्पीति में भी पर्यटकों की हुजूम उमड़ा हुआ है द्य मनाली से लाहौल स्पीति तक जगह जगह पर्यटक अठखेलियां करते नजर आ रहे हैं

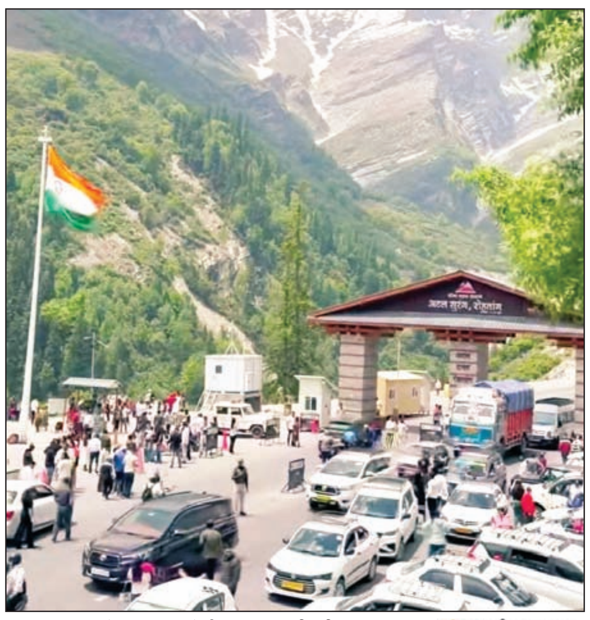
अटल टनल के साउथ पोर्टल पर उमड़ी भीड़। अनंत ज्ञान

गर्मियों की छुट्टियों के चलते एडवेंचर टूरिज्म पीक पर

कुल्लू-मनाली में गर्मियों की छुट्टियों के चलते एडवेंचर टूरिज्म पीक पर है। पर्यटन विभाग के अनुसार हॉट एयर बैलूनिंग और राफ्टिंग-पैराग्लाइडिंग के लिए बुकिंग फुल चल रही है। पर्यटन कारोबारी गगन अवस्थी और टूर ऑपरेटरों का कहना है कि इस बार घरेलू पर्यटकों के साथ-साथ विदेशी सैलानियों की संख्या भी बढ़ी है। मनाली होटलियर एसोसिएशन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर के अनुसार स्पीति घाटी जाने का सबसे अच्छा समय मिड जून से मिड अक्तूबर तक माना जाता है। अटल टनल के जरिए मनाली-लेह हाईवे जल्दी खुलने से लाहौल-स्पीति सर्किट के लिए टूरिस्ट अब मई के आखिर से ही निकल पड़ रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तीन दिवसीय दौरे पर कुल्लू पहुंचे, भुंतर एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रविवार को भुंतर एयरपोर्ट पहुंचे जहां कुल्लू के उपायुक्त अनुराग चंद्र शर्मा, पुलिस अधीक्षक मदन लाल कौशल सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने पूर्व राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद तीन दिवसीय कुल्लू दौरे पर है। एयरपोर्ट से पूर्व राष्ट्रपति का काफिला नग्गर के समीप सुधांशु महाराज के आश्रम की तरफ बढ़ गया जहां पहुंच कर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु सुधांशु महाराज से मुलाकात की गई।

सोमवार को भी पूर्व राष्ट्रपति घुड़दौड़ व नग्गर में ही रहेंगे जहां एक विशेष कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। अपनी यात्रा के अगले चरण में 9 जून मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति विश्व की सबसे लंबी हाईवे सिंगल-ट्यूब टनल 'अटल टनल, रोहतांग' का दौरा करेंगे। यह टनल न केवल सामरिक दृष्टि से बल्कि पर्यटन के लिहाज से भी भारत का एक आधुनिक गौरव है। डीएसपी मनाली क्षमादत शर्मा ने कहा कि सुरक्षा और प्रोटोकॉल के लिहाज से पूर्व राष्ट्रपति के इस पूरे दौरे के दौरान जिला प्रशासन और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद हैं।

बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 11 जून 2022 को कुल्लू दौरे पर आए थे इस दौरान वह राष्ट्रपति थे और उन्होंने परिवार के साथ विशेष रूप से अटल टनल रोहतांग का दौरान दौरा किया था और इस टनल की सराहना के साथ इसके महत्व को भी पत्रकारों के साथ सांझा किया था।

- कल करेंगे अटल टनल रोहतांग का दौरा
- पूर्व राष्ट्रपति के दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद

राहत : सात महीने बाद फिर दौड़ी कुल्लू-काजा बस सेवा

पहले ही दिन बस पूरी तरह यात्रियों से भरकर पहुंची काजा, लोगों ने ली राहत की सांस

अनंत ज्ञान

मनाली। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के स्पीति घाटी जिसे शीत मरुस्थल भी कहा जाता है, को शेष हिमाचल से जोड़ने वाली कुल्लू-काजा बस सेवा सात महीने बाद फिर शुरू हो गई है। बर्फबारी और भूस्खलन के कारण अक्तूबर से बंद पड़ी इस सेवा के बहाल होते ही स्पीति घाटी के लोगों के साथ-साथ पर्यटकों ने राहत की सांस ली है।

हिमाचल पथ परिवहन निगम ने मौसम और सड़क की स्थिति सामान्य होने के बाद कुल्लू से काजा के लिए नियमित बस सेवा शुरू की है। पहले ही दिन बस पूरी तरह यात्रियों से भरकर काजा पहुंची। सर्दियों के दौरान मार्ग बंद रहने से स्थानीय लोगों को छोटे वाहनों पर निर्भर रहना पड़ रहा था, जो लोगों के जेब पर महंगा पड़ता था। स्पीति के निवासियों के लिए यह बस सेवा जीवनरेखा मानी जाती है। अधिकतर रोजमर्रा की जरूरतों का सामान, दवाइयां और अन्य जरूरी सामग्री इसी मार्ग से घाटी तक पहुंचती है। बैसे तो वैकल्पिक मार्ग शिमला, रामपुर और किन्नौर होते हुए भी स्पीति जाया जा सकता है मगर यह काफी लंबी यात्रा है स्थानीय लोगों का कहना है कि बस सेवा शुरू होने से अब बच्चों की पढ़ाई, इलाज और बाजार तक पहुंचना आसान हो गया है। पर्यटकों के लिए भी यह अच्छी खबर है। गर्मियों में यहां बड़ी संख्या में पर्यटक याहं पहुंचते हैं। बजट के हिसाब से यात्रियों के लिए यह किफायती और सुरक्षित विकल्प बन गया है।

एचआरटीसी अंशित शर्मा ने बताया कि फिलहाल एक बस रोजाना चलाई जा रही है। यदि सड़क और मौसम अनुकूल रहे तो बस नियमित चलाई जाएगी।

सेवा बहाल होने पर स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने प्रशासन और एचआरटीसी का आभार जताया। उनका कहना है कि इससे स्पीति का संपर्क फिर से मुख्यधारा से जुड़ गया है।

नियमित बस सेवा शुरू होने पर लोगों ने जताई खुशी। अनंत ज्ञान

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से कुल्लू में आयोजित श्रीराम कथा के समापन पर किया यज्ञ

साध्वी गरिमा ने बताया हवन का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी के दिव्य मार्गदर्शन में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा कुल्लू में आयोजित श्रीराम कथा का समापन हवन यज्ञ से किया गया। यज्ञ का शुभारंभ पूजन से हुआ, जिसमें कर्मचंद ठाकुर, पिनाक शर्मा, नितिन बंगा, राकेश कुमार, रिमन सिंह और सचिन जी ने भाग लिया। हवन यज्ञ का महत्व बताते हुए श्री गुरु आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी गरिमा भारती जी ने कहा कि हवन यज्ञ भारतीय संस्कृति और वेदों में अत्यधिक पवित्र और महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

यह न केवल धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि इसका वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व भी है।हवन से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता बढ़ती है।यह आत्मशुद्धि और मानसिक शांति का साधन है।देवताओं को प्रसन्न करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का माध्यम है। हवन में उपयोग किए जाने वाले जड़ी-बूटियों और घी के जलने से वातावरण शुद्ध होता है। यह वायु में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और विषाणुओं को नष्ट करता है।

अग्निहोत्र से वातावरण में औषधीय गुण फैलते हैं, जो रोगों को दूर करने में सहायक होते हैं। सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने से तनाव, चिंता और अवसाद कम होता है।हवन से वातावरण में प्राकृतिक खुशबू फैलती है, जिससे वायु शुद्ध होती है।यह पर्यावरण में ऑक्सीजन के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है।उर्वरता बढ़ाने के लिए हवन की भस्म (भस्म/राख) का उपयोग किया जाता है।हवन-यज्ञ केवल धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी लाभकारी प्रक्रिया है। यह शरीर, मन, और पर्यावरण तीनों को शुद्ध करने का कार्य करता है। इसलिए, नियमित रूप से हवन करना एक सकारात्मक और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है।

इस अवसर पर स्वामी धीरानंद जी,साध्वी गार्गी भारती, साध्वी गुरुगीता भारती और स्वामी धीरानंद जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कुल्लू में आयोजित श्रीराम कथा के समापन हवन यज्ञ किया। अनंत ज्ञान

बागवानों की समस्याओं पर मंथन, संगठन की मजबूती पर जोर

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। क्षेत्र के बागवानों के हितों की रक्षा और बागवानी क्षेत्र के चहुंमुखी विकास को समर्पित कुल्लू फलोत्पादक मंडल का वार्षिक अधिवेशन रविवार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों बागवानों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं प्रमुखता से रखीं। अधिवेशन में संगठन की मजबूती, पिछले वर्ष के कार्यों की समीक्षा तथा आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत निर्धारित कार्यसूची के अनुसार हुई। मंडल महामंत्री रिमन सिंह ठाकुर ने उपस्थित बागवानों, अतिथियों और वरिष्ठ सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बागवान क्षेत्र की आर्थिक रीढ़ हैं और उनके हितों की रक्षा संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके बाद उन्होंने वार्षिक रिपोर्ट सदन के समक्ष प्रस्तुत की, जिसमें पिछले वर्ष किए गए कार्यों, जागरूकता शिविरों और बागवान हित में उठाए गए कदमों का विवरण शामिल था। इसके पश्चात पिछली बैठक की कार्रवाई और निर्णयों की समीक्षा कर उन्हें सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। वित्तीय वर्ष का आय-व्यय विवरण भी प्रस्तुत किया गया, जिसे सदस्यों ने विस्तार से जांचने के बाद पारदर्शिता की सराहना करते हुए मंजूरी दी। खुला सत्र में बागवानों ने कीटनाशक एवं खाद की बढ़ती कीमतों, कोल्ड स्टोरेज की कमी, मंडियों में कथित अनियमितताओं, फसलों के नुकसान के मुआवजे तथा परिवहन व प्रशिक्षण सुविधाओं की मांग प्रमुखता से उठाई। प्रधान प्रेम शर्मा ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि संगठन बागवानों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल सरकार के उच्चाधिकारियों से मिलकर समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करेगा। अंत में महामंत्री ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कुल्लू फलोत्पादक मंडल का वार्षिक अधिवेशन संपन्न। अनंत ज्ञान

मनाली पुलिस ने 15.240 ग्राम चिट्टे के साथ महिला गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। नशा तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मनाली पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है । पुलिस थाना मनाली की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित एवं सुनियोजित कार्रवाई करते हुए होटल विंटेज, चचोगा के समीप स्थित एक रिहायशी मकान में दबिश दी । तलाशी के दौरान वहां किराये पर रह रही एक महिला के कब्जे से 15.240 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई है। बरामद मादक पदार्थ का अनुमानित अवैध बाजार मूल्य लगभग 3,04,800 आंका गया है । आरोपी महिला, जो जिला तरनतारन (पंजाब) की निवासी है, के विरुद्ध पुलिस थाना मनाली में धारा 21, मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की ओर से बरामद नशीले पदार्थ के स्रोत, इसकी आपूर्ति शृंखला तथा इस अवैध तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए गहन जांच की जा रही है। मामले के प्रत्येक पहलू का सूक्ष्मता से विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर इसमें संलिप्त सभी आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

- आरोपी महिला पंजाब की रहने वाली

जनजातीय क्षेत्रों के विकास की हत्या कर रही सरकार : डॉ. मार्कंडेय

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। लाहौल-स्पीति विकासशील मंच के संरक्षक एवं पूर्व मंत्री डॉ. रामलाल मार्कंडेय ने प्रदेश सरकार पर जनजातीय क्षेत्रों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने लाहौल-स्पीति और पांगी के लोगों के साथ बड़ा अन्याय किया है।

उन्होंने कहा कि पहले पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के निर्वाचित प्रतिनिधियों का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही उनकी शक्तियां छीन ली गईं और अब चुनाव संपन्न होने के बावजूद नव-निर्वाचित प्रतिनिधियों को अक्टूबर तक शपथ न दिलाने का फैसला लेकर विकास कार्यों पर ताला लगाने का काम किया जा रहा है। उनहोंने कहा कि प्रदेश सरकार को अच्छी तरह पता है कि लाहौल-स्पीति और पांगी जैसे जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों का वास्तविक सीजन अप्रैल से अक्तूबर तक ही होता है। इसके बाद बर्फबारी और मौसम की परिस्थितियों के कारण अधिकांश विकास कार्य रुक जाते हैं। ऐसे में चुने हुए प्रतिनिधियों को अक्तूबर में शपथ दिलाने का अर्थ है कि पूरे विकास सीजन को जानबूझकर बर्बाद किया जा रहा है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब चुनाव समय से पहले करवाए जा सकते थे तो फिर शपथ ग्रहण में कई महीनों की देरी क्यों की जा रही है? सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जनजातीय क्षेत्रों के विकास को रोकने का यह फैसला किसके दबाव में लिया गया है और इससे किसका हित साधा जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक विकास के बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर विकास कार्यों को ठप करने वाले निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण पंचायत स्तर पर विकास योजनाएं प्रभावित होंगी और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। जनजातीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को समझे बिना लिए गए ऐसे फैसले यह साबित करते हैं कि सरकार को पहाड़ और जनजातीय इलाकों की वास्तविक समस्याओं की कोई चिंता नहीं है। यदि सरकार ने इस निर्णय पर पुनर्विचार नहीं किया तो लाहौल-स्पीति और पांगी की जनता इसे अपने अधिकारों और विकास पर सीधा हमला मानेगी। डॉ. मार्कंडेय ने सरकार से मांग की है कि नवनिर्वाचित पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद प्रतिनिधियों को तुरंत शपथ दिलाकर उन्हें अधिकार सौंपे जाएं, ताकि इस वर्ष के शेष विकास कार्यों को समय रहते पूरा किया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जनजातीय क्षेत्रों के हितों की अनदेखी जारी रही तो जनता के साथ मिलकर व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

सलूणी स्कूल में शिक्षकों की कमी पर ग्रामीणों में रोष आंदोलन की दी चेतावनी

अनंत ज्ञान, सुनील पहाड़ी, सलूणी। उपमंडल सलूणी के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सलूणी में शिक्षकों की भारी कमी को लेकर क्षेत्र में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। लंबे समय से रिक्त पदों और शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी पर लगाए जाने के विरोध में ग्रामीणों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को हुई विशेष बैठक में क्षेत्रवासियों ने सरकार और प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो चक्का जाम, स्कूल में तालाबंदी और व्यापक जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि विज्ञान सहित कई महत्वपूर्ण विषयों के पद वर्षों से खाली पड़े हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, टीजीटी मेडिकल और पीईटी के पद रिक्त हैं। साथ ही जनगणना ड्यूटी में लगाए गए शिक्षकों को तत्काल वापस स्कूल भेजने की मांग की गई। अभिभावकों ने कहा कि दुर्गम क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा पहले ही प्रभावित है, ऐसे में गैर-शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों की तैनाती अनुचित है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की और चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

पहली बैठक में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चयन का अधिकार संगठन को सौंपा

अनंत ज्ञान

मनाली। मनाली नगर परिषद् चुनाव में भारतीय जनता पार्टी समर्थित प्रत्याशियों ने सभी सात वार्डों में जीत दर्ज कर ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। इस चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया था। भाजपा के इस जीत को कांग्रेस के साढ़े तीन साल के कुशासन और भाजपा संगठन की एकजुटता के रूप में देखा गया। इतिहास में पहली बार मनाली नगर परिषद में विपक्ष का कोई भी पार्षद नहीं होगा। आज चुनाव परिणामों के बाद नवनिर्वाचित पार्षदों की पहली बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के चयन का अधिकार भाजपा संगठन को सौंपा गया।

संगठन की ओर से गहन विचार-विमर्श के बाद नेतृत्व की रूपरेखा तय की गई। भाजपा मनाली मंडल अध्यक्ष जोगिंदर मेहरा ने बताया कि सभी पार्षदों की आपसी सहमति से फैसला किया गया है कि पहले ढाई वर्षों के लिए वार्ड नंबर 6 से श्रीमती चंद्रा पधान को अध्यक्ष और वार्ड नंबर-1 से ठाकुर दास को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अगले ढाई वर्षों के लिए वार्ड नंबर 7 से मनोज लार्जे अध्यक्ष और वार्ड नंबर 3 से ईशा शर्मा उपाध्यक्ष का दायित्व संभालेंगी।

उन्होंने कहा कि यह जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' संकल्प और पार्टी की सेवा, सुशासन व विकास की नीतियों पर जनता की मुहर है।

उन्होंने भरोसा जताया कि नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में मनाली को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि नई परिषद् की प्राथमिकताओं में आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता व्यवस्था का विस्तार, पर्यटन संबंधी विकास कार्य, नागरिक सुविधाओं का आधुनिकीकरण और जनहित के मुद्दों का त्वरित समाधान शामिल हैं। मनाली की जनता, पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि यह जीत सबके अथक परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। पार्टी ने संकल्प दोहराया कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए नगर के समग्र विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेगा।

> कोई जानकारी नहीं है। हां सुनने में आया है कि ऐसा फैसला किया गया है। मुझे भी सोशल मीडिया के माध्यम से ही जानकारी मिली है।
>
> -अजय अबरोल, शहरी भाजपा अध्यक्ष।

पर्यावरण संरक्षण में भलेठ स्कूल को एनवायरनमेंट लीडरशिप अवॉर्ड से नवाजा

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने किया सम्मानित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भलेठ को प्रतिष्ठित पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार (एनवायरनमेंट लीडरशिप अवार्ड) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदान किया।

विद्यालय को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, हरित पहल, वृक्षारोपण, अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण तथा विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदेशभर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। पुरस्कार स्वरूप विद्यालय को 50 हजार रुपए की नकद राशि, ट्रॉफी तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजरी वी. महाजन ने मुख्यमंत्री से यह सम्मान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, गैर-शिक्षक कर्मचारियों, एसएमसी सदस्यों और स्थानीय पंचायत के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

चमेरा जलाशय में मिला अज्ञात शव, इलाके में फैली सनसनी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, चंबा। जिले के चमेरा जलाशय में एक अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। शव के जलाशय में दिखाई देने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को जलाशय से बाहर निकालकर अपने कब्जे में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। शव काफी समय से पानी में रहने की आशंका जताई जा रही है, जिसके चलते उसकी शिनाख्त करने में कठिनाई हो रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह मामला आत्महत्या, हत्या अथवा किसी दुर्घटना का भी हो सकता है। फिलहाल किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में गुमशुदा व्यक्तियों के रिकॉर्ड भी खंगाल रही है और शव की पहचान के लिए आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की गहन जांच करने की मांग की है ताकि घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों का पता चल सके। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस शव की पहचान और मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच में जुटी हुई है।

शूलिनी मेले को मिला राष्ट्रीय स्तर का दर्जा, बढ़ी पहचान

अब पांच दिनों तक सजेंगे मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रम और आयोजन

अनंत ज्ञान

सोलन। ऐतिहासिक और आस्था के प्रतीक शूलिनी मेले को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा प्रदान कर दिया गया है। इसके साथ ही अब यह मेला तीन दिनों के बजाय पांच दिनों तक आयोजित किया जाएगा। इस निर्णय से न केवल मेले की भव्यता बढ़ेगी, बल्कि पर्यटन, व्यापार और स्थानीय संस्कृति को भी नया मंच मिलेगा। कैबिनेट की मीटिंग में इसको मजूरी मिल गई है।

प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले के बाद जिला प्रशासन और मेला समिति तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है। राष्ट्रीय स्तर का दर्जा मिलने से देशभर से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के सोलन पहुंचने की उम्मीद है। इससे स्थानीय कारोबारियों, होटल उद्योग और छोटे व्यापारियों को भी लाभ मिलेगा।

शूलिनी माता की शोभायात्रा, सांस्कृतिक संध्याएं, पारंपरिक कार्यक्रम और विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियां अब पांच दिनों तक आयोजित की जाएंगी। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे सोलन के लिए गौरव का विषय बताया है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के इस निर्णय को सोलन की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि मेले के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

शूलिनी मेला प्रदेश के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध मेलों में से एक है, जो मां शूलिनी की आराधना और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है। अब राष्ट्रीय स्तर का दर्जा मिलने के बाद इस मेले की पहचान देशभर में और मजबूत होगी। बता दें कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने दो वर्ष पहले राज्यस्तरीय शूलिनी मेले को राष्ट्रीय स्तरीय करने की घोषणा की थी। राष्ट्रीय स्तर का दर्जा मिलने के बाद शूलिनी मेले के प्रचार-प्रसार को भी व्यापक स्तर पर किया जाएगा। पर्यटन विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा जिला प्रशासन के सहयोग से मेले की विशेषताओं को देशभर में पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत डिजिटल माध्यमों, सोशल मीडिया और अन्य प्रचार मंचों का उपयोग किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक सोलन की सांस्कृतिक धरोहर से परिचित हो सकें। इससे सोलन को एक प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी मदद मिलेगी।

शूलिनी मेला केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समन्वय का भी प्रतीक माना जाता है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु मां शूलिनी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए यहां पहुंचते हैं।

मेले के दौरान आयोजित होने वाली भव्य शोभायात्रा लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र होती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं।

शूलिनी मेले का रात का मनमोहक दृश्य।

भावना को मिला सुपर टैलेंटेड मॉम और सविता को बेस्ट ड्रेस्ड का खिताब

अनंत ज्ञान

सोलन। शहर के आनंद विहार स्थित जीनियस ग्लोबल स्कूल में नर्सरी और प्री-नर्सरी कलास के बच्चों की माताओं के लिए एक बेहद खास और मजेदार कार्यक्रम सखी 2026 का आयोजन किया गया। इस अनूठे कार्यक्रम में करीब 100 माताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य मकसद माताओं को एक ऐसा मंच देना था जहां वे रोजमर्रा की भागदौड़ से दूर कुछ पल अपने लिए जी सकें, सहेलियां बना सकें और बच्चों की परवरिश से जुड़े अपने अनुभव एक-दूसरे के साथ बांट सकें।

कार्यक्रम में कई तरह की मजेदार प्रतियोगिताएं और खेल रखे गए, जिनमें माताओं ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। कड़ी टक्कर के बीच अपने हुनर का जलवा बिखेरते हुए भावना ने सुपर टैलेंटेड मॉम 2026 का खिताब अपने नाम किया। वहीं, अपने बेहतरीन पहनावे और अंदाज से सबका दिल जीतने वाली सविता भारद्वाज को सुपर मॉम (बेस्ट ड्रेस्ड) 2026 चुना गया। पेपर डांस और तंबोला में जमी महफिल कार्यक्रम के दौरान हुए खेलों ने खूब समां बांधा। कपल्स की तरह माताओं के लिए रखे गए पेपर डांस फ्लोर गेम में प्रीति ठाकुर और निशा की जोड़ी विजेता बनी।

वहीं, स्टेज पर अपनी डांस परफॉर्मेंस से सबको झूमने पर मजबूर करने वाली मोनिका ठाकुर, पूनम, खीरा देवी, रीना देवी और किरण वाला को बेस्ट डांस के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा, महिलाओं के पसंदीदा खेल तंबोला में राज कौशल, मोनिका मेहता, निधि शर्मा, मीना और निशा ने बाजी मारी।

मां ही होती है बच्चे की पहली शिक्षक कार्यक्रम में खास तौर पर पहुंचीं भुवनेश्वरी शर्मा और राज कौशल ने सभी माताओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मां ही बच्चे की पहली शिक्षक होती है और वही बच्चे के भविष्य की नींव रखती है। उन्होंने स्कूल की इस पहल को सराहा और कहा कि ऐसे आयोजनों से माताओं का आत्मविश्वास बढ़ता है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी माताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

सुपर टैलेंटेड मॉम को सम्मानित करते ट्रस्टी।

न्यूज ब्रीफ

सोलन में कैंपस इंटरव्यू 11 और 12 जून को आयोजित किए जाएंगे

सोलन। मैसर्ज़ एम.पी.एस. एण्ड कम्पनी शिमला द्वारा बिजली उपभोक्ता मित्र के 129 पदों पर आउटर्सोस आधार पर भर्ती के लिए 11 व 12 जून, 2026 को कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी। जगदीश कुमार ने कहा कि उक्त पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू 11 जून, 2026 को मॉडल कैरियर सेंटर सोलन नज़दीक डीस्ट्रोफी हॉस्पिटल जटोली (ज़िला रोज़गार कार्यालय) सोलन तथा 12 जून, 2026 को मॉडल कैरियर सेंटर (उप रोज़गार कार्यालय) बद्दी नज़दीक गुरुद्वारा संडोली, ज़िला सोलन में प्रातः 10.30 बजे आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता सम्बन्धी सभी अनिवार्य प्रमाण पत्रों व दस्तावेज़ों सहित उक्त स्थलों पर निर्धारित तिथि व दिनांक को पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस इंटरव्यू में भाग लेने के लिए कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

मोदी सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 29 रूपए किया महंगा

एसपी जैरथ, नाहन। देश में महंगाई को लेकर पहले से परेशान आम जनता को केंद्र की मोदी सरकार ने एक और झटका दे दिया है। घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमत में 29 की बढ़ोतरी कर दी गई है। नई बढ़ोतरी के बाद 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 942 तक पहुंच गई है। तीन महीने के भीतर यह दूसरी बार है जब घरेलू गैस के दाम बढ़ाए गए हैं।इस फैसले का सबसे ज्यादा असर हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य पर पड़ने वाला है, जहां लाखों परिवार रसोई गैस पर निर्भर हैं। पहले से बढ़ती महंगाई, महंगे राशन, बिजली और अन्य घरेलू खर्चों के बीच गैस सिलेंडर की कीमत में हुई नई वृद्धि ने परिवारों की चिंता और बढ़ा दी है।लोगों का कहना है कि आय में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हो रही, लेकिन रोजमर्रा की जरूरतों पर खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के आधा दर्जन छात्रों के खिलाफ मारपीट मामले में एफआइआर दर्ज

अनंत ज्ञान, नाहन। पांवटा के पॉलटेक्निक कालेज के आधा दर्जन छात्रों द्वारा इसी कॉलेज के एक अन्य छात्र के साथ मारपीट,गाली गलौज करने व जान से मार देने की धमकी के मामले पुलिस ने मिली शिकायत के अनुसार आरोपी छात्रों एफआईआर दर्ज कर ली है। जिले के एसपी के एनएस नेगी ने बताया कि कॉलेज के छात्र विशाल कुमार पुत्र श्री दिना नाथ गाँव धाड़त, डा0 मझवाड़, तह0 घुमारवी, जिला बिलासपुर हि0प्र0 ने पुलिस थाना माजरा मे शिकायत दर्ज कारवाई कि दिनांक 23/05/2026 को धौलाकुआं पर कुछ छात्रों/ व्यक्तियों द्वारा इसके साथ मारपीट व गाली-गलौच की तथा जान से मारने की धमकी दी तथा मानसिक रुप से प्रताडित किया गया है। एसपी ने बताया कि इस के अलावा आरोपियो में अंकुश,कृष चौधरी, कर्ण, मोहित, आयुष शर्मा व अथर्व शामिल थे।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने जान से मारने की धमकी भी दी और कहा कि यदि मैने इस घटना की शिकायत किसी को या उनके विरुद्व कोई कार्यवाही करने का प्रयास किया तो इसे जान से मार देगें। आरोपियों के खिलाफ माजरा पुलिस स्टेशन मामला दर्ज कर किया गया है,जांच जारी है।

जनगणना में हाटी समुदाय स्वयं को अनुसूचित जनजाति के रूप में दर्ज करवाए

अनंत ज्ञान, नाहन। केंद्रीय हाटी समिति गिरिपार क्षेत्र तथा इसकी सभी इकाइयों ने गिरिपार क्षेत्र के मूल निवासी हाटी समुदाय से अपील की है कि जनगणना के प्रथम चरण में मकानों के सूचीकरण के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्न 'यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य है?' के उत्तर में स्वयं को अनुसूचित जनजाति (स्ज्ज) के रूप में दर्ज करवाएं। समिति ने कहा कि हाटी समुदाय के जो लोग रोजगार, व्यवसाय या अन्य कारणों से गिरिपार क्षेत्र से बाहर रह रहे हैं अथवा स्वगणना कर रहे हैं, वे भी गिरिपार क्षेत्र के मूल निवासी होने के नाते अपने को अनुसूचित जनजाति के रूप में दर्ज करवाएं। समिति के अनुसार, गिरिपार क्षेत्र में अनुसूचित जाति को छोड़कर सभी मूल निवासी हाटी समुदाय को जनजाति का संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार प्राप्त है। साथ ही, महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त, भारत सरकार के पोर्टल में भी हाटी समुदाय का उल्लेख हिमाचल प्रदेश की 11 अनुसूचित जनजातियों में किया गया है।

अध्यापक कोई मशीन नहीं, कार्य अवधि के दौरान ही कराई जाए जनगणना

अनंत ज्ञान, सोलन। अध्यापक कोई मशीन नहीं, कार्य अवधि के दौरान ही कराई जाए जनगणना सोलन प्रवक्ता संघ सोलन। सोलन प्रवक्ता संघ ने जनगणना-2027 के कार्य को छुट्टियों अथवा विद्यालय समय के बाद करवाने की सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। संघ का कहना है कि अध्यापकों से नियमित शिक्षण कार्य के साथ-साथ शाम के समय या अवकाश के दिनों में जनगणना का कार्य करवाना व्यावहारिक नहीं है। संघ के प्रधान जयलाल जलपाइक और महासचिव हेमंत शर्मा ने संयुक्त बयान में कहा कि हाल ही में संपन्न पंचायत चुनावों में भी बड़ी संख्या में अध्यापकों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसके तुरंत बाद जनगणना कार्य में शिक्षकों की तैनाती से कई स्कूल लगभग खाली हो गए हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत जटिल और व्यापक है। सुबह विद्यालयों में शिक्षण कार्य करने के बाद शाम के समय दुर्गम क्षेत्रों में जाकर जनगणना करना संभव नहीं है। अध्यापक कोई मशीन नहीं हैं कि दिनभर बच्चों को पढ़ाने के बाद देर शाम तक फील्ड में काम करते रहें। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि जनगणना के दौरान कई क्षेत्रों में पैदल चलकर घर-घर पहुंचना पड़ता है, जिसमें अधिक समय और परिश्रम की आवश्यकता होती है। ऐसे में शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं।

सोलन में जिला परिषद के 17 सदस्यों ने ग्रहण की शपथ, क्षेत्र के विकास को बताया प्राथमिकता

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान डीसी के साथ सदस्य।

अनंत ज्ञान

सोलन। नवनिर्वाचित सोलन के जिला परिषद सदस्यों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को शपथ दिलाई गई। डी.सी. मनमोहन शर्मा ने जिला परिषद के सदस्यों को शपथ दिलाई। इस मौके पर ए.डी.सी. राहुल जैन एवं जिला पंचायत अधिकारी योगिंद्र राणा भी उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित सदस्यों में डांगरी से कुमारी शीला, चेवा से सुमन लता, धर्मपुर से नेत्र सिंह, चक्कमोह से प्रेम कुमार, बडोग से जैनेंद्र लता, पयांदला से राजकुमारी, खेड़ा से परविंदर कौर, रड़याली से इंद्र ठाकुर, लग से सतीश कुमार, बवासनी से अनीता देवी तथा संगड़ाह से गोविंदर सिंह ने शपथ ली। पट्टियों से निर्वाचित सुशीला देवी ने अलग से शपथ ग्रहण की। जिला सोलन में 17 में से भाजपा समर्थित 10, कांग्रेस समर्थित 4 और निर्दलीय 3 सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

शिलाई को चिट्टा मुक्त बनाने के लिए एसडीएम जसपाल सिंह का युवाओं से विशेष आह्वान

अनंत ज्ञान

शिलाई। हिमाचल प्रदेश में बढ़ती नशे की समस्या को देखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा एक जून से 'चिट्टा मुक्त हिमाचल' अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शिलाई के उपमंडलाधिकारी (एसडीएम) जसपाल सिंह क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। एसडीएम जसपाल सिंह ने युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों तथा समाज के बुद्धिजीवी वर्ग से इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि चिट्टा जैसे घातक मादक पदार्थ युवाओं के भविष्य को दीमक की तरह खोखला कर रहे हैं और कई परिवार इससे प्रभावित हुए हैं। ऐसे में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी बनती है कि वह नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने में अपनी भूमिका निभाए। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से अपने गोद लिए गए विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया है।

साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से भी जागरूकता संदेश प्रसारित करने की योजना बनाई जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक इस अभियान का संदेश पहुंच सके। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए जनसहयोग सबसे महत्वपूर्ण है।

डॉ बिंदल ने कहा मुख्यमंत्री के ब्यान ने लाखों मतदाताओं का किया अपमान

अनंत ज्ञान

सोलन। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति सदस्यो को लेकर दिए गए बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है।

नाहन में मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान न केवल जिला परिषद और बीडीसी सदस्यों का अपमान है, बल्कि उन लाखों मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेकर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह कहना कि जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति के सदस्यों की अहमियत एक दिन की है यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चुनावों में मिली हार से मुख्यमंत्री बौखलाए हुए हैं और इसी कारण इस तरह के बयान देकर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले बयान उचित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करते हैं और जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का अपमान हैं। भाजपा ने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसे बयान दोबारा न दिए जाएं।

अर्की में 23 नवनिर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

अनंत ज्ञान

अर्की। उपमंडल मुख्यालय स्थित एसडीएम कार्यालय के सभागार में रविवार को विकास खंड कुनिहार के अंतर्गत नवनिर्वाचित 23 पंचायत समिति (बीडीसी) सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। एसडीएम अर्की निशांत तोमर ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाई।

इस अवसर पर एसडीएम निशांत तोमर ने सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि पंचायत समिति सदस्य ग्रामीण विकास और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सदस्यों से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। शपथ ग्रहण के बाद नवनिर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों ने कहा कि जिन क्षेत्रों से जनता ने उन्हें चुनकर पंचायत समिति तक पहुंचाया है, वहां विकास कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

शपथ लेते हुए पंचायत समिति के सदस्य।

उन्होंने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान तथा लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का भरोसा भी दिलाया।

समारोह के दौरान नवनिर्वाचित सदस्यों के साथ उनके परिजन भी उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण के बाद परिजनों और समर्थकों ने सदस्यों को बधाई देकर उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान सभागार में उत्साह और उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। नवनिर्वाचित बीडीसी सदस्यों ने एकजुट होकर क्षेत्रीय विकास के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। कई सदस्यों ने कहा कि वे पंचायत स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए प्राथमिकता से कार्य करेंगे। ताकि योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंच सके।

सोलन सब्जी मंडी में लहसुन ने दिखाई दमदार रफ्तार, 141 रूपए प्रति किलो तक पहुंची बोली

अनंत ज्ञान

सोलन। सब्जी मंडी में इन दिनों लहसुन के दामों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। अच्छी गुणवत्ता वाले लहसुन की बढ़ती मांग और सीमित आवक के कारण कीमतों में लगातार मजबूती बनी हुई है। रविवार को हुई नीलामी में सुपर टॉप गुणवत्ता का लहसुन 141 प्रति किलो तक बिका, जिससे किसानों और व्यापारियों में उत्साह का माहौल है।

मंडी कारोबारियों के अनुसार बाजार में बेहतर गुणवत्ता वाले लहसुन की मांग लगातार बनी हुई है। इसी वजह से विभिन्न श्रेणियों के लहसुन के दामों में उछाल देखने को मिला। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलने से राहत मिली है, वहीं व्यापारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

सोलन सब्जी मंडी में लहसुन के थोक भावगोली व खिला हुआ

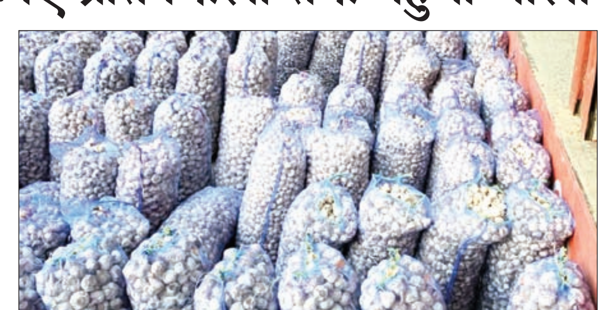

लहसुन के बढ़ते दाम।

लहसुन :40 से 65 प्रति किलो, मीडियम : 70 से 100 प्रति किलो सुपर मीडियम : 100 से 110 प्रति किलो ,मोटा लहसुन : 110 से 125 प्रति किलो, सुपर टॉप गुणवत्ता : 125 से 141 प्रति किलो व्यापारियों का कहना है कि अच्छी गुणवत्ता वाले लहसुन की मांग के चलते बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है।

बढ़े हुए दाम किसानों के लिए राहत लेकर आए हैं और इससे उन्हें अपनी फसल का बेहतर मूल्य प्राप्त हो रहा है। यदि मांग इसी तरह बनी रही और आवक सीमित रही, तो आगामी दिनों में लहसुन की कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है। व्यापारियों का यह भी कहना है कि वर्तमान में मौसम और आपूर्ति की स्थिति के कारण लहसुन की आवक सीमित बनी हुई है, जिससे कीमतों में मजबूती देखी जा रही है। कई किसान बेहतर दाम मिलने के चलते अपनी उपज को रोककर भी रख रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बाहरी मंडियों से आवक सामान्य नहीं हुई, तो कीमतें अभी और ऊपर जा सकती हैं।

रावत ने कहा रोनहाट कॉलेज को बंद कर गरीब बच्चों के साथ धोखा कर रही है कांग्रेस सरकार

अनंत ज्ञान

नाहन। सिरमौर भाजपा जिला प्रवक्ता प्रताप सिंह रावत ने जारी बयान में कहा है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू एवं उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान रोनहाट कॉलेज को बंद कर लादी क्षेत्र के गरीब बच्चों के साथ धोखा कर रही है। रावत ने बताया कि पंचायती राज चुनाव में कांग्रेस पार्टी की करारी हार हुई है जिसको देखते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू एवं उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान बोखला गए हैं।

रावत ने कहा कि सरकार विकास करने के लिए बनाई जाती है विनाश करने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि जब से सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मुख्यमंत्री का पद संभाला है तब से उन्होंने आज तक समूचे प्रदेश में नए सरकारी संस्थान खोलने की बजाय हजारों सरकारी संस्थान बंद किए हैं। जिससे प्रदेश की जनता अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रही है जबकि विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने प्रदेश की जनता को विकास के बड़े-बड़े सपने दिखाए थे जो आज भी सपने बनकर ही रह गए हैं।

रावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता झूठ बोलने की गारंटी दे सकते हैं लेकिन विकास करने की नहीं। जिसके कारण प्रदेश की जनता ने पंचायती राज चुनाव में कांग्रेस पार्टी को बुरी तरह से नकार दिया है 2027 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी को मुंह की खानी पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि जनता अब सरकार की नीतियों से निराश हो चुकी है और आने वाले समय में इसका असर और स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा। रावत ने दावा किया कि प्रदेश में विकास कार्य ठप पड़े हैं।

हाब्बी मानसिंह कला केन्द्र में कला दीक्षा के अंतर्गत हुए प्रशिक्षण का लिया जायजा

अनंत ज्ञान

राजगढ। उस्ताद बिस्मिल्लाह ख़ाँ युवा पुरस्कार से सम्मानित युवा लोककलाकार गोपाल हाब्बी ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि हाब्बी मानसिंह कला केन्द्र, जालग में संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली द्वारा संचालित कला दीक्षा श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित मुखौटा निर्माण एवं मुखौटा नृत्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरु-शिष्य परम्परा के अंतर्गत मई 2024 से मई 2025 तक गुरु गोपाल सिंह हाब्बी के मार्गदर्शन में संचालित किया गया था।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहगुरू अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोककलाकार एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डा. जोगेन्द्र हाब्बी तथा संगतकार के रूप में प्रसिद्ध लोकगायक रामलाल वर्मा का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। प्रशिक्षण में युवा कलाकारों को पारम्परिक

मोखौटा नृत्य करते कलाकार।

मुखौटा निर्माण की तकनीकों तथा विभिन्न मुखौटा नृत्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली की ओर से कला दीक्षा के प्रभारी दीपक जोशी, रविन्द्र किरार एवं नरवीर सिंह पझौता के जालग गांव में स्थित हाब्बी मानसिंह कला केन्द्र, जालग पहुँचे। मूल्यांकन समिति में पझौता स्वतंत्रता सैनानी समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं पहाड़ी कलाकार संघ के वरिष्ठ सदस्य जय प्रकाश चौहान, वरिष्ठ लोकनर्तक एवं लोकनाट्य अभिनेता चेतराम ठाकुर तथा प्रदेश के प्रसिद्ध लोकगायक धर्मपाल ठाकुर शामिल रहे। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्या एवं कवयित्री शकुन्तला प्रकाश,शोधार्थी अजय ठाकुर, अनेक वरिष्ठ लोककलाकार तथा क्षेत्र के गणमान्य भी उपस्थित रहे। यह आयोजन लोक कला संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दिव्यांशी ने उत्तीर्ण की जेएनवी प्रवेश परीक्षा

सराहा। एसवीएन पब्लिक हाई स्कूल सराहा की छात्रा दिव्यांशी ने जेएनवी द्वारा ली गई जवाहर नवोदय विद्यालय की परीक्षा को उत्तीर्ण कर जेएनवी नाहन में छठी कक्षा में स्थान प्राप्त किया है।

दिव्यांशी की इस सफलता पर विद्यालय के चेयरमैन महेंद्र पाल नेहरू, स्कूल की सलाहकार सुनंदा आर्या,स्कूल के एमडी प्रिंस नेहरू, स्कूल की प्रधानाचार्या डॉक्टर रागिनी भटनागर, स्वास्थ्य शिक्षिका अनन्या पाठक, उप प्रधानाचार्या संजना शर्मा ने दिव्यांशी की इस कामयाबी के लिए उसको तथा उसके माता-पिता को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी हैं तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वही दिव्यांशी के पिता जो पेशे से एक सरकारी अध्यापक टेक चंद माता अनुराधा ने अपनी बेटी की इस कामयाबी का श्रेय समस्त एसवीएन अध्यापक को तथा समस्त एस वी एन प्रबंधन कमेटी को दिया है तथा सभी का दिल की गहराइयों से धन्यवाद व्यक्त किया है।

डेरा बाबा रुद्रानंद अमलेहड़ में निकाली भव्य शोभायात्रा

अनंत ज्ञान

घनारी। डेरा बाबा रुद्रानंद तपस्थली महात्मा अच्युतानंद, अमलेहड़ में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के उपलक्ष्य में रविवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम अमलेहड़ से आरंभ हुई यह शोभायात्रा सुंकाली, मुबारिकपुर, गगरेट, घनारी, दौलतपुर, भद्रकाली, बनेहड़ा अपर और नकड़ोह सहित विभिन्न क्षेत्रों से होकर पुनः डेरा अमलेहड़ पहुंची। डेरा महाराज हेमानंद के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में निकली इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा के दौरान महाराज ने संगतों को दर्शन एवं आशीर्वाद प्रदान किया। शोभायात्रा में शामिल वाहनों के लंबे काफिले और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय रंग में रंग दिया। राधा-कृष्ण के मधुर भजन-कीर्तन और धार्मिक जयघोषों के बीच आगे बढ़ रही शोभायात्रा ने श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण प्रस्तुत किया। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखने योग्य रहा। मार्ग में विभिन्न गांवों के लोगों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए छबील एवं लंगर की व्यवस्था भी की गई, जिसकी संगतों ने सराहना की। डेरा अमलेहड़ में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन एंबुलेंस सेवा की व्यवस्था की गई है। सीता देवी मल्होत्रा चैरिटेबल ट्रस्ट की यह एंबुलेंस शोभायात्रा के दौरान भी तैनात रही।

वन विभाग ने गगरेट में खैर की अवैध तस्करी का किया भंडाफोड़

स्कॉर्पियो से खैर के 7 मोछे बरामद; दो आरोपी काबू, पुलिस में केस दर्ज

अनंत ज्ञान

गगरेट (ऊना)। वन विभाग की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से गगरेट क्षेत्र में खैर की लकड़ी की कथित अवैध तस्करी का मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने रात्रि गश्त के दौरान एक वाहन से खैर की लकड़ी बरामद कर दो व्यक्तियों को पुलिस के हवाले किया, जिनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार रविवार तड़के करीब 2:30 बजे वन खंड अधिकारी गगरेट नरेश कुमार तथा जाड़ला बीट के वन रक्षक विक्रांत कुमार क्षेत्र में रात्रि गश्त पर थे। इसी दौरान जाड़ला कोहड़ी (तहसील घनारी) के समीप एक महिंद्रा स्कॉर्पियो (एचपी-19सी-5912) संदिग्ध परिस्थितियों में दिखाई दी। वन विभाग की टीम ने वाहन को रोककर तलाशी ली तो उसमें खैर की लकड़ी के सात मोछे लदे हुए पाए गए।

वन विभाग की टीम पकड़े गए आरोपियों और गाड़ी के साथ। अनंत ज्ञान

वाहन में सवार महिंद्र सिंह (56), निवासी कुठेड़ा जसवालां तथा हरमेश चंद (43), निवासी जाड़ला कोहड़ी से लकड़ी के कटान एवं परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वे कोई भी अनुमति पत्र या दस्तावेज नहीं दिखा सके।

मामले को गंभीरता से लेते हुए वन खंड अधिकारी ने गगरेट पुलिस थाना को लिखित शिकायत भेजी। सूचना मिलते ही सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) मोन्टी गुलेरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग ने जब्त की गई खैर की लकड़ी, स्कॉर्पियो वाहन तथा दोनों व्यक्तियों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर थाना गगरेट में एफआईआर संख्या 57/2026 दर्ज कर ली है। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 303(2) एवं 3(5) तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41 और 42 के तहत पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच और आगामी कानूनी कार्रवाई जारी है।

वन संपदा संरक्षण में जनता का सहयोग जरूरी : डीएफओ

डीएफओ ऊना ने लोगों से वन संपदा की सुरक्षा में सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि जंगल और प्राकृतिक संसाधन हमारी अमूल्य धरोहर हैं तथा इन्हें अवैध कटान और तस्करी से बचाना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि यदि कहीं भी पेड़ों के अवैध कटान, वन संपदा की चोरी या लकड़ी के संदिग्ध परिवहन जैसी गतिविधियां दिखाई दें तो इसकी सूचना तुरंत वन विभाग अथवा पुलिस को दें।

हरोली अस्पताल के अतिरिक्त भवन को 8.42 करोड़ मंजूर

अनंत ज्ञान

ऊना। हरोली विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य अधोसंरचना को और सुदृढ़ करने की दिशा में प्रदेश सरकार ने सिविल अस्पताल हरोली में अतिरिक्त 50 बिस्तरों वाले भवन के निर्माण के लिए 8 करोड़ 42 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति से अस्पताल की बढ़ी हुई क्षमता के अनुरूप आवश्यक आधारभूत ढांचे का विकास संभव हो सकेगा।

बता दें, सिविल अस्पताल हरोली को पूर्व में 50 से बढ़ाकर 100 बिस्तरों का अस्पताल किया जा चुका है। अब अतिरिक्त 50 बिस्तरों वाले भवन के निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिलने से अस्पताल के विस्तार को नई गति मिलेगी तथा क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लोगों को उनके घर के निकट गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से हरोली क्षेत्र में स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार और आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हरोली क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं के साथ आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया गया है। अस्पताल को अत्याधुनिक एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड सुविधाओं को भी सशक्त बनाया गया है। अग्निहोत्री ने कहा कि अतिरिक्त भवन के निर्माण से अस्पताल की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और मरीजों को अधिक सुविधाजनक एवं प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

टकारला में पिछले 5 वर्ष के कार्यों की होगी समीक्षा

नवनिर्वाचित प्रधान रत्न बोले-पारदर्शिता और जनहित से नहीं होगा कोई समझौता

अनंत ज्ञान

बड़ूही/ऊना। विकास खंड अंब के अंतर्गत ग्राम पंचायत टकारला के नवनिर्वाचित प्रधान रत्न चंद ठाकुर ने पंचायत प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता देने की बात कही है। शपथ ग्रहण से पूर्व उन्होंने संकेत दिए हैं कि पंचायत में हुए विकास कार्यों की समीक्षा कर जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से कार्य किया जाएगा। रत्न चंद ठाकुर ने कहा कि पंचायत की जनता ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उसे पूरा करना उनकी पहली जिम्मेदारी होगी। उन्होंने दावा किया कि आगामी पांच वर्षों में पंचायत के सभी वार्डों में संतुलित एवं समान विकास सुनिश्चित किया जाएगा तथा विकास कार्यों को नई गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाना पंचायत की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। यदि किसी स्तर पर अपात्र व्यक्तियों द्वारा योजनाओं का लाभ लेने के मामले सामने आते हैं, तो उनकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नवनिर्वाचित प्रधान ने बताया कि पिछले पंचायत कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी। इसके तहत विभिन्न वार्डों में कराए गए निर्माण कार्यों, व्यय की गई राशि तथा कार्यों की गुणवत्ता का आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि जांच के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी के तथ्य सामने आते हैं, तो संबंधित मामलों को नियमानुसार आगे बढ़ाया जाएगा।

प्रधान रत्न चंद ठाकुर ने मनरेगा के तहत संपन्न कार्यों की भी समीक्षा कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि संबंधित अभिलेखों का परीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्वीकृत कार्य धरातल पर हुए हैं और सरकारी धन का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप किया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायत को प्राप्त होने वाली प्रत्येक सरकारी राशि का उपयोग विकास कार्यों और जनहित के कार्यों में किया जाएगा।

101 की उम्र में भी जवान है सरदार पूर्ण सिंह का जज्बा

देश के लिए दो युद्ध लड़ चुके योद्धा बोले- रील नहीं, करियर बनाएं युवा

अनंत ज्ञान

गगरेट। वर्ष 1965 के भारत-पाक युद्ध और 1971 में पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले सिख रेजिमेंट के पूर्व सैनिक सरदार पूर्ण सिंह ने 101 वर्ष की आयु में भी अपने जीवट और देशभक्ति से सभी को प्रेरित किया है। जीवन का शतक पार कर चुके सरदार पूर्ण सिंह ने अपना 101वां जन्मदिन पूरे उत्साह और जिंदादिली के साथ मनाया। अपने जन्मदिन के अवसर पर उन्होंने संदेश दिया कि जीवन को हमेशा उत्साह और सकारात्मकता के साथ जीना चाहिए। सेना से

सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने समाजसेवा के लिए राजनीति का रास्ता चुना। कांग्रेस के साथ उनका जुड़ाव दशकों पुराना है और आज भी अटूट बना हुआ है। राजनीतिक जीवन में तमाम अवसर और प्रलोभन आए, लेकिन वे अपने सिद्धांतों से कभी नहीं डिगे। यही कारण रहा कि उनके 101वें जन्मदिवस पर विधायक राकेश कालिया विशेष रूप से उनके निवास पर पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं देने आए। पुराने दिनों को याद करते हुए सरदार पूर्ण सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज में बड़े बदलाव देखे हैं। पहले लोग रिश्तों और वफादारी को महत्व देते थे, लेकिन अब तकनीक के साथ-साथ इंसान भी बदल गया है। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन ने लोगों को एक-दूसरे से दूर कर दिया है। उनके अनुसार पहले युवा अपने करियर और भविष्य को संवारने में जुटे रहते थे, जबकि आज बड़ी संख्या में युवा सोशल मीडिया और रील बनाने में व्यस्त दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि उनके समय में शराब पीने वालों को समाज अच्छी नजर से नहीं देखता था, लेकिन आज समारोहों में खुलेआम शराब परोसी जाती है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि युवा चिट्टे जैसे घातक नशे की गिरफ्त में आकर अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सामाजिक बुराई के खिलाफ पूरे समाज को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी।

अग्निवीर योजना पर उठाए सवाल

सरदार पूर्ण सिंह ने केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हिमाचल के युवाओं में सेना के प्रति हमेशा विशेष आकर्षण रहा है। हिमाचल के वीर जवानों की बहादुरी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश के अब तक प्रदान किए गए 21 परमवीर चक्रों में चार हिमाचली सपूतों को मिले हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से इस योजना पर पुनर्विचार करने की अपील की।

बीडीटीएस चुनाव अवैध, आरोप साबित न करने पर करेंगे मानहानि का मुकदमा: नीलम चंदेल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। बीडीटीएस के निवर्तमान प्रधान नीलम चंदेल ने 31 मई को संपन्न हुए समिति चुनावों को पूरी तरह अवैध बताते हुए उनका कड़ा विरोध किया है। पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि आचार संहिता लागू होने के दौरान चुनाव कराए गए, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने दावा किया कि उनकी समिति के 10 सदस्य भी इन चुनावों को मान्यता नहीं देते और उनका खंडन करते हैं।

नीलम चंदेल ने कहा कि बीडीटीएस से संबंधित मामला वर्तमान में उच्च न्यायालय में विचाराधीन है और इस मामले में 3 जून की सुनवाई निर्धारित थी, लेकिन उसके निर्णय का इंतजार किए बिना ही चुनाव करवा दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में कानूनी स्थिति की अनदेखी की गई है।

उन्होंने गंगा सिंह ठाकुर और कुलदीप द्वारा लगाए गए उन आरोपों को भी सिरे से खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि 14 लाख रुपए वकीलों पर खर्च किए गए हैं। चंदेल ने कहा कि उनके कार्यकाल में ऐसा कोई कार्य नहीं किया गया जिसे सदस्यों से छिपाकर किया गया हो। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि गंगा सिंह ठाकुर और कुलदीप अपने आरोपों को साबित नहीं कर पाए तो उनके खिलाफ मानहानि का दावा दायर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आरोप केवल उनके ही नहीं, बल्कि बीडीटीएस के 2032 सदस्यों के सम्मान को भी ठेस पहुंचाने वाले हैं। उन्होंने बताया कि 17 मार्च 2025 को कार्यभार संभालने के बाद उनकी टीम ने ऑपरेटरों और सदस्यों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। लंबे समय से लंबित कई किरायों और सुविधाओं को लागू करवाया गया, जिससे सदस्यों को सीधा लाभ मिला। उन्होंने दोहराया कि 31 मई को हुए चुनाव पूरी तरह अवैध हैं और उनकी टीम इन्हें स्वीकार नहीं करती। साथ ही उन्होंने कहा कि मामले को लेकर आगे भी कानूनी लड़ाई जारी रखी जाएगी। पत्रकार वार्ता में नीलम चंदेल के साथ लेख राम वर्मा, सुरेश चौधरी, बालक राम, कपिल, राम कुमार शर्मा आदि भी उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण हेतु कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। तहसील अधिकारी बालकृष्ण की अध्यक्षता में बिलासपुर के डीआरडीए सभागार में जनगणना-2027 के सफल संचालन के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों को जनगणना प्रक्रिया, डेटा संग्रहण व तकनीकी पहलुओं से अवगत कराना था।

प्रथम चरण (स्व-जनगणना): 15 जून 2026 तक, इसमें मास्टर ट्रेनर 15 जून से 15 जुलाई 2026 तक घर-घर जाकर मकानों, आवासीय सुविधाओं व परिवारों के आंकड़े संकलित करेंगे।

द्वितीय चरण: वर्ष 2027 में प्रारंभ, जिसमें जनसंख्या संबंधी विस्तृत जानकारी एकत्र होगी।

बालकृष्ण ने कर्मचारियों से गंभीरता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी से कार्य करने तथा नागरिकों से सही जानकारी देने की अपील की। प्रशिक्षण में मोबाइल एप, डेटा प्रविष्टि व सत्यापन की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कानूनगो सुरेश कुमार, मास्टर ट्रेनर विकास, गौरव टाडु सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। राष्ट्रव्यापी फिट इंडिया आंदोलन के अंतर्गत खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बिलासपुर द्वारा राज्य छात्रावास के सहयोग से आज फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस साइकिलिंग कार्यक्रम में 55 से अधिक खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा साइकिलिंग को नियमित फिटनेस गतिविधि के रूप में प्रोत्साहित करना था।

साइकिल रैली को राज्य छात्रावास के कर्मचारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को सक्रिय एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. भावना चौहान, हाई परफॉर्मेंस मैनेजर बिलासपुर ने फिट इंडिया आंदोलन की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित शारीरिक गतिविधियां अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने, कार्यक्षमता बढ़ाने तथा जीवनशैली से संबंधित बीमारियों की रोकथाम के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से फिटनेस को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा दूसरों को भी स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। रैली में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों तथा स्थानीय समुदाय की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के माध्यम से फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज का संदेश प्रभावी ढंग से प्रसारित किया गया तथा सक्रिय जीवनशैली और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन के लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा फिट इंडिया, स्वस्थ भारत एवं हरित भारत के संकल्प के साथ किया गया।

◆ **केआईएससीई बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश द्वारा फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का आयोजन**

शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाना तर्कसंगत नहीं: नरेश ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। पंचायत चुनाव में कर्तव्य निभाने के बाद अब बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाए जाने पर हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन बिलासपुर ने कड़ा विरोध जताया है। संगठन का कहना है कि प्रदेश के अधिकांश विद्यालय पहले से ही शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों को लगातार गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाना विद्यार्थियों के हितों के विपरीत है। एचपीएसएलए बिलासपुर के अध्यक्ष नरेश ठाकुर, उपाध्यक्ष बलवंत ठाकुर, महासचिव सुशील चंदेल आदि ने संयुक्त बयान में कहा कि पंचायत चुनावों के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक चुनावी ड्यूटी में व्यस्त रहे। अब जनगणना जैसे कार्यों में शिक्षकों की पुनः तैनाती से विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित होगी। पदाधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक कक्षा का पाठ्यक्रम निर्धारित समय के अनुसार पूरा किया जाना आवश्यक है। मई और जून माह में शिक्षक विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को गति प्रदान करते हैं। यदि शिक्षकों को लंबे समय तक गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाता रहा तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना कठिन हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक कक्षाओं से दूर रहेंगे तो वार्षिक परीक्षा परिणामों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। शिक्षकों पर परिणाम सुधारने का दबाव रहता है, लेकिन दूसरी ओर उन्हें गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाना विरोधाभासी स्थिति पैदा करता है। संघ ने सरकार एवं शिक्षा विभाग से मांग की है कि शिक्षकों को यथासंभव गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखा जाए और जनगणना सहित अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो और शिक्षा की गुणवत्ता बनी रहे।

बिलासपुर में शुरू हुई गेहूं की सरकारी खरीद

अनंत ज्ञान

प्राकृतिक खेती को मिला बढ़ावा

आत्मा परियोजना द्वारा स्थापित खरीद केंद्र में प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं बेचते किसान।

ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं की सरकारी खरीद आत्मा परियोजना के माध्यम से शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपए प्रति किलोग्राम किए जाने से किसानों में उत्साह है और उनका रुझान प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ रहा है।

ग्राम पंचायत कोटला के किसान सुमन कुमार ठाकुर तथा नम्होल के किसान देशराज ने बताया कि प्राकृतिक खेती से न केवल मिट्टी की उर्वरता और फसल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि सरकार द्वारा बेहतर समर्थन मूल्य मिलने से किसानों की आय भी बढ़ी है। किसानों ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया।

वहीं, परियोजना निदेशक आत्मा रितेश गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष जिला में प्राकृतिक खेती से उत्पादित 175 क्विंटल गेहूं खरीदने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 120 किसानों से लगभग 160 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है। उन्होंने कहा कि 223 किसानों ने प्राकृतिक गेहूं बेचने की सहमति दी है और शीघ्र ही लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा।

उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि जिला में लगभग 8 हजार किसान प्राकृतिक खेती से जुड़े हैं तथा 1,094 हेक्टेयर क्षेत्र को इसके अंतर्गत लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने और उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

किरतपुर नेरचौक फोरलेन किनारे अवैध कब्जों पर प्रशासन का शिकंजा

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। किरतपुर-नेरचौक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे किए गए अवैध अतिक्रमणों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा चिन्हित स्थलों की सूची के आधार पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

◆ **नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू**

उपायुक्त कार्यालय की ओर से सदर, झंडूता, घुमारवीं तथा श्री नैना देवी जी उपमंडलों के उपमंडल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मौके पर जाकर चिन्हित स्थलों का सत्यापन करने और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी मामलों में कानून के तहत प्रक्रिया अपनाई जाएगी तथा कार्रवाई पूरी होने के बाद एक माह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

अधिकारियों के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्सों में अस्थायी ढांचे, पक्के निर्माण तथा अनधिकृत पहुंच मार्ग पाए गए हैं, जिनसे राजमार्ग की सुरक्षा व्यवस्था और भविष्य के विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए चरणबद्ध ढंग से कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग नियंत्रण अधिनियम, 2002 के तहत सक्षम राजस्व अधिकारियों को वैधानिक नोटिस जारी करने और अतिक्रमण हटाने संबंधी कार्रवाई करने के अधिकार प्राप्त हैं। इसी के तहत पहले चरण में संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए जाएंगे, ताकि उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर मिल सके। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद आवश्यकतानुसार मौके पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने अभियान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस विभाग का सहयोग भी मांगा है। पुलिस अधीक्षक को पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिस कर्मियों और अन्य सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

एनएचएआई की रिपोर्ट के अनुसार कीरतपुर-नेरचौक राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुल 56 स्थानों पर अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। इनमें 46 मामले ग्रीनफील्ड खंड तथा 10 मामले ब्राउनफील्ड खंड से संबंधित हैं। अधिकांश स्थानों पर सड़क सीमा के भीतर किए गए निर्माण और अनधिकृत पहुंच मार्ग सामने आए हैं, जो राजमार्ग की चौड़ाई, यातायात प्रबंधन तथा सुरक्षा मानकों के लिए चुनौती बने हुए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक हित और सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी चिन्हित मामलों में निष्पक्ष एवं कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

झंडूता में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का किया सम्मान

अनंत ज्ञान

झंडूता। झंडूता विधानसभा क्षेत्र में रविवार को नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक जीतराम कटवाल मुख्य अतिथि तथा भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्णलाल चंदेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला परिषद, बीडीसी सदस्यों, पंचायत प्रधानों, उपप्रधानों और वार्ड सदस्यों को पटका पहनाकर तथा बाबा बालकनाथ की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया।

विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की सबसे मजबूत इकाई हैं और गांवों के विकास से ही प्रदेश व राष्ट्र सशक्त बन सकता है।

उन्होंने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों से जनहित, पारदर्शिता और विकास को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों को क्षेत्र के विकास में हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और युवा कौशल विकास जैसे विषयों को पंचायतों की प्राथमिकताओं में शामिल करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं भी विधायक के समक्ष रखीं।

31 साल का इंतजार खत्म, छतराड़ी मेले को मिला राज्यस्तरीय दर्जा

अब स्थानीय संस्कृति को नई पहचान मिलेगी, क्षेत्र के लोगों में जश्न का माहौल

अनंत ज्ञान

भरमौर। भरमौर क्षेत्र की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान से जुड़े प्रसिद्ध छतराड़ी मेले को प्रदेश सरकार द्वारा राज्यस्तरीय मेले का दर्जा प्रदान किए जाने से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है।

वर्ष 1995 से जिला स्तरीय मेले के रूप में आयोजित हो रहे इस ऐतिहासिक मेले को राज्यस्तरीय मान्यता मिलने के साथ ही क्षेत्रवासियों का 31 वर्षों पुराना सपना साकार हो गया है।

इस ऐतिहासिक निर्णय पर जिला कांग्रेस कमेटी चंबा के अध्यक्ष एडवोकेट सुरजीत शर्मा भरमौरी ने प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह

जिला कांग्रेस कमेटी चंबा के अध्यक्ष ने सरकार का जताया आभार

उपलब्धि क्षेत्र की जनता, पंचायत प्रतिनिधियों, प्रशासन और सरकार के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि लंबे समय से इस मांग को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे थे, जिन्हें अब सफलता मिली है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री तथा शाहपुर विधायक केवल सिंह पठानिया का विशेष धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और जनभावनाओं के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके चलते यह ऐतिहासिक फैसला संभव हो पाया।

नई पहचान और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती : सुरजीत भरमौरी

सुरजीत शर्मा भरमौरी ने कहा कि राज्य स्तरीय दर्जा मिलने से छतराड़ी मेले की पहचान प्रदेशभर में और मजबूत होगी। इससे पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय संस्कृति को नई पहचान मिलेगी तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि अब सरकार का अगला लक्ष्य विश्व प्रसिद्ध श्री मणिमहेश यात्रा को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा दिलाना है। इस दिशा में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है और संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने इस उपलब्धि को जनआस्था, जनसहयोग और सामूहिक प्रयासों की बड़ी जीत बताते हुए क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भरमौर क्षेत्र धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान स्थापित करेगा।

सेब की नर्सरी लगाने से पहले अपनाएं वैज्ञानिक तकनीकें : डॉ. प्रमोद

अनंत ज्ञान, चंबा। जिले में सेब उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्यान विभाग द्वारा बागवानों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में उद्यान उपनिदेशक चंबा डॉ. प्रमोद शाह ने सेब की नर्सरी लगाने वाले बागवानों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार करने के लिए वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाना जरूरी है। नर्सरी के लिए उपयुक्त स्थान का चयन, उचित जल निकासी, पर्याप्त धूप तथा उपजाऊ व रोगमुक्त मिट्टी का उपयोग आवश्यक है। प्रमाणित बीज और स्वस्थ रूटस्टॉक का प्रयोग करने से रोगों का खतरा कम होता है। डॉ. शाह ने नियमित सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट-रोग प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ग्राफ्टिंग और बडिंग जैसी तकनीकों का उपयोग विशेषज्ञों की देखरेख में करें तथा विभागीय प्रशिक्षण शिविरों में भाग लें।

पुलिस का नशे की खेती पर प्रहार अफीम के 858 पौधे किए नष्ट

10 नमूने लेकर जांच के लिए भेजे, पखरोट गांव में की कार्रवाई

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस की विशेष अन्वेषण इकाई (एसआईयू) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 868 अफीम के पौधे बरामद किए हैं। यह अभियान इंस्पेक्टर गगन के नेतृत्व में एसआईयू टीम द्वारा अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम पखरोट, डाकघर साहू, तहसील एवं जिला चंबा निवासी 37 वर्षीय जीतो पुत्र अग्गू की भूमि पर अवैध रूप से अफीम की खेती किए जाने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान भूमि से कुल 868 अफीम के पौधे बरामद किए गए।

पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के तहत पौधों में से 10 पौधों को साक्ष्य एवं जांच के लिए नमूने के रूप में कब्जे में लिया, जबकि शेष 858

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला किया दर्ज। अनंत ज्ञान

पौधों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान हेड कांस्टेबल अवनीश सहित एसआईयू टीम के अन्य सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की गहन जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि अवैध खेती कब से की जा रही थी और इसमें अन्य लोगों की संलिप्तता तो नहीं है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि नशे से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने के प्रयासों को और मजबूती मिल सके।

मानवीय सरोकारों के साथ आगे बढ़ेगी हिंदू सेवा समिति, विधवा महिला को विवाह शुल्क में दी राहत

हिंदू सेवा समिति की मासिक बैठक में सामाजिक मुद्दों पर की गई चर्चा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

चंबा। जिले के जुलाहकड़ी–हरदासपुर स्थित हिंदू सेवा समिति के सामुदायिक भवन में नई कार्यकारिणी के गठन के बाद पहली मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नवनिर्वाचित प्रधान संजय महाजन ने की। बैठक में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सामाजिक सरोकारों और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक का मुख्य विषय एक गरीब विधवा महिला द्वारा अपनी पौत्री के विवाह के लिए सामुदायिक भवन के उपयोग शुल्क में राहत प्रदान करने का आवेदन रहा। समिति ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सर्वसम्मति से विवाह शुल्क में विशेष छूट देने का निर्णय लिया, जिसकी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की और इसे समाजसेवा की दिशा में सराहनीय कदम बताया। इसके अलावा श्मशान घाट जाने वाले मार्ग की खराब स्थिति और वहां आवश्यक सुविधाओं की कमी पर भी गंभीर चर्चा की गई। समिति ने इस मुद्दे को संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष उठाने तथा विधायक के साथ प्रतिनिधिमंडल की बैठक करने का निर्णय लिया। प्रधान संजय महाजन ने कहा कि समिति समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और भविष्य में जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। बैठक में उपप्रधान सुभाष महाजन, महासचिव बुधिया राम, कोषाध्यक्ष हर्ष महाजन, सचिव रोशन लाल शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

धूप और बारिश में बेहाल यात्री, भटवाड़ा बस स्टॉप पर रेन शेल्टर सुविधा का अभाव

अनंत ज्ञान मुद्दा

लोगों ने उठाई भटवाड़ा बस ठहराव पर रेन शेल्टर बनाने की मांग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

देशराज कश्यप, धरवाला। विकास खंड मैहला की नवनिर्मित ग्राम पंचायत भटवाड़ा के दायरे में पड़ता बस ठहराव भटवाड़ा में रेन शेल्टर की मांग तेज हो गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि 2022 के बाद भटवाड़ा बस ठहराव पर चंबा राडी रूट पर चलने वाली बस विभागीय अनदेखी व हिमाचल पथ परिवहन निगम के बेड़े में बताई जा रही बसों की कमी के कारण बस ठहराव सूना पड़ा है जिसकी भरपाई अब निजी टैक्सी चालक कर रहे हैं। दुर्गम क्षेत्र से प्रतिदिन लोग यहां पहुंचकर वाहन चालकों का बेसब्री से इंतजार करते हैं ताकि अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचा जा सके लेकिन तपती धूप व तेज बारिश में वाहन चालकों का इंतजार करते हुए यात्रियों की परेशानी रेन शेल्टर न होने के कारण और बढ़ जाती है।

तपती धूप में रेन शेल्टर न होने के कारण बहुत से यात्री छांव ढूंढते नजर आते हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि गत वर्ष पहले एक रेन शेल्टर का निर्माण यहां करवाया गया है लेकिन उस रेन शेल्टर का निर्माण बस ठहराव पर न करवा कर बस ठहराव के ऊपर की ओर करवाया गया जिसका लाभ यात्रियों को नहीं मिल पा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भटवाड़ा बस ठहराव पर एक सुरक्षित स्थान पर रेन शेल्टर का निर्माण करवाया जाए ताकि तपती धूप व बारिश में लोगों को दिक्कतें पेश न आएं।

भलेई कॉलेज बंद करने के फैसले पर भड़के विधायक डीएस ठाकुर

बोले- ग्रामीण क्षेत्रों के स्टूडेंट्स के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। कम छात्र संख्या वाले महाविद्यालयों के विलय एवं बंद करने के सरकार के फैसले पर डलहौजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डीएस ठाकुर ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजकीय महाविद्यालय भलेई को बंद करने के निर्णय को दुर्भाग्यपूर्ण और जनविरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं के उच्च शिक्षा के अधिकार पर सीधा प्रहार है।

प्रेस बयान में विधायक डीएस ठाकुर ने कहा कि भलेई जैसे दुर्गम क्षेत्र में स्थित महाविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सैकड़ों परिवारों की उम्मीदों का आधार रहा है। सरकार को ऐसे संस्थानों को बंद करने के बजाय उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज में छात्र संख्या घटने के लिए सरकार की नीतियां और शिक्षा विभाग की लापरवाही जिम्मेदार है। वर्षों तक शिक्षकों के रिक्त पद नहीं भरे गए और न ही आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रभावी प्रयास किए गए। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व की सरकार के कार्यकाल में कॉलेज भवन निर्माण के लिए पांच करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन इसके बावजूद संस्थान को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल सकीं।

विधायक ने कहा कि कॉलेज की स्थापना के शुरुआती वर्षों में यहां लगभग 350 विद्यार्थी अध्ययनरत थे और क्षेत्र के अनेक युवाओं ने इसी संस्थान से उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को नई दिशा दी। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि भलेई और आसपास के ग्रामीण इलाकों की अनेक छात्राएं सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के कारण दूरस्थ शहरों में पढ़ाई के लिए नहीं जा सकतीं।

बच्चों को मानवीय गुणों के प्रति किया प्रेरणा

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। नई पीढ़ी को मानवता के प्रति प्यार , नम्रता, सहनशीलता जैसे मानवीय गुणों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के उद्देश्य से संत निरंकारी सत्संग भवन, सेक्टर-30, चंडीगढ़ में 40 एरिया के बाल समागम का भव्य आयोजन किया गया। इस बाल समागम के माध्यम से यहां के संयोजक नवनीत पाठक जी ने बच्चों को आध्यात्मिक ज्ञान के साथ-साथ नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी और जिससे वे एक संवेदनशील, जागरूक एवं आदर्श नागरिक के रूप में विकसित हो सकें और समाज के प्रति अच्छे नागरिक बन सकें।

सत्गुरु माता सुदीक्षा जी द्वारा दिए ''ब्रहमज्ञान से जीवन का परिवर्तन और सच्ची प्राथमिकताओं का निर्धारण' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सतगुरु मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। ब्रह्मज्ञान केवल सुनने या समझने का विषय नहीं, बल्कि उसे व्यवहार में उतारना ही उसकी वास्तविक सार्थकता है। श्रद्धा, आदर और समर्पण भाव से ग्रहण किया गया ज्ञान व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है तथा उसे अपने मूल स्वरूप अर्थात निरंकार की पहचान कराता है।

उन्होंने आगे कहा कि सत्गुरु का उद्देश्य केवल आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक तैयार करना भी है। इसी भावना के अंतर्गत संत निरंकारी मिशन द्वारा स्वच्छता अभियान, रक्तदान, जल संरक्षण, वृक्षारोपण एवं नशामुक्ति जैसे अनेक जनकल्याणकारी अभियान चलाए जा रहे हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से युवाओं और बच्चों में सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित हो रही है। पाठक ने बच्चों एवं युवाओं को जीवन में सही प्राथमिकताएं निर्धारित करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि भौतिक उपलब्धियों के साथ-साथ ज्ञान, संस्कार, चरित्र निर्माण और मानवता के मूल्यों को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब युवा वर्ग सकारात्मक सोच और सेवा भाव के साथ समाज से जुड़ता है, तब वास्तविक परिवर्तन संभव होता है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के बाल समागम नई पीढ़ी में आध्यात्मिक जागरूकता, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों के विकास का सशक्त माध्यम हैं।

इस अवसर पर आए बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लेते हुए आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं तथा लघु नाटिकाएं एवं गीत प्रस्तुत कर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं को जीवन में अपनाने के विचार व्यक्त किए।

मोहाली में पर्यावरण दिवस पर नई पहल प्लास्टिक-मुक्त दूध वितरण की शुरुआत

अनंत ज्ञान, साहिबजादा अजीत सिंह नगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) के क्षेत्रीय कार्यालय, मोहाली ने वेरका मिल्क प्लांट के सहयोग से एटीएस कासा एस्पाना, मोहाली में प्लास्टिक-मुक्त दूध वितरण पहल की शुरुआत की। इसके तहत मोबाइल मिल्क वेंडिंग वैन शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य सिंगल-यूज़ प्लास्टिक दूध पाउचों से होने वाले कचरे को कम करना है। इस योजना के तहत उपभोक्ता 64 रुपए प्रति लीटर की दर पर वैन से ताजा दूध खरीद सकेंगे, जबकि प्लास्टिक पाउच में यही दूध 66 रुपए प्रति लीटर में उपलब्ध है। उपभोक्ताओं को अपने पुन: उपयोग योग्य बर्तन या बोतल लाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वेंडिंग मशीन की क्षमता लगभग 300 लीटर प्रतिदिन है, जिससे एक आवासीय सोसायटी में प्रतिदिन सैकड़ों प्लास्टिक पाउचों की बचत संभव होगी। अधिकारियों के अनुसार, यदि यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है तो इसे मोहाली और पंजाब के अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार दिया जाएगा। पीपीसीबी ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण कम करने के लिए तकनीकी उपायों के साथ-साथ उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव भी जरूरी है। यह पहल टिकाऊ उपभोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी 2000 से अधिक पौधे रोपे

अनंत ज्ञान

मोहाली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने देशभर में अपने सभी शोरूम्स के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक ही दिन में 2000 से अधिक पौधों का रोपण किया। इस विशेष अभियान के तहत कंपनी ने अपने ग्राहकों को भी पौधे उपहार स्वरूप भेंट किए, ताकि अधिक से अधिक लोग हरियाली बढ़ाने और प्रकृति संरक्षण के इस अभियान से जुड़ सकें।

इस अवसर पर किसना के सभी शोरूम्स में ग्राहकों के लिए नि:शुल्क ज्वेलरी क्लीनिंग सेवा तथा पुराने सोने की शुद्धता जांच (प्योरिटी चेक) और सही मूल्यांकन की विशेष सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। ग्राहकों ने इस पहल का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर घनश्याम ढोलकिया,

संस्थापक, हरि कृष्णा ग्रुप ने कहा, 'प्रकृति का संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा कर्तव्य है। किसना हमेशा व्यापार के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरणीय दायित्वों को भी प्राथमिकता देता रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस पर देशभर में 2000 से अधिक पौधों का रोपण और ग्राहकों को पौधे वितरित करने का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा हरित भारत के निर्माण में योगदान देना है। हम सभी को मिलकर प्रकृति के संरक्षण के लिए छोटे-छोटे प्रयास करने चाहिए, जो भविष्य में बड़े सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं पर्यावरणीय गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करती रही है। कंपनी का उद्देश्य केवल उत्कृष्ट आभूषण उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के सतत विकास में भी सक्रिय योगदान देना है।

लिवासा हॉस्पिटल्स भाखरा राइड 2.0 में बना हेल्थ पार्टनर

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। रविवार को नंगल में आयोजित भाखरा राइड 2.0 में पंजाब भर से साइकिल चालकों, धावकों, फिटनेस के शौकीनों, परिवारों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों सहित लगभग 800 प्रतिभागियों ने भाग लिया। लिवासा हॉस्पिटल्स इस आयोजन का हेल्थ पार्टनर था।

इस आयोजन में तीन श्रेणियां 25 किमी भाखरा एलिवेशन राइड, 10 किमी सिटी राइड और 5 किमी फन वॉक/रन थीं। लिवासा हॉस्पिटल्स द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया, जिन्होंने पूरे आयोजन के दौरान प्रतिभागियों को चिकित्सा सहायता, बुनियादी स्वास्थ्य जांच और स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। अस्पताल द्वारा अंगदान के जीवन रक्षक प्रभाव के बारे में शिक्षित करने के लिए एक अंगदान जागरूकता और प्रतिज्ञा अभियान भी आयोजित किया गया। लिवासा हॉस्पिटल्स के सीईओ अनुराग यादव ने कहा कि भाखरा राइड 2.0 ने फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ-साथ अंगदान के बारे में सार्थक बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया है, एक ऐसा कारण जिसमें अनगिनत जिंदगियां बचाने की क्षमता है। हमें इस प्रेरणादायक सामुदायिक पहल के साथ साझेदारी करने पर गर्व है और हम समुदायों में सकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सीयू ऑनलाइन दीक्षांत समारोह में 363 छात्रों को बांटी डिग्रियां

अनंत ज्ञान, गुरनाम सागर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, घड़ूआं में सीयू ऑनलाइन के 8वें वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें देश के 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 363 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इनमें 330 पोस्ट-ग्रेजुएट और 33 अंडर-ग्रेजुएट छात्र शामिल रहे। समारोह में पीडब्ल्यूसी इंडिया के सीनियर डायरेक्टर संजीव पारकर मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी और पीडब्ल्यूसी के बीच ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम शुरू करने को लेकर एमओयू भी साइन किया गया, जिससे यह सहयोग करने वाली देश की पहली यूनिवर्सिटी बन गई। वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) रवि राजा एन सीताराम ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा ने पारंपरिक शिक्षा की बाधाओं को कम किया है और यूनिवर्सिटी एआई आधारित शिक्षा को तेजी से अपनाने में अग्रणी है। पीडब्ल्यूसी के संजीव पारकर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युवाओं के लिए अवसर बढ़ाएगी और उद्योग-शिक्षा साझेदारी भविष्य के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करेगी। कार्यक्रम में रिटायर्ड कर्मियों, गृहिणियों, उद्यमियों और कामकाजी पेशेवरों सहित विभिन्न वर्गों के छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने ऑनलाइन माध्यम से अपनी पढ़ाई पूरी की।

छह वर्षीय बच्ची समेत 150 कैंसर सर्वाइवरों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान

साहिबजादा अजीत सिंह नगर। कैंसर सर्वाइवर डे पर रविवार को मैक्स अस्पताल, मोहाली के कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में छह वर्षीय बच्ची समेत लगभग 150 कैंसर सर्वाइवर शामिल हुए। कार्यक्रम में कैंसर सर्वाइवर की प्रेरणादायक कहानियों को उजागर किया गया और कैंसर के इलाज के दौरान शीघ्र निदान, समय पर उपचार और निरंतर सहयोग के महत्व पर बल दिया गया।

कैंसर सर्वाइवर डे

इस अवसर पर बोलते हुए, मेडिकल ऑन्कोलॉजी डायरेक्टर-मैक्स अस्पताल, डॉ सचिन गुप्ता ने कहा, कैंसर से बचना शक्ति दृढ़ संकल्प और कैंसर के इलाज में हुई प्रगति का प्रमाण है। आज कई प्रकार के कैंसर का शीघ्र निदान और बहु-विषयक दृष्टिकोण से प्रबंधन करने पर सफलतापूर्वक इलाज किया जा सकता है। कार्यक्रम में कैंसर सर्वाइवर ने कैंसर पर विजय पाने के अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए, और आशा, दृढ़ता और स्वस्थ होने की कहानियों से दूसरों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में कैंसर की रोकथाम, नियमित जांच और मजबूत सहायता प्रणालियों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

छह वर्षीय अर्निका की रक्त कैंसर से लड़ाई ने न केवल उसकी हिम्मत की परीक्षा ली, बल्कि उसके परिवार का मनोबल भी बढ़ाया। उसके माता-पिता याद करते हैं कि पिछले साल जब उसे यह बीमारी पता चली तो निराशा के साए में उनकी नन्ही बेटी ने ही उन्हें अवसाद से बाहर निकाला और योद्धाओं की तरह लड़ना सिखाया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अर्निका ने दूसरों से आग्रह किया कि वे बिना किसी भय के बीमारी का सामना करें और अटूट दृढ़ संकल्प के साथ लड़ें।

पुरुषोत्तम दास रुंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगाया अन्न भंडारा

अनंत ज्ञान

पंचकूला। पुरुषोत्तम दास रुंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा फेज-1, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला में अपना 218वां अन्न भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंद लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

ट्रस्ट के संस्थापक एवं समाजसेवी अमिताभ रुंगटा ने बताया कि प्रत्येक दिन चार अभिजीत मुहूर्त होते हैं, जिनकी जानकारी किसी योग्य पंडित या ज्योतिषाचार्य से प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अभिजीत मुहूर्त में किए गए कार्य अत्यंत शुभ एवं फलदायी माने जाते हैं। ऐसे शुभ समय में अन्न भंडारे का आयोजन करने से उसका पुण्य फल कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन अभिजीत मुहूर्त आता है और इस अवधि में किए गए कार्यों के सफल होने की मान्यता है।

उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा नियमित रूप से अन्न भंडारों का आयोजन किया जाता है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक एवं सेवा कार्य जारी रहेंगे।

बेटी के सपनों पर लिवर की बीमारी का साया

पायल की जिंदगी बचाने के लिए मदद की दरकार, डॉक्टर्स बोले-इलाज पर 15 से 20 लाख आएगा खर्च

अनंत ज्ञान

नगरोटा बगवां। नगरोटा बगवां के साथ लगती ठारू पंचायत के वार्ड-4 की 20 वर्षीय पायल पुत्री राज कुमार आज जिंदगी और मौत के बीच कठिन संघर्ष लड़ रही है। बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा पायल का सपना पढ़-लिखकर अध्यापिका बनने और समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने का था, लेकिन लिवर की गंभीर बीमारी ने उसके सुनहरे भविष्य पर संकट के बादल खड़े कर दिए हैं।

पायल के पिता राज कुमार मेहनत-मजदूरी करके किसी तरह परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आय वाले इस परिवार पर बेटी की बीमारी पहाड़ बनकर टूट पड़ी है। चिकित्सकों ने उपचार से पायल के स्वस्थ होने की उम्मीद जताई है, लेकिन इलाज पर आने वाला 15 से 20 लाख रुपए का खर्च पूरा करना परिवार के वश की बात नहीं है। करीब पांच वर्ष पहले पायल को पेट दर्द की शिकायत शुरू हुई थी। शुरुआत में स्थानीय अस्पतालों में उपचार करवाया गया, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। लगातार गिरती सेहत को देखकर परिजनों को टीबी होने की आशंका हुई और उसका इलाज भी शुरू किया गया, लेकिन स्थिति और बिगड़ती चली गई।

आखिरकार जब उसे पीजीआई चंडीगढ़ ले जाया गया तो डॉक्टरों ने बताया कि उसे टीबी नहीं, बल्कि लिवर की गंभीर बीमारी है। पायल की मां मोना देवी बताती हैं कि बेटी के इलाज के लिए उन्होंने अपनी जमा-पूंजी तक खर्च कर दी है। अब परिवार के पास कोई आर्थिक सहारा नहीं बचा है। ऐसे में परिजन और पूर्व प्रधान अजय भनयारी ने क्षेत्र के लोगों, समाजसेवी संस्थाओं और दानी सज्जनों से भावुक अपील की है कि वे आगे आकर पायल की मदद करें।

एक होनहार बेटी की जिंदगी बचाने के लिए समाज के सहयोग की जरूरत है। आपकी छोटी-सी मदद भी पायल के सपनों को नई उड़ान और जिंदगी को नया अवसर दे सकती है।

पायल के पिता के फोनपे का स्कैनर

मैहतपुर के समीप बड़ा सड़क हादसा टला

श्रद्धालुओं से भरी बस सरियों से लदे ट्रक की चपेट में आई, छह घायल

अनंत ज्ञान

ऊना। जनपद के प्रवेश द्वार मैहतपुर के समीप पंजाब सीमा क्षेत्र में रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। राजस्थान से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बस सरियों से लदे ट्रक की चपेट में आ गई, जिससे बस में सवार छह यात्री घायल हो गए। हादसे के दौरान ट्रक से बाहर निकले लोहे के सरिये बस की खिड़कियों को क्षतिग्रस्त करते हुए अंदर तक पहुंच गए, जिससे बस में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार बस में लगभग 50 श्रद्धालु सवार थे, जो राजस्थान के जयपुर क्षेत्र से माता वैष्णो देवी, चिंतपूर्णी तथा ज्वालाजी के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे। मैहतपुर के निकट पंजाब सीमा क्षेत्र में पहुंचने पर सामने से गुजर रहे सरियों से लदे ट्रक का बाहर निकला सरिया बस की खिड़कियों से टकरा गया। टक्कर के कारण बस की कई खिड़कियां टूट गईं और कुछ यात्री घायल हो गए।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को प्राथमिक सहायता उपलब्ध करवाने के बाद उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने सभी घायलों का उपचार किया तथा उनकी स्थिति सामान्य पाए जाने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी। बस चालक जगदीश प्रसाद, निवासी जयपुर, ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। नया नंगल पुलिस चौकी के एएसआई यादविंदर सिंह ने बताया कि घायलों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। साथ ही फरार ट्रक चालक की पहचान कर उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

पुलिस के अनुसार मामले की जांच विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं, हादसे में किसी प्रकार की जनहानि न होने से श्रद्धालुओं और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली।

हिमाचल की नौकरशाही में घमासान

दो वरिष्ठ अधिकारियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश की नौकरशाही में लंबे समय से सुलग रहा विवाद अब खुले टकराव में बदलता दिखाई दे रहा है। राज्य के दो वरिष्ठ और प्रभावशाली पूर्व आईएएस अधिकारियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है, जिससे प्रशासनिक गलियारों में हलचल मच गई है। पूर्व राज्य सूचना आयुक्त एवं रेरा के पूर्व अध्यक्ष श्रीकांत बाल्दी ने पूर्व मुख्य सचिव संजय गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके खिलाफ दर्ज करवाई गई एफआईआर तथ्यों पर नहीं, बल्कि चेस्टर हिल परियोजना से जुड़े विवादित निर्णयों से जनता व सरकार का ध्यान भटकाने की एक सुनियोजित कोशिश है। बाल्दी का दावा है कि उनके पास अपने आरोपों के समर्थन में पर्याप्त दस्तावेजी साक्ष्य मौजूद हैं और वह हर मंच पर अपने पक्ष को मजबूती से रखने के लिए तैयार हैं।

बाल्दी ने कहा कि चेस्टर हिल परियोजना से जुड़े कई ऐसे आदेश पूर्व मुख्य सचिव के कार्यकाल में पारित किए गए, जिन पर बाद में गंभीर कानूनी और प्रशासनिक प्रश्न उठे। उनका आरोप है कि कुछ निर्णय अधिकार क्षेत्र की सीमाओं से बाहर जाकर लिए गए, जिसके चलते मामला सरकार और न्यायालयों तक पहुंचा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके द्वारा अप्रैल 2026 में सार्वजनिक किए गए तथ्यों को अब तक कोई ठोस चुनौती नहीं दी जा सकी है, इसलिए वह अपने आरोपों पर कायम हैं।

चेस्टर हिल प्रकरण बना टकराव का केंद्र

राजनीतिक व प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि यह मामला अब प्रदेश की प्रशासनिक कार्यप्रणाली, निर्णय लेने की पारदर्शिता व जवाबदेही से जुड़ा संवेदनशील विषय बन चुका है। जिस प्रकार एक ओर एफआईआर को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और दूसरी ओर पुराने आदेशों की वैधता पर बहस तेज हो रही है, उससे यह स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में यह विवाद और गहराने वाला है।

बता दें कि विशेष रूप से चेस्टर हिल परियोजना से जुड़े आदेशों को लेकर विवाद इसलिए भी गहराया है क्योंकि इनमें कथित अवैध निर्माणों, अपीलों की सुनवाई और प्रशासनिक अधिकारों के प्रयोग को लेकर कई सवाल उठते रहे हैं। बाल्दी का आरोप है कि नगर निगम स्तर पर लिए गए निर्णयों को बाद में ऐसे तरीके से प्रभावित किया गया, जिससे कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े हुए। उनका कहना है कि कुछ मामलों में अपील सुनने और आदेश पारित करने की प्रक्रिया ने प्रशासनिक मर्यादाओं तथा स्थापित कानूनी व्यवस्थाओं को चुनौती दी, जिसका प्रभाव आज भी विवाद के रूप में सामने आ रहा है।

सीबीएसई स्कूलों में शिक्षक भर्ती लटकी

परीक्षा, मेरिट व काउंसलिंग के बाद नियुक्तियां रोकने से शिक्षकों, बच्चों और अभिभावकों में रोष

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी सीबीएसई विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम अब अनिश्चितता के भंवर में फंसता दिखाई दे रहा है। राज्य के 158 सीबीएसई विद्यालयों के लिए चयनित 5623 शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम चरण में पहुंचने के बाद रोक दिए जाने से शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षा जगत में गहरी नाराजगी पैदा हो गई है। परीक्षा, मेरिट सूची और काउंसलिंग कार्यक्रम जारी होने के बावजूद सरकार द्वारा प्रक्रिया पर विराम लगाने तथा उच्चस्तरीय समिति गठित करने के फैसले ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के माध्यम से आयोजित लिखित परीक्षा में 9821 शिक्षकों ने भाग लिया था, जिनमें से 6084 शिक्षक मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफल रहे। इसके बाद स्कूलों का आवंटन और काउंसलिंग की तैयारियां भी लगभग पूरी कर ली गई थीं। ऐसे में अंतिम समय पर पूरी प्रक्रिया को रोकना चयनित शिक्षकों के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं माना जा रहा। शिक्षकों का कहना है कि यदि चयन का आधार मेरिट ही नहीं बनना था तो फिर परीक्षा आयोजित करने और पूरी प्रक्रिया पर करोड़ों रुपए तथा महीनों का समय खर्च करने का औचित्य क्या था। कई शिक्षाविदों का मानना है कि इस विवाद के पीछे बड़े पैमाने पर संभावित तबादले प्रमुख कारण हो सकते हैं। मेरिट के आधार पर शिक्षकों को पसंदीदा विद्यालय मिलने की स्थिति में अनेक प्रभावशाली स्थानों पर वर्षों से तैनात शिक्षकों के स्थानांतरण की संभावना थी। इसी कारण राजनीतिक व प्रशासनिक दबाव के चलते प्रक्रिया को रोकने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यदि ऐसा है तो यह पारदर्शी चयन व्यवस्था और योग्यता आधारित प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

दूसरी ओर इस निर्णय का सीधा असर विद्यार्थियों पर पड़ने की आशंका भी जताई जा रही है। राज्य के सरकारी सीबीएसई विद्यालयों में नामांकन लगातार बढ़ रहा है और वर्तमान शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों की संख्या 82 हजार से अधिक पहुंच चुकी है। ऐसे समय में योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति में देरी होने से शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। अभिभावकों का कहना है कि उन्होंने अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षण पद्धति और बेहतर शैक्षणिक वातावरण की उम्मीद के साथ इन विद्यालयों में प्रवेश दिलाया है, लेकिन शिक्षकों की कमी उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकती है।

◆पारदर्शी चयन व्यवस्था और योग्यता आधारित प्रणाली पर भी लगे गंभीर प्रश्नचिह्न

शिक्षक संगठनों ने दी आंदोलन की चेतावनी

नियुक्ति प्रक्रिया में लगातार हो रही देरी और बदलते सरकारी रुख से शिक्षक संगठनों तथा अभिभावक संघों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। पहले पंचायत चुनावों का हवाला देकर काउंसलिंग टाली गई, फिर विद्यालयों का आवंटन किया गया और अब पूरी प्रक्रिया को समिति के हवाले कर दिया गया है। इससे प्रशासनिक निर्णय क्षमता और नीतिगत स्पष्टता पर सवाल उठ रहे हैं। शिक्षक संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि मेरिट के आधार पर चयनित शिक्षकों को शीघ्र नियुक्तियां नहीं दी गईं तो प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। वहीं अभिभावकों ने भी सरकार से बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है, ताकि सीबीएसई विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो और चयनित शिक्षकों के साथ न्याय सुनिश्चित हो सके।

विमल नेगी प्रकरण में सीबीआई चार्जशीट में नया खुलासा

डिजिटल साक्ष्य मिटाने के आरोप से आया सियासी भूचाल, शीर्ष अधिकारियों पर भी गंभीर आरोप

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के तत्कालीन मुख्य अभियंता विमल नेगी की रहस्यमयी मौत से जुड़े मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की चार्जशीट ने जांच को नया और गंभीर मोड़ दे दिया है। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में आरोप लगाया है कि मामले की जांच से जुड़े एएसआई पंकज शर्मा ने महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्यों को नष्ट करने का प्रयास कर न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाई। एजेंसी का दावा है कि विमल नेगी के शव से बरामद एक पेन ड्राइव को गायब कर दिया गया, जिसमें मामले से जुड़े अहम तथ्य और डिजिटल प्रमाण मौजूद थे। सीबीआई के अनुसार यह कदम जांच को प्रभावित करने और सच्चाई को सामने आने से रोकने की मंशा से उठाया गया था। इसी मामले में एएसआई पंकज शर्मा को सितंबर 2025 में गिरफ्तार भी किया गया था, हालांकि बाद में उन्हें न्यायालय से जमानत मिल गई। जानकारी के अनुसार, सीबीआई द्वारा विशेष अदालत में दाखिल चार्जशीट में एचपीपीसीएल के तत्कालीन प्रबंध निदेशक हरिकेश मीणा तथा निदेशक (इलेक्ट्रिकल) देशराज के खिलाफ भी आपराधिक साजिश, पेशेवर प्रताड़ना और एक ठेकेदार को अनुचित लाभ पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसी का कहना है कि पेखुबेला सौर ऊर्जा परियोजना से जुड़े विवादों, प्रशासनिक दबाव और कार्यस्थल पर बढ़ते तनाव के कारण विमल नेगी मानसिक रूप से अत्यधिक परेशान थे। सीबीआई ने अदालत से सभी आरोपियों के खिलाफ समन जारी कर विधिसम्मत मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है।

अब अदालत सीबीआई द्वारा दायर चार्जशीट में लगाए गए आरोपों और प्रस्तुत साक्ष्यों की प्रारंभिक जांच के बाद आगे की न्यायिक प्रक्रिया तय करेगी।

◆एएसआई पर पेन ड्राइव गायब कर न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित करने का गंभीर आरोप

चार्जशीट से खुली सरकार की पोल: हर्ष महाजन

शिमला। विमल नेगी प्रकरण में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा अदालत में दायर चार्जशीट के बाद प्रदेश की राजनीति में नया भूचाल आ गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि चार्जशीट में सामने आए तथ्यों ने सरकार के चेहरे से नकाब हटा दिया है। उन्होंने कहा कि फर्जी प्रमाणपत्र जारी करने, आधिकारिक दस्तावेजों में कथित हेरफेर, अधिकारियों पर दबाव बनाने और जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने जैसे आरोप केवल प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि सत्ता संरक्षण में पनपे भ्रष्टाचार की ओर संकेत करते हैं। शिमला से जारी बयान में हर्ष महाजन ने कहा कि प्रदेश की जनता जानना चाहती है कि आखिर किसके इशारे पर नियमों को दरकिनार किया गया, किसके दबाव में अधिकारियों को काम करने के लिए मजबूर किया गया और किन लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए पूरी व्यवस्था को दांव पर लगाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीआई चार्जशीट में न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने और जांच को प्रभावित करने संबंधी जो तथ्य सामने आए हैं, वे बेहद गंभीर हैं। महाजन ने कहा कि यदि साक्ष्यों और अभिलेखों से छेड़छाड़ के प्रयास हुए हैं तो यह कानून और संविधान दोनों के खिलाफ अपराध है, जिसकी निष्पक्ष और व्यापक जांच होनी चाहिए।

हाई लेवल जांच की मांग

महाजन ने मांग की कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर प्रशासनिक, राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की पड़ताल की जाए। उन्होंने कहा कि केवल कुछ अधिकारियों को बलि का बकरा बनाकर मामले को दबाने नहीं दिया जाएगा। भाजपा इस मुद्दे को विधानसभा से लेकर जनता की अदालत तक उठाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल विमल नेगी तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश की प्रशासनिक पारदर्शिता और सुशासन से जुड़ा हुआ है, इसलिए सरकार को अब जवाब देना ही होगा।

मां राज-राजेश्वरी महामाया मंदिर की भव्यता और देव संस्कृति से अभिभूत हुए सैलानी

करसोग ने मोहा चंडीगढ़-मोहाली के पर्यटकों का मन

अनंत ज्ञान

लक्की शर्मा, करसोग। शकारी देवी की मनोरम पर्वत श्रृंखलाओं से घिरे पांगणा में स्थित सुकेत रियासत की अधिष्ठात्री मां राज-राजेश्वरी महामाया का 1261 वर्ष पुराना छह मंजिला दुर्गनुमा मंदिर अपनी अद्वितीय वास्तुकला, ऐतिहासिक विरासत और आध्यात्मिक गरिमा के कारण देशभर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण पांगणा की रमणीय वादियों के मध्य स्थापित यह ऐतिहासिक धरोहर न केवल आस्था का प्रमुख केंद्र है, बल्कि इतिहास, संस्कृति और पारंपरिक हिमालयी स्थापत्य कला का जीवंत प्रतीक भी है। लकड़ी और पत्थर से निर्मित बहुमंजिला मंदिर की भव्य संरचना तथा बौद्ध शैली से प्रभावित इसकी छत तत्कालीन शिल्पकारों और वास्तुकारों की उत्कृष्ट कला का परिचय देती है। हाल ही में चंडीगढ़ और मोहाली से आए पर्यटकों के एक दल, जिसमें सुगरफेड के सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक पवन कुमार भल्ला, उनकी पत्नी सुमन भल्ला सहित अन्य सदस्य शामिल थे, ने करसोग घाटी के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों—ममलेश्वर महादेव, कामाक्षा देवी, चिण्डी माता, महासूदेव मंदिर बखरास तथा पांगणा स्थित मां महामाया मंदिर के दर्शन किए। इस दौरान पर्यटक स्थानीय देव संस्कृति, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर देवरथों के नृत्य और सुकेती धाम के पारंपरिक व्यंजनों से भी रू-ब-रू हुए। पर्यटकों ने कहा कि करसोग घाटी वह स्थल है जहां गौरवशाली इतिहास, गहरी आस्था और हिमालयी प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

हरित वादियां, प्राचीन देवस्थल, लोक संस्कृति और शांत वातावरण इस क्षेत्र को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि करसोग अभी भी अत्यधिक व्यावसायिक पर्यटन की भीड़ से अछूता है, जो इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। दल के सदस्यों ने सुझाव दिया कि शिमला-तत्तापानी-करसोग-शिकारी देवी मार्ग पर प्रमुख पर्यटन स्थलों, धार्मिक धरोहरों और जल क्रीड़ा गतिविधियों से संबंधित आकर्षक एवं सचित्र सूचना पट स्थापित किए जाएं, ताकि बाहरी पर्यटकों को बेहतर मार्गदर्शन मिल सके। उन्होंने बताया कि पर्याप्त जानकारी के अभाव में इस बार वे तत्तापानी और शिकारी देवी के दर्शन नहीं कर सके, लेकिन भविष्य में पुनः करसोग आकर तत्तापानी, शिकारी देवी और कमरुनाग के पवित्र स्थलों के दर्शन अवश्य करेंगे। उन्होंने कहा कि करसोग घाटी आज भी हिमाचल प्रदेश के उन चुनिंदा पर्यटन स्थलों में शामिल है, जहां आगंतुकों को आध्यात्मिक शांति, सांस्कृतिक समृद्धि, लोक परंपराओं की जीवंत झलक और प्रकृति का अनुपम सान्निध्य एक साथ प्राप्त होता है।

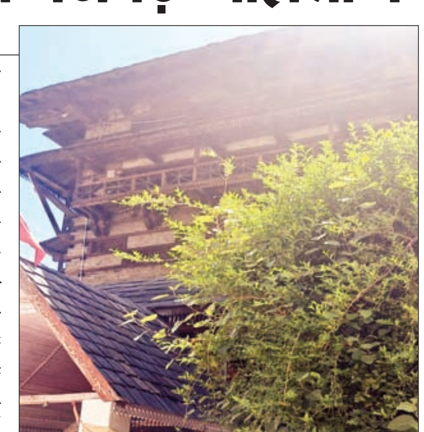

◆क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार करने का दिया सुझाव

कुजाबल्ह स्कूल व आईटीआई के पास नहीं लगी क्रेट वॉल

अनंत ज्ञान

रतेश चौहान, सरकाघाट। संधोल तहसील के अंतर्गत आने वाले कुजाबल्ह स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और आईटीआई के समीप बरसाती नाले के किनारे सुरक्षा के लिए अब तक क्रेट वॉल नहीं लगाई गई है, जिससे स्थानीय लोगों और संस्थानों के विद्यार्थियों में चिंता बढ़ गई है। पिछले वर्ष भारी बारिश के दौरान नाले में आई बाढ़ का पानी स्कूल और आईटीआई परिसर में घुस गया था, जिससे काफी नुकसान हुआ था।

बाढ़ के कारण विद्यालय के बाहर से गुजरने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़क का बड़ा हिस्सा भी बह गया था। हालांकि विभाग ने सड़क की अस्थायी मरम्मत कर यातायात बहाल कर दिया, लेकिन प्रभावित स्थल पर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था आज तक नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना क्रेट वॉल के यह व्यवस्था अधिक समय तक सुरक्षित नहीं रह सकती। उनका कहना है कि आगामी बरसात में नाले का जलस्तर बढ़ने पर सड़क फिर से क्षतिग्रस्त हो सकती है, जिससे स्कूल, आईटीआई और आसपास के क्षेत्रों का संपर्क प्रभावित होने का खतरा बना रहेगा।

ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग और प्रशासन से मांग की है कि बरसात शुरू होने से पहले प्रभावित क्षेत्र में क्रेट वॉल लगाकर स्थायी सुरक्षा उपाय किए जाएं। वहीं, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग उपमंडल टिहरा कमलेश ठाकुर ने बताया कि उन्होंने हाल ही में टिहरा में पदभार संभाला है मामला उनके संज्ञान में है जल्द उक्त स्थान पर क्रेट वॉल लगाई जाएगी, ताकि स्कूल और सड़क दोनों का बचाव किया जा सके।

नीली क्रांति | हिमाचल प्रदेश में जनवरी 2023 से मार्च 2026 के बीच 60,799.66 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन

मछली पालन बना स्वरोजगार और समृद्धि का आधार

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। पहाड़ों की सुरम्य वादियों में अब मत्स्य पालन भी आर्थिक प्रगति का नया अध्याय लिख रहा है। सीएम सुक्खू के नेतृत्व में राज्य का मत्स्य क्षेत्र बीते तीन वर्षों में अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचा है। आधुनिक तकनीकों, दूरदर्शी नीतियों और मछुआरों के कल्याण के लिए लागू की गई योजनाओं ने इस क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। कभी सीमित गतिविधि माना जाने वाला मत्स्य क्षेत्र आज हजारों परिवारों की आजीविका, रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बन चुका है। यही कारण है कि प्रदेश अब देश में 'नीली क्रांति' के एक सफल और प्रेरणादायक मॉडल के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। जानकारी के अनुसार जनवरी 2023 से मार्च 2026 के बीच प्रदेश में 60,799.66 मीट्रिक टन मछली उत्पादन दर्ज किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 972.46 करोड़ रुपये रही। उत्पादन के आंकड़ों में लगातार बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि मत्स्य क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तेजी से अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। वर्ष 2023-24 में 17,721.64 मीट्रिक टन उत्पादन से शुरू हुआ यह सफर वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 20,005.97 मीट्रिक टन तक पहुंच गया।

बता दें कि मत्स्य क्षेत्र आज प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। वर्ष 2023 से 2026 के बीच विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 1,553 युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। बायोफ्लॉक तकनीक, रीसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, तालाब आधारित मत्स्य पालन और ट्राउट फार्मिंग जैसी आधुनिक पद्धतियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए द्वार खोले हैं। सरकार द्वारा हैचरी, मत्स्य बीज उत्पादन, फीड मिलों और विपणन सुविधाओं के लिए दिए जा रहे अनुदान ने इस क्षेत्र में निवेश और भागीदारी को बढ़ावा दिया है।

मत्स्य में नवाचार व जैव विविधता संरक्षण का मॉडल बना हिमाचल

मत्स्य क्षेत्र में नवाचार व जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए भी राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। प्रदेश का पहला महाशीर संरक्षण कार्यक्रम शुरू कर गोल्डन महाशीर के 40 हजार से अधिक फिंगरलिंग विभिन्न जलाशयों और नदियों में छोड़े गए हैं। इसी उत्कृष्ट पहल के लिए मत्स्य विभाग को प्रतिष्ठित 'स्कॉच गोल्ड अवार्ड-2025' से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अमूर कार्प, एचआर जयंती और अमृत कतला जैसी उन्नत प्रजातियों का विकास किया जा रहा है, जिनकी वृद्धि और प्रजनन क्षमता पारंपरिक प्रजातियों की तुलना में अधिक है। स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य का मत्स्य क्षेत्र केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजगार, नवाचार, सामाजिक सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के संतुलित मॉडल के रूप में उभर रहा है।

वहीं, प्रदेश का ट्राउट उत्पादन देशभर में अपनी अलग पहचान बना रहा है। विभागीय ट्राउट फार्मों ने तीन वर्षों में 42.29 मीट्रिक टन ट्राउट उत्पादन कर 235.16 लाख रुपये की आर्थिक गतिविधि दर्ज की, जबकि निजी ट्राउट किसानों ने लगभग 333.40 करोड़ रुपये मूल्य की 5,000.87 मीट्रिक टन ट्राउट का उत्पादन किया।

कुल्लू जिले के पतलीकूहल में स्थापित अत्याधुनिक कोल्ड वाटर आरएएस प्रणाली ने ट्राउट उत्पादन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया है। इस तकनीक से ट्राउट तैयार होने की अवधि 14 महीने से घटकर लगभग 10 महीने रह गई है। प्रदेश की गुणवत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2025-26 के दौरान हिमाचल ने उत्तराखंड को लाखों की संख्या में ट्राउट फ्राई और आइड ओवा उपलब्ध करवाए, जिससे राज्य की मत्स्य बीज उत्पादन क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली।